जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 17 | संख्याः 339 | प्रभात | चूरू, बुधवार 8 अप्रैल, 2026 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

जिस देश का इतिहास कुछ ढाई सौ साल का है, ने दो हजार साल पुरानी सभ्यता को नेस्तनाबूद करने की धमकी दी

धमकी की पूर्ति में अमेरिका ने ईरान के खार्ग टापू पर बमबारी शुरु की तथा टापू पर स्थित ईरान सेना के डिपो व टर्मिनल पर भी बम बरसाए

- खार्ग टापू से ईरान का नब्बे प्रतिशत ऑयल निर्यात होता है।
- ईरान ने भी अमेरिका के मित्र देशों पर जवाबी बम वर्षा की तथा अमेरिका को अंगूठा दिखाते हुए कहा कि ईरान के 14 मिलियन निवासी अपने देश की सुरक्षा के लिए जान देने को तैयार हैं। प्रतीक के रूप में, ईरान के लोकप्रिय संगीतज्ञ, पावर प्लांट के सामने बैठे हैं, हाथ में ईरान के लोकप्रिय वाद्य बजाते हुए। जैसा कि विदित ही है, ट्रंप ने ईरान के पावर प्लांट्स, पुल आदि नष्ट करने की धमकी दे रखी है।
- खाड़ी में अमेरिका के मित्र देश, जिन्हें ईरानी ड्रोन व मिसाइल पहले से ही काफी नुकसान पहुँचा चुके है, शिकायतें तो कर रहे हैं, पर इसके आगे कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं।
- पर, युद्ध और खतरनाक मोड़ पर पहुँच गया है तथा युद्ध कर रहे देश, ''डिसैलिनेशन प्लांट्स को भी निशाना बनाने का मन बना रहे हैं। इस रेगिस्तानी इलाके में पानी के स्रोत बहुत कम हैं तथा डिसैलिनाइज़ेशन प्लांट्स के सहारे ही पीने का पानी उपलब्ध होता है। अगर, ये प्लांट बम से उड़ा दिए गये तो युद्ध के भारी दुष्परिणाम होंगे।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। ईरान, जो कि दो सहस्त्राब्दियों से अधिक पुरानी फ़ारसी सभ्यता का जन्मस्थान है, को उस देश से विनाश की धमकी मिली है, जिसका इतिहास केवल 250 साल पुराना है और जो अपनी आग्नेय शक्ति पर गर्व करता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ एक असभ्य धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी बमबारी ऐसी होगी कि पूरी सभ्यता को समाप्त कर देगी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान इस विनाशकारी स्थिति से बचना चाहता है तो उसे अमेरिका के साथ समझौता करना होगा और होर्मुज़ स्ट्रेट को खोलना होगा।

ट्रंप ने दावा किया कि एक रात की बमबारी में पूरी सभ्यता समाप्त हो जायेगी। लेकिन ईरान ने ट्रंप की मांगों के आगे झुकने से इंकार कर दिया है। देश के राष्ट्रपति ने कहा कि 1.4 करोड़ ईरानी अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए मर-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

युद्ध समाप्ति के लिए ईरान का 10 सूत्रीय प्लान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। राष्ट्रपति ट्रंप की 15-बिंदु की 'शांति' योजना के जवाब में ईरान ने 10-बिंदु की प्रस्तावित योजना पेश की है, जो उचित प्रतीत होती है और जो पश्चिम एशिया में स्थायी शांति के लिए तैयार की गई है।

- इसमें ईरान पर भविष्य में हमला नहीं करने की गारंटी और अमेरिकी प्रतिबंध हटाने की मांग की गई है।

यह केवल संघर्षविराम के लिए नहीं, बल्कि युद्ध को समाप्त करने के लिए है।

ईरान की 10-बिंदु योजना इस प्रकार है:

1. यह गारंटी दी जाए कि ईरान पर फिर कभी हमला नहीं किया जाएगा।
2. केवल संघर्षविराम नहीं, बल्कि युद्ध का स्थायी अंत होगा।
3. लेबनान में इज़रायली हमलों का अंत किया जाए।
4. ईरान पर लगे सभी अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाया जाए।
5. ईरानी सहयोगियों के खिलाफ सभी क्षेत्रीय लड़ाइयों का अंत हो।
6. इसके बदले में, ईरान होर्मुज़ स्ट्रेट को खोल देगा।
7. ईरान प्रत्येक जहाज से होर्मुज़ शुल्क के रूप में 2 मिलियन डॉलर लेगा।
8. ईरान इन शुल्कों को ओमान के साथ साझा करेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के संगठन की ताप, से बनर्जी भी बौखलायीं

वे तरह-तरह की, विरोधाभासी साजिश की थ्योरी खूब प्रचारित कर रही हैं

- एक तरफ तो वे चुनाव के बाद पूर्ण विपक्ष में एकता का नारा देकर पूरे देश का दौरा करने की योजना बना रही हैं।
- दूसरी ओर वे दक्षिण भारत के विपक्ष की सरकारों पर आरोप लगा रही हैं, विशेषकर तमिलनाडु व केरल की पार्टियों पर, कि वे भाजपा से, मोदी से मिल गई हैं। क्योंकि, बंगाल के 500 प्रशासनिक अधिकारियों को बंगाल से बाहर पोस्ट किया है, केन्द्र की भाजपा सरकार ने और तमिलनाडु व केरल सरकार ने बंगाल के अफसरों को अपने यहाँ चुनाव के दौरान पोस्टिंग देकर बिना विरोध किये स्वीकार कर लिया है।
- कुछ दिन पहले उन्होंने एक और साजिश की बात कही थी कि भाजपा सरकार एक और पहलगाम काण्ड कराएगी, बंगाल में मतदान से पहले।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। पश्चिम बंगाल चुनावों के समापन के बाद विपक्ष की एकता को फिर से जीवित करने के लिए देशभर में यात्रा की योजना की घोषणा करते हुए, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ने मंगलवार को उस समय अपने लिए खुद ही मुश्किल खड़ी कर ली, जब उन्होंने कांग्रेस, द्रमुक, उसके नेता एम.के. स्टालिन और तमिलनाडु की सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस के अन्य घटक दलों पर भाजपा के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया।

ऐसे समय पर इस विचित्र षड्यंत्र सिद्धांत, जब दक्षिणी राज्य में चुनाव प्रचार चरम पर है, के चलते क्षेत्रीय दलों के नेताओं में बनर्जी की नेतृत्व क्षमता के प्रति आत्मविश्वास पैदा होने की संभावना कम है। यह धारणा और बढ़ गई है कि भाजपा के आक्रामक रवैये का सामना करते हुए, बनर्जी अजीब और असामान्य विचार प्रस्तुत कर रही थीं।

नदिया जिले में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल कैडर के कई आईएएस और आईपीएस अधिकारी निर्वाचन आयोग द्वारा तमिलनाडु में पर्यवेक्षक के रूप में भेज दिये गये हैं, जिससे बंगाल में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आप (भाजपा) का कांग्रेस और स्टालिन के साथ निश्चित रुप से कोई मौन समझौता है। अन्य चुनावी राज्यों (तमिलनाडु, केरल और असम) में केवल कुछ अधिकारियों का तबादला हुआ, जबकि चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद बंगाल के लगभग 500 अधिकारियों का तबादला बंगाल से बाहर कर दिया गया है।

उसी रैली में बनर्जी ने बड़ा कार्यक्रम भी घोषित किया: बंगाल में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद टीएमसी दिल्ली में भाजपा को निशाना बनाएगी। मैं देशभर में यात्रा कर विपक्ष की एकता कायम करूँगी। हम सभी पार्टियों को साथ लेंगे।

जमीनी रिपोर्टों के अनुसार, बनर्जी की टीएमसी इस चुनाव में भाजपा से कड़ी चुनौती का सामना कर रही है, और वह खुद को, पीड़ित दर्शाने की कोशिश करते हुये, भाजपा की मजबूत मशीनरी के खिलाफ साहसी योद्धा के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। मंगलवार को, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से 2024 में नकली मतदाता सूची के आधार पर सत्ता में आने के लिए इस्तीफा देने की मांग की। ''पूरी सरकार इस्तीफा दे। अगर आप इस्तीफा नहीं देते, तो ध्यान रखें कि लोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट परिसर में वकीलों के लिए वाईफाई, वर्क स्टेशन और कॉमन बार रूम बनाने की मांग

राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने उच्च न्यायालय की बिल्डिंग कमेटी को इस संबंध में पत्र लिखा

- बिल्डिंग कमेटी के सदस्य जस्टिस समीर जैन व जस्टिस अशोक जैन ने बार एसोसिएशन को आश्वासन दिया कि इन सुझावों के लिए जल्दी ही बैठक बुलाई जाएगी और निर्णय लिया जाएगा।

जयपुर, 7 अप्रेल (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने उच्च न्यायालय की बिल्डिंग कमेटी को पत्र लिखकर परिसर में अधिवक्ताओं के लिए वर्क स्टेशन बनाने, प्रिंटिंग व स्कैनिंग की सुविधाएं मुहैया करवाने, सरल व सहज उपलब्धता के जरिए हाई स्पीड वाई-फाई सुविधा और चाय-कॉफी के लिए रिफ्रेशमेंट एरिया विकसित करने, सुरक्षा गार्ड बैठाने तथा गेट नंबर 2 व 3 के पास गाड़ी पार्किंग हटाने समेत कई मुद्दों पर सुझाव दिए हैं।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने यह पत्र कमेटी के अध्यक्ष कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और दूसरे सदस्य न्यायाधीश समीर जैन व न्यायाधीश अशोक कुमार जैन को लिखे हैं। जिस पर जस्टिस समीर जैन व जस्टिस अशोक जैन ने बार एसोसिएशन अध्यक्ष अधिवक्ता राजीव सोगरवाल, महासचिव दीपेश शर्मा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष अधिवक्ता अनुराग कलावटिया को आश्वासन दिया है कि, उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर जल्द ही बैठक बुलाई जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। इस सुझाव पत्र में बार एसोसिएशन ने स्पोर्ट्स रूम फैसिलिटी को सुधारने, ई-ब्लॉक की कैंटीन को बेहत्तर करने, हाईकोर्ट परिसर में बैठने की सुविधा व कोर्ट रूम में मोबाइल व आईपैड की चार्जिंग सुविधा विकसित करने तथा कॉमन बार रूम बनाये जाने का सुझाव भी दिया गया है।

पवन खेड़ा के घर पहुँची असम पुलिस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। असम पुलिस की एक टीम, दिल्ली पुलिस की

- खेड़ा पर असम के मु.मंत्री की पत्नी रिंकी भूइयाँ ने रिपोर्ट दर्ज कराई है, क्योंकि खेड़ा ने मु.मंत्री हिमंता की पत्नी रिंकी भूइयाँ पर तीन पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। इसलिए खेड़ा की तलाश में पुलिस उनके दिल्ली स्थित आवास पर पहुँची।

एक टीम के साथ मंगलवार सुबह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पान मसाला विज्ञापन को लेकर सलमान खान और निर्माता कंपनी को राहत

हाईकोर्ट ने जिला उपभोक्ता आयोग की ओर से जारी जमानती वारंट पर रोक लगाई

- राजश्री पान मसाला और अभिनेता सलमान खान की ओर से अधिवक्ताओं ने पैरवी करते हुए कहा कि, ''योगेन्द्र सिंह ने अपनी याचिका में जिन विज्ञापनों की बात की थी, वह पान मसाला ना होकर सिल्वर कोटेड इलायची से संबंधित थे।''
- हाईकोर्ट ने माना कि जिला उपभोक्ता मंच के पास ऐसी शिकायतें सुनने का कोई अधिकार नहीं था। उन्होंने राजश्री पान मसाला और अभिनेता सलमान खान का पक्ष सुने बिना ही विज्ञापन बंद करने के आदेश दिए थे, जो कि गलत है।
- हाईकोर्ट ने कहा कि ''जब जिला उपभोक्ता मंच के समक्ष राजश्री पान मसाला व अभिनेता सलमान की ओर से अधिवक्ता पैरवी के लिए मौजूद थे, इसके बावजूद भी जमानती वारंट जारी करना और यह कह देना कि अभिनेता सलमान खान के हस्ताक्षर मैच करवाए जाएं, पूरी तरह अवैध है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 7 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुडे मामले में फिल्म अभिनेता सलमान खान व अन्य के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग की ओर से जारी जमानती वारंट पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने विज्ञापन करने पर रोक लगाने के आदेश पर भी रोक लगाई है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश सलमान खान और निर्माता कंपनी कमलाकांत एंड कंपनी एलएलपी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में जिला आयोग द्वारा गत 6 जनवरी और 15 जनवरी तथा राज्य आयोग के 16 मार्च के आदेशों को चुनौती दी गई है। इस मामले में सलमान खान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जी.एस. बापना व उनके सहायक अधिवक्ता शिवांग्शु नवल, पराग खांडर, ज़ारा और चंद्रिमा पैरवी के लिए पेश हुए थे। वहीं राजश्री पान मसाला की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी.सिंह व उनके सहायक अधिवक्ता वरूण सिंह और देवेश शर्मा पैरवी के लिए पेश हुए थे।

याचिकाओं में अदालत को बताया गया कि योगेन्द्र सिंह ने जिला आयोग में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन का इस्तीफा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अप्रेल। एयर इंडिया ने मंगलवार को अपने चीफ एग्ज़ीक्युटिव ऑफिसर (सीईओ) और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन के इस्तीफे की पुष्टि की। एयरलाइन ने एक

- एयर इंडिया ने इस्तीफे की पुष्टि की, पर उत्तराधिकारी मिलने तक कैम्पबेल अपने पद पर काम करते रहेंगे।

आधिकारिक बयान में कहा कि आने वाले महीनों में उनके उत्तराधिकारी को ढूंढने के लिए एक समिति का गठन किया गया है।

न्यूज़ीलैंड में जन्मे विल्सन ने 2022 में एयरलाइन के निजीकरण के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पश्चिम एशिया वॉर बढ़ने का खतरा बढ़ा, ईरान ने लिया मुकाबले का संकल्प

ईरान ने साफ कर दिया है कि वह दबाव में समझौता नहीं करेगा और अमेरिका भी बड़ी डींगें हांक चुका है, इसलिए वह भी पीछे नहीं हट रहा है, फिलहाल कोई कूटनीतिक हल नज़र नहीं आ रहा है

- मुकाबला करने का संकल्प ले चुके तेहरान ने अपने नागरिकों से एक ''असाधारण'' अपील कर डाली। ईरान के डैपुटी स्पोर्ट्स मिनिस्टर अलीरेज़ा रहीमी ने एथलीट्स, कलाकारों और छात्रों से अपील की है कि वे ऊर्जा संयंत्रों के चारों तरफ ''ह्यूमन चेन'' बना लें ताकि अमेरिका हमला न कर पाए। एक वीडियो संदेश में रहीमी ने यह अपील की और कहा, ये संयंत्र हमारी सम्पत्ति हैं। उन्होंने नागरिकों से इसकी रक्षा करने की अपील की।
- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के लिए मंगलवार की समय सीमा तय की थी। उन्होंने कहा, अगर तेहरान ने अनुकूल जवाब नहीं दिया तो अमेरिकी सेना ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर एक साथ हमला कर देगी। हम ईरान को पाषाण युग में पहुँचा देंगे।
- इस बीच इंटरनैशनल एटॉमिक एनर्जी एजेन्सी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने बुशहर परमाणु केन्द्र के पास मिसाइल गिरने पर चिंता जताई, उन्होंने कहा कि एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना नहीं बनाना चाहिए।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अप्रेल। यूएस-इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे 39 दिनों पुराने युद्ध के तेज और अस्थिर चरण में प्रवेश करने का खतरा बढ़ गया है, क्योंकि तेहरान की लौह-निश्चय से मुकाबला करने की नीति से अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नाराजगी बढ़ गई है। वॉशिंगटन ने मौत, विनाश और तबाही की अंतिम चेतावनी जारी कर दी है।

जहां तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह दबाव में कोई वार्ता नहीं करेगा, वहीं वॉशिंगटन के लिए अपने लम्बे -चौड़े दावों से पीछे हटना कठिन साबित हो रहा है। रात भर चले संदेशों से स्थिति बिगड़ी है और ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि तुरंत कोई कूटनीतिक पहल हो सकती है।

जैसे-जैसे अमेरिका द्वारा निर्धारित समय सीमा नज़दीक आ रही है, यह संघर्ष अब केवल हमलों और जवाबी हमलों तक सीमित नहीं रहा। यह अब तेल मार्ग, सिविलियन इन्फ्रास्ट्रक्चर और व्यापक क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों तक फैल गया है। इस सब के केन्द्र में होर्मुज़ स्ट्रेट है और आगे क्या होगा, उससे ही आने वाले दिनों की स्थिति तय होगी।

डॉनल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के बढ़ते हुए, तेहरान ने अपने नागरिकों से एक असामान्य अपील की है। ईरान के उप खेल मंत्री अलिरेज़ा रहिमी ने खिलाड़ियों, कलाकारों और छात्रों से आग्रह किया है कि वे प्रमुख बिजली संयंत्रों के आसपास इकट्ठा हों और मानव श्रृंखला बनाकर किसी भी संभावित अमेरिकी हवाई हमले को हतोत्साहित करें।

यह अपील ऐसे समय आई है, जब वॉशिंगटन ने होर्मुज़ स्ट्रेट को पुनः खोलने के लिए तेहरान को स्पष्ट अल्टीमेटम दिया है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान मंगलवार शाम अमेरिकी समय तक अनुपालन नहीं करता, तो उसे देश भर में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बहुत बड़ी सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रुस और चीन खुलकर ईरान के पक्ष में आये

न्यूयॉर्क, 08 अप्रैल। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच मंगलवार को अमेरिका को झटका लगा है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस और चीन ने उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया, जिसका मकसद हॉर्मुज़ स्ट्रेट

- सुरक्षा परिषद में अमेरिका के होर्मुज़ खोलने के प्रस्ताव को वीटो किया।

को फिर से खोलना था। यह प्रस्ताव ऐसे समय में पारित नहीं हो सका, जब ईरान से समझौते के लिए अमेरिका की समय सीमा नजदीक आ रही है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

सुरक्षा परिषद के 15 में से 11 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पाकिस्तान और कोलंबिया ने मतदान से दूरी बनाई। जरूरी नौ वोट मिल गए थे। फिर भी प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया। रूस और चीन स्थायी सदस्य हैं। उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। –वाल्मीकि

भारत अपना ग्लोबल जीपीएस सिस्टम बनाने की राह पर

स्मार्टफोन मैप से लेकर सटीक हथियारों तक, सैटेलाइट नेविगेशन आज, जिंदगी और युद्ध दोनों का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जिस किसी ने अपने स्मार्टफोन मैप का कभी इस्तेमाल किया है या फिर ओला या ऊबर टैक्सी बुक की है तो इसका मतलब है उसने जीपीएस याने सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया है। बहुत लोग नहीं जानते कि जीपीएस, यानी ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम, अमेरिका का एक विराट नेटवर्कहै। अमरीका के जीपीएस, जिसे ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम कहते हैं, जैसे और भी सिस्टम अभी दुनिया में उपलब्ध हैं, मगर इस व्यवस्था में अमरीका का ही बोल–बाला है। अब भारत भी अपना झूड़ का जीपीएस सिस्टम विकसित कर रहा है। यह सिस्टम सैटेलाइटों के समूह के साथ काम करते हैं। इस वक़्त चार वैश्विक सैटेलाइट सिस्टम पृथ्वी के चारों ओर घूम रहे हैं। ये हवाई जहाज, नाविक जहाज, सड़क के वाहनों, और यहां तक कि होटल खोज रहे पर्यटकों को तथा शहरों में टैक्सी चालकों को भी रास्ता दिखाते हैं। साथ ही ये युद्ध में भी अहम भूमिका निभाते हैंऔर एक दूसरे पर सटीक वार करते हैं। सैटेलाइट नेविगेशन वास्तव में समय का खेल है। यह वैश्विक सैटेलाइट सिस्टम बहुत सटीक परमाणु घड़ियां होती हैं। पृथ्वी के चक्कर लगा रहे सैटेलाइट्स हर पल, अपनी बिल्कुल सटीक स्थिति और सिग्नल भेजने के सही समय को ब्रॉडकास्ट करते रहते हैं। धरती पर इस्तेमाल होने वाले जीपीएस जैसे डिवाइस, इन सिग्नलों को पकड़ कर अपनी सही लोकेशन पहचान पाते हैं। वैश्विक सैटेलाइट सिस्टम चार सैटेलाइटों के सिग्नल से अक्षांश, देशांतर और ऊंचाई का डेटा निरंतर लेता रहता है। इस दौरान किसी भी सैटेलाइट के जरा से समयान्तर को भी वह दुरुस्त करता रहता है। यह तकनीक बहुत तेज और सटीक है। लेकिन इसमें एक कमजोरी भी छिपी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम के सिग्नल काफी नाजुक होते हैं। ये सिग्नल इतने कमजोर होते हैं कि इनके पास अगर रेडियो तरंगों में, चाहे गलती से या जानबूझकर कुछ शोर आ जाये, तो इनके रिसेप्शन में दखल आ सकता है। चुनौती यह है कि इसे समझा जाय और जोखिम कम करने के लिए कदम उठाये जाय और यह सिस्टम हमें सुविधाएं डेटा रहे।

दुनिया में इस समय चार वैश्विक नेविगेशन शक्तियां हैं वे हैं अमेरिका, रूस, यूरोप और चीन। सबसे पहले 1970 के दशक में दो ग्लोबल नेविगेशन सिस्टम अमेरिका और सोवियत यूनियन ने विकसित किए थे। अमेरिका ने 'जीपीएस' बनाया, जो पूरी दुनिया के क्षेत्र को कवर करने वाला पहला सैटेलाइट नेविगेशन नेटवर्क बना। आज सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला सिस्टम भी यही है। लगभग उसी समय सोवियत रूस ने अपना 'ग्लोनास' सिस्टम बनाया। उसके बाद 2000 के दशक की शुरुआत में यूरोपीय संघ ने यह सोचकर कि जीपीएस पर निर्भर रहना यूरोप को अमेरिका की रणनीतिक तकनीक पर निर्भर बना देगा, तो उन्होंनेअलग से अपना 'गैलिलियो' सिस्टम बनाना शुरू किया। चीन का 'बाइडू' सिस्टम इन चारों में सबसे नया है। यूरोप की तरह, चीन भी अमेरिका के जीपीएस पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता था। ये चारों सिस्टम लगभग एक जैसे हैं, और नागरिक और सैन्य दोनों कामों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। 'जीपीएस', 'ग्लोनास' और 'गैलिलियो' लगभग एक जैसी कक्षाओं पर लगभग 19,000 से 23,000 किलोमीटर की ऊंचाई पर समान संख्या में सैटेलाइट इस्तेमाल करते हैं। 'बाइडू' अपने सिस्टम में ऊंची कक्षाओं वाली सैटेलाइट्स जोड़ता है जिससे उसे एशिया में स्थानीय कवरेज बेहतर मिले। इनमें से हर–एक सिस्टम धरती पर किसी भी जगह संकेत भेज सकता है, चाहे वह कलाई की घड़ी जितनी छोटी डिवाइस ही क्यों न हो।

ज्यादातर डिवाइस कई तरह की सैटेलाइट समूहों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह डिवाइस पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए किसी की स्मार्टवॉच 'जीपीएस' और 'ग्लोनास' दोनों का इस्तेमाल कर सकती है। जापान औरभारत के पास भी ऐसे सिस्टम हैं, लेकिन वे पूरी दुनिया के क्षेत्र को कवर नहीं करते हैं। वे सीमित नेविगेशन देते हैं। जापान का नेविगेशन सिस्टम है 'क्यूजेडएसएस' जो एशिया ओशेनिया क्षेत्र में काम करता है, हालांकि इसका मुख्य फोकस जापान पर ही है। भारत का अपना नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' है। 'नाविक' यानी नेविगेशन विद इंडियन कॉनस्टेलेशन। यह एक स्वतंत्र नेविगेशन सिस्टम है जिसे भारतीय अंतरिक्ष शोध संस्थान यानी इसरो ने विकसित किया है। नाविक को 2006 में मंजूरी दी गई थी और इसका बजट था 17.4 करोड़ डॉलररखा गया था। इसे 2011 में तैयार होना था लेकिन 2018 में जाकर इसने काम करना शुरू किया। 'नाविक' में 8 उपठाह जुड़े हुए हैं जो 1500 किलोमीटर ऊपर से भारत की पूरी जमीन पर नज़र रखते हैं। फिलहाल 'नाविक' का सीमित इस्तेमाल हो रहा है। इसे सार्वजनिक गाड़ियों पर निगाह रखने, गहरे समंदर की तरफ जाने वाले मछुआरों को सावधान करने और प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति पर नज़र रखनेतथा जानकारी देने के लिये इस्तेमाल किया जाता है। ट्रेनों की ट्रैकिंग के लिए भी इसका इस्तेमालकिया जाता है। भारतीय वैज्ञानिक अब इसे इसे स्मार्टफोन में इस्तेमाल के लिए तैयार कर रहे हैं। दूसरे नेविगेशन सिस्टमों और 'नाविक' में मुख्य फर्क इलाके की निगरानी काहै। दूसरी जीपीएस सेवाएं दुनिया के सारे देशों में काम करती हैं और उनके उपठाह दिन भर में धरती का दो बार चक्कर लगाते हैं। इसके उलट 'नाविक'फिलहाल केवल भारत और उसके आसपास के इलाके पर नज़र रखता है।

> **सैटेलाइट नेविगेशन वास्तव में समय का खेल है। यह वैश्विक सैटेलाइट सिस्टम बहुत सटीक परमाणु घड़ियां होती हैं। पृथ्वी के चक्कर लगा रहे सैटेलाइट्स हर पल, अपनी बिल्कुल सटीक स्थिति और सिग्नल भेजने के सही समय को ब्रॉडकास्ट करते रहते हैं। धरती पर इस्तेमाल होने वाले जीपीएस जैसे डिवाइस, इन सिग्नलों को पकड़ कर अपनी सही लोकेशन पहचान पाते हैं। वैश्विक सैटेलाइट सिस्टम चार सैटेलाइटों के सिग्नल से अक्षांश, देशांतर और ऊंचाई का डेटा निरंतर लेता रहता है। इस दौरान किसी भी सैटेलाइट के जरा से समयान्तर को भी वह दुरुस्त करता रहता है। यह तकनीक बहुत तेज और सटीक है। लेकिन इसमें एक कमजोरी भी छिपी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम के सिग्नल काफी नाजुक होते हैं। ये सिग्नल इतने कमजोर होते हैं कि इनके पास अगर रेडियो तरंगों में, चाहे गलती से या जानबूझकर कुछ शोर आ जाये, तो इनके रिसेप्शन में दखल आ सकता है**

भारत ने 2021 में सेटेलाइट नेविगेश नीति का जो प्रस्ताव तैयार किया था उसमें कहा गया है कि सरकार नेविगेशन सिस्टम के कवरेज को विस्तार देने पर काम करेगी जिससे कि इसे क्षेत्रीय से वैश्विक बनाया जा सके। इसके पीछे 'नाविक' के सिग्नल को दुनिया भर में मुहैया कराने का लक्ष्यरखा गया है। पिछले साल अगस्त में भारत सरकार ने कहा कि 'नाविक', ''सटीक स्थिति (पोजिशन एक्यूरेसी) बताने के मामले में अमेरिका के जीपीएस सिस्टम जितना ही अच्छा बन गयाहै।'' सरकार का कहना है कि 'नाविक' को विदेशी उपठाहों और नेविगेशन सर्विस की जरूरतों पर निर्भरता से मुक्त करने किये बनाया गया है। खासतौर से ''रणनीतिक क्षेत्रों'' में।'जीपीएस' और 'ग्लोनास' जैसे सिस्टम पर हमेशा भरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि ये अपने देशों की सुरक्षा एजेंसियों के हाथों ऑपरेट किये जाते हैं। ऐसे में यह मुमकिन है कि नागरिक सेवाओं को दोयम दर्जे में रखा जाये या फिर कभी सेवा से वंचित कर दिया जाये। केंद्र सरकार का कहना है, ''नाविक एक घरेलू सिस्टम है जो भारत के नियंत्रण में है। इसमें किसी खास स्थिति में यह सेवा नहीं देने या फिर वापस लेने का जोखिम नहीं है। भारत अपने मंत्रालयों को भी 'नाविक' के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित कर रहा है। सरकार 5जी मोबाइल सैटों में नाविक अनिवार्य करने की योजना बना रही है। साथ ही अलग– अलग उद्योगों में इसके इस्तेमाल में आने वाली समस्याओं के समाधान कीभी कोशिश हो रही है।

दुनिया भर की सेनाएं भी अब सामग्री प्रबंधन, नक्शे बनाने और सैन्य कार्रवाई की योजना तैयार करने के लिए सैटेलाइट नेविगेशन पर निर्भर हैं। इनकी मदद से क्रूज मिसाइल और तथाकथित 'स्मार्ट बम जैसे हथियारों को गाइड किया जा सकता हैं। ड्रोन चलाने के लिए भी इन्हें इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसी दोहरे इस्तेमाल के कारण सैटेलाइट खुद एक निशाना बन जाते हैं। यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस और यूक्रेन ने सिग्नल ''जैमिंग'' जैसी इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीकें इस्तेमाल कीं। जैमिंग का मतलब है सिग्नल में दखल डालकर उसे बिगाड़ देना, और ''स्पूफिंग'' का मतलब है जमीन पर जीपीएस आधारित सिस्टम को धोखा देना। स्पूफिंग करना जैमिंग से कठिन है, लेकिन इससे दुश्मन को गुमराह किया जा सकता है।नेविगेशन सिस्टम यह भी दिखा सकता है कि कोई यान 400 नॉट्स की स्पीड से दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ रहा है, जबकि असल में वह बाड़मेर के बाहर 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से कार चला रहा होता हैं। इस तरह यह तकनीक किसी क्षेत्र से गुजर रहे जहाजी बेड़े को अपनी लोकेशन छिपाने मेंभी मदद कर सकती है।वर्तमान में अमरीका ईरान युद्ध में इस तकनीक का उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते जहाजों में अत्यंत बारीक त्रुटियां डालने के लिए भी किया गया है, जिससे वह जहाज गलती से किसी और देश के जलक्षेत्र में घुस जाए, और वह देश उसे रोक कर अवैध घुसपैठ के आरोप में उस पर कब्जा कर ले। अमेरिका की रेसिलिएंट नेविगेशन एंड टाइमिंग फाउंडेशन के अध्यक्ष का कहना है कि यह समस्या यूरोप और अमेरिका के लिए रूस और चीन से भी बड़ी है, क्योंकि रूस और चीन के पास ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम के साथ ही अपने घरेलू बैकअप सिस्टम भी हैं। पश्चिम के पास ये नहीं हैं। एक अन्य विशेषज्ञ का मानना है कि सबसे परेशान करने वाली बात यह है कि ऐसी कोई तकनीक मौजूद नहीं है जो ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम संबंधी दिक्कतों को पूरी तरह हल कर दे।

ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम के विकल्प बनाने की भी कोशिशें हुई हैं, लेकिन अभी युद्ध में, सबसे कारगर और तेज उपाय, जैमर से उसे नष्ट कर देना ही है।ऐसे में भारत का अपना नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' बनाना और उसे आगे विकसित करना महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत ने बड़ी प्रगति की है, लेकिन अभी यह विकास के चरण में है।आनेवालेवर्षोंमेंभारतीय सैटेलाइट सही समय पर लॉन्च हो जाते हैं, तो'नाविक' जीपीएस का एक मजबूत विकल्प बन सकता है।

अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा,
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

धन संग्रह गाय के नाम – खर्च के लिए दूसरे काम

गौवंश का 'गौधन से निराश्रित पशु' होना विचार के लिए सामयिक एवं प्रासंगिक विषय बन गया है

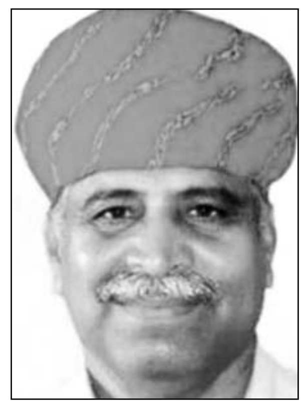

रामपाल जाट

देश के पशुपालन मंत्री राजीव रंजन के अनुसार वर्ष 2023–24 में गायों की संख्या 19.30 करोड़ थी। देश में सरकार द्वारा संचालित एवं पंजीकृत गौशालाओं की संख्या 7,676 है, जिनमें गायों की संख्या लगभग 14 लाख है। विश्व की सबसे बड़ी गौशाला पथमेड़ा है। उसके द्वारा संचालित 15 गौशालाओं में गायों की संख्या लगभग 1,55,000 है। विश्व में सर्वाधिक गायों की संख्या भी भारत में है। वर्तमान में सात व्यक्तियों के लिए एक गाय हैं जबकि वर्ष 1947 में एक व्यक्ति के लिए औसत चार गाय थी, वर्तमान में सात व्यक्तियों के लिए एक गाय है। महाभारत काल में तो गायों के लिए युद्धों का उल्लेख गौ धन के महत्व को दर्शाता है। जो गाय घर–परिवार एवं खूंटे की शोभा एवं सम्मान थी, वे ही गायें सड़कों पर हैं तथा निराश्रित पशु के रूप में चिन्हित हो रही हैं। उनसे फसलों की रक्षा के लिए गोपालक किसानों द्वारा ही शासकों से विनती की जाती है। गौ वंश का 'गौधन से निराश्रित पशु' होना विचार के लिए सामयिक एवं प्रासंगिक विषय बन गया है।

भारत में दुधारू गायों में गुजरात की गिर, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश की साहीवाल, पाकिस्तान के आसपास क्षेत्र से लालसिंधी, राजस्थान एवं गुजरात की थारपारकर एवं काकरेज, राजस्थान के शुष्क प्रदेशों की राठी, आंध्र प्रदेश की ओगोल, महाराष्ट्र की देवनी, केरल की वेचुर नस्ल की गायें प्रमुख है। भारतीय कृषि में बैल सबसे बड़ा ऊर्जा का स्त्रोत रहा है। इसी कारण गाय जब भी बछड़ा देती थी तो परिवार में दीपावली जैसा उत्सव अनुभव किया जाता था, बछडी देने पर दीपावली जैसी प्रसन्नता परिवार में दिखाई नहीं देती थी। दूसरी ओर भारतीय कृषि में परस्पर पूरकता विद्यमान थी।

खेती से बचने वाला चारा, गोवंश के लिए उपयोग में आता था और गौवंश से बचने वाला गोबर एवं मूत्र खेत का उपजाऊपन बढ़ाने के लिए खाद के रूप में काम आता था। इस प्रणाली में परस्परावलंबिता भी थी। कृषि के मशीनीकरण एवं रासायनिकरण से जो चारा खेती से बचता है, वह जलाया जाता है, उससे वायु प्रदूषित होती है, जो गौवंश से बचता है, वह गोबर एवं मूत्र ट्रेक्टर में उपयोग नहीं हो पाता है। इसे ईख यानि गन्ने से समझा जा सकता है। इसके तीन भाग होते हैं, जिसमें निचला जड़ भाग बीज के रूप में, मध्य भाग तना रस के रूप में एवं ऊपरी भाग पत्तियां चारे के रूप में उपयोग में आती है। प्रकृति की यह अद्भुत देन भारत की वैज्ञानिक कृषि प्रणाली को सहज रूप से समझा देती है।

अन्न से शरीर को शारीरिक एवं मानसिक बल प्राप्त होता है, इसलिए उसे देवस्वरूप माना गया है। अन्न का आशय अमृतान्न है। खेती के रासायनिकरण से यह विषान्न बन गया। जो शरीर को पौष्टिकता देने के स्थान पर रोग एवं विभिन्न प्रकार की कैंसर जैसी असाध्य बीमारियां दे रहा है। आयु में वृद्धि के स्थान पर अल्पायु में हृदयाघात की घटनाएं बढ़ रही है। सरकार जेनेटीकली मॉडिफाइड नपुंसक बीजों को प्रोत्साहित कर खेती का खर्च बढ़ाकर किसानों को अपनी जीवन लीला समयपूर्व समाप्त करने की ओर धकेल रही है। रासायनिकरण एवं मशीनीकरण से खेती का खर्चा बढ़ रहा है, इससे ट्रैक्टर जैसे कृषि यंत्र, उपकरण, खाद, बीज, एवं कीटनाशी बनाने वाली कंपनियां तो मालामाल हो रही हैं किंतु किसान कंगाल हो रहा है।

कंपनियां अपने उत्पादों का लागत से कई गुना दाम वसूल करती हैं और किसानों को उनके उत्पादों का अनेकों बार लागत खर्च भी प्राप्त नहीं हो पाता है। किसान विवश और बेचारा बन गया। कृषि में प्रयुक्त होने वाले सामान एवं सामठाी खरीदने जाता है तो सुनना पड़ता है कि 'इस निर्धारित मूल्य पर लेना हो तो लेओ वरना हटो यहां से', वही किसान अपना उत्पाद लेकर बाजार में बेचने जाता है तो उसे सुनना पड़ता है 'इस दाम पर देना हो तो दो वरना हटो यहां से', यानि किसान बेचते एवं खरीदते समय बेचारा बना हुआ है, वह स्वयं को असहाय एवं विवश अनुभव करता है। दुष्परिणामत: किसान ऋणचक्र में फंसता जा रहा है। जो एक दाने से हजार दाने तक पैदा करता है, उसे तो ऋण मुक्त होना चाहिए, तब भी कृषि प्रधान भारत में किसान ऋण की पीड़ा भोग रहा है। गौ आधारित खेती में यह स्थिति संभव नहीं है क्योंकि किसान बाजारवाद की चपेट से बचा रहता है। उसका स्वास्थ्य अच्छा रहने से वह निरोगी होता है, चिकित्सा के लिए चक्कर लगाने नहीं पड़ते हैं एवं औषधियों का खर्चा वहन नहीं करना पड़ता है। उर्वरक एवं मशीनों पर होने वाले खर्च की लूट से भी किसानों को मुक्ति मिलती है, अर्थात श्रेष्ठ समाधान गौ आधारित खेती है। इस हेतु से गौवंश की रक्षा सर्वोपरि है। गौशालाओं की गौवंश की नस्ल बचाने में तो महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए सरकार ने भी सही दिशा में विचार किया और गौशालाओं के संचालन के लिए 2015–16 में 10 उपकर लगाया गया, जिसे गोवंश पर ही खर्च करने का प्रावधान किया। वर्ष 2020–21 के बाद उपकर की मात्रा बढ़कर 30 तक कर दी गयी।

2015–16 से लेकर 31 दिसंबर 2025 तक प्राप्ति में से खर्च की गई राशि के संबंध में सूचना के अधिकार के अनुसार 2060 करोड़ रुपए शेष है। एक ओर तो निराश्रित गायों के लिए छाया का प्रबंध नहीं होने से वे सड़कों पर है, दूसरी ओर इतनी बड़ी राशि का उपयोग नहीं किया जा रहा है। संभावना यह भी व्यक्त की जा रही है कि गायों के नाम पर उपकर से वसूली जा रही राशि अन्य कार्यों के लिए खर्च की जा रही है। इससे सरकार की गाय के लिए गंभीरता पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगता है।

कृषि प्रधान भारत की जनता गौ पूजा एवं सेवा को श्रेष्ठ धर्म मानती है। इसीलिए सामान्यतया घरों में बनने वाली पहली रोटी गाय के लिए ही रखे जाने की जाने की श्रेष्ठ परंपरा प्रचलन में रही है। इसी दिशा में गौशालाओं के साथ गौपालकों को भी प्रोत्साहन दिया जाए तो श्रेयस्कर सिद्ध हो सकता है। इस हेतु से उपकर की राशि के खर्चे पर विचार किया जाना भी सार्थक हो सकता है। यह समीकरण भी विचार के लिए समीचीन है कि 5 लाख का शहर 500 गायों की पालना नहीं कर सकता जबकि 500 घरों का गांव 500 गायों को सरलता से रख सकता है। गोवंश की वृद्धि एवं रक्षा के लिए बैल आधारित खेती को सर्वोत्तम उपाय के रूप में अपनाना श्रेष्ठ विचार है। जन–जन की आत्मीय भावनाओं का आधार गौवंश देश के अन्नदाताओं को बाजारवाद एवं ऋणचक्र से मुक्ति दिलाने में कारगर हो सकता है। इस दिशा में सरकार द्वारा आरंभ बैल आधारित खेती के प्रोत्साहन के लिए नकद अनुदान जैसी योजनाओं की निरंतरता अपरिहार्य है।

रामपाल जाट,
राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान महापंचायत।

भारत : अस्थिर दुनिया में आत्मनिर्भरता जरूरी

प्रो. महेश चंद गुप्ता

दुनिया अब अलग–अलग बिखरे देशों का नक्शा मात्र नहीं रही है। यह एक ऐसा तंत्र बन गई है, जिसमें कहीं भी हलचल होती है तो उसकी तरंगें दुनिया के हर कोने तक पहुंचती हैं। हाल में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच टकराव की स्थिति के बाद पैदा हुए तनाव ने इस सच्चाई को फिर से उजागर कर दिया है। इससे पहले रूस–यूक्रेन युद्ध से भी यह सबक मिल चुका है कि जंग किसी एक भूभाग तक सीमित नहीं रहती। उसके असर सीमाओं से परे जाते हैं। इस बात को हम लागू होते देख रहे हैं।

भारत इस अमेरिका–इजरायल–ईरान संघर्ष का हिस्सा नहीं है, लेकिन उसका असर हमारे यहां साफ दिखाई दे रहा है। पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति में अस्थिरता, छोटे उद्योगों का ठप पड़ना, निर्यात पर असर–ये सब संकेत दे रहे हैं कि वैश्विक अस्थिरता का बोझ हम भी ढो रहे हैं। दुनिया इतनी छोटी हो चुकी है कि कई लोग इसकी तुलना एक गांव से भी करते हैं। मानना ही होगा कि यह एक ऐसा साझा घर बन चुकी है, जिसकी एक दीवार पर आग लगे तो दूसरी दीवार पर बैठे लोग भी उसकी आंच महसूस करते हैं। यही वजह है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ता तनाव सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उसकी छाया हमारे रसोईघर, बाजार और छोटे–छोटे काम–धंधों तक आ पहुंची है।

भारत की नीति स्पष्ट रूप से शांति की है, लेकिन वैश्विक व्यवस्था में उसकी भागीदारी इतनी गहरी है कि किसी भी तनाव के असर से बचना संभव नहीं है। शहरों में ठेले पर चाय बेचने वाला हो या मिठाई की दुकान चलाने वाला हलवाई, हर किसी के काम पर इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। गैस सिलेंडर की बुकिंग में देरी अब सिर्फ एक असुविधा नहीं, बल्कि रोजमर्रा की कमाई पर चोट बनती जा रही है। इसका बड़ा कारण मूलभूत जरूरतों के लिए हमारा अन्य देशों पर निर्भर होना है। बड़ा सवाल यह है कि क्या हम अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए इतने अधिक बाहरी स्त्रोतों पर निर्भर हो चुके हैं कि कहीं भी हलचल हो और हमारी जमीन हिलने लगे?

यह सच है कि हमारी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आज भी आयात किए गए तेल और गैस से पूरा होता है। खाड़ी क्षेत्र में तनातनी बढ़ते ही सप्लाई चेन पर दबाव पड़ता है और उसका सीधा असर हमारे घरों तक पहुंचता है। यह निर्भरता केवल आर्थिक नहीं है, बल्कि रणनीतिक कमजोरी भी है। लेकिन बात केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है। भारत का औद्योगिक और कृषि ढांचा भी कई मायनों में वैश्विक आपूर्ति पर टिका हुआ है। खाद्य तेल से लेकर उर्वरकों तक, इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर रक्षा उपकरणों तक कई ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हैं। यह स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब वैश्विक संकट लंबा खिंचने लगता है।

तीन दशक पहले सद्दाम हुसैन को काबू करने के लिए मित्र देशों द्वारा इराक पर हमलों से डीजल–पेट्रोल के लिए हमारे देश में लगी लंबी कतारें हमें याद हैं। अब हम कमोबेश वैसी ही स्थिति की आशंका देख रहे हैं। बात केवल आयात की नहीं है, निर्यात भी इस संकट से प्रभावित हो रहा है। बीकानेर का भुजिया, महाराष्ट्र के केले, कपड़ा उद्योग और समुद्री उत्पाद आदि सबका अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचना अब पहले जैसा सहज नहीं रहा। जलगांव से रोजाना दो से तीन हजार टन केला खाड़ी देशों व यूरोप को निर्यात होता है, लेकिन इस युद्ध ने निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। केले से भरे सैकड़ों कंटेनर बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं। इसी प्रकार बीकानेर से भुजिया का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। समुद्री रास्तों में असुरक्षा और लागत बढ़ने से कई व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह केवल माल की आवाजाही का संकट नहीं है, बल्कि इन उद्योगों से जुड़े लाखों लोगों की रोजी–रोटी का भी सवाल है।

भारत की आत्मनिर्भरता की बहस में सूचना एवं प्रौद्योगिकी का क्षेत्र अक्सर नजरअंदाज हो जाता है, जबकि यह आज की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए बेहद अहम है। भारत डिजिटल रूप से तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन इस डिजिटल ढांचे की बुनियाद अब भी काफी हद तक विदेशी तकनीक पर टिकी है। मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम, क्लाउड सेवाएं, सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बाहरी कंपनियों के नियंत्रण में हैं। ऐसे में वैश्विक तनाव या प्रतिबंधों की स्थिति में यह निर्भरता गंभीर जोखिम बन सकती है। इंटरनेट के क्षेत्र में भी हालात अलग नहीं हैं। सोशल मीडिया, सर्च इंजन और डेटा स्टोरेज जैसे प्लेटफॉर्म विदेशी स्वामित्व में हैं, जिससे डेटा सुरक्षा और डिजिटल संप्रभुता पर सवाल उठते हैं। यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक चुनौती भी है।

इसके साथ ही, भारत में मौलिक आविष्कारों की कमी भी चिंता का विषय है। आईटी सेवाओं में मजबूती के बावजूद, शोध और पेटेंट के मामले में भारत अभी पीछे है। रिसर्च और डवलपमेंट पर कम निवेश इसकी वजह हैं। ऐसे में आत्मनिर्भरता के लिए तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता देना अनिवार्य हो गया है। यह परिदृश्य हमें बाध्य कर रहा है कि हम आत्मनिर्भरता के उस विचार की ओर लौटें, जिसे हम अक्सर नारे के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं, लेकिन उसे व्यवहार में पूरी तरह उतार नहीं पाए हैं। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं है, बल्कि इतना सक्षम बनना है कि वैश्विक उथल–पुथल का असर सीमित किया जा सके। मौजूदा समय में सवाल यह नहीं है कि भारत को वैश्विक व्यापार से दूरी बनानी चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हमारी अपनी नींव इतनी मजबूत है कि बाहरी झटकों को सह सके?

समय की मांग है कि हमें ऊर्जा के क्षेत्र में वैकल्पिक रास्तों की ओर तेजी से बढ़ना चाहिए। सौर और पवन ऊर्जा अब केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं रहे हैं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का आधार भी बन चुके हैं। इसी प्रकार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करना, छोटे उद्योगों को तकनीक और वित्तीय सहायता देना और कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना जरूरी है, क्योंकि ऐसे कदम ही भारत को भीतर से सशक्त बना सकते हैं।

इस बीच, कुछ ऐसे सवाल भी हैं जिनका उत्तर हमें खोजना चाहिए। बड़ा सवाल है कि क्या हमने सस्ते आयात के लालच में अपनी उत्पादन क्षमता को कमजोर कर दिया है? क्या हमारी नीतियां दीर्घकालिक सोच के बजाय तात्कालिक लाभ पर अधिक केंद्रित रही हैं? और सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या हम हर संकट के बाद कुछ समय के लिए जागते हैं और फिर वही पुरानी लापरवाही ओढ़ लेते हैं? दुनिया में अस्थिरता निरंतर बढ़ रही है। कभी इस देश में तो कभी उस देश में कुछ न कुछ संकट खड़ा हो ही जाता है।

मानना पड़ेगा कि दुनिया में अस्थिरता अब अपवाद नहीं रही है बल्कि एक स्थाई स्थिति बनती जा रही है। एक युद्ध खत्म होता नहीं है तो दूसरा शुरू हो जाता है। ऐसे में यह उम्मीद करना कि सब कुछ सामान्य रहेगा, शायद खुद को धोखा देने जैसा ही होगा। हमारे सामने चुनौती यह नहीं है कि वह इन युद्धों को रोक सके बल्कि बड़ी चुनौती यह है कि हम इनके प्रभाव को अपने यहां किस हद तक सीमित कर पाते हैं। जब दुनिया जलती है तो उसकी आंच से बचना संभव नहीं है लेकिन हम अपने घर को आग से बचाने के प्रयत्न तो कर ही सकते हैं। आत्म निर्भरता उसी बचाव का नाम है। आत्म निर्भरता ही एक ऐसा कवच है, जो हमें संकट से बचा सकता है। हमारा देश आत्मनिर्भर बने, इसके लिए कदम उठाने ही होंगे। इसके लिए सरकार, हमारे नीति नियंताओं, नागरिकों, संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। यह परिहार्य है, इस बात को समझा जाना चाहिए।

प्रो. महेश चंद गुप्ता
लेखक प्रख्यात विचारक,
चिंतक और वक्ता है)

राशिफल बुधवार 8 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, बुधवार, विक्रम सम्वत 2083, मूल नक्षत्र गुरुवार प्रात: 8.48 तक, वारियान योग सायं 5.10 तक वाणिज करण सायं 7.02 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति – सूर्य–मीन, चन्द्रमा–धनु, मंगल–मीन, बुध–कुम्भ, गुरु–मिथुन,शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में संचार करेगा। आज यमघट योग सूर्योदय दिन रात होगा। कुमार योग सायं 7.02 तक है। रवियोग सम्पूर्ण दिनरात रहेगा। भद्रा सांय 7.02 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघडिया – लाभ–अमृत सूर्योदय से 9.22 तक शुभ 10.55 से 12.29 तक, चट 3.36 से 5.10 तक

राहुकाल – 12.00 से 1.30 तक सूर्योदय 6.14 सूर्यास्त 6.43

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक कारणों से मानसिक तनाव रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

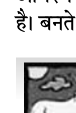

वृष
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा।

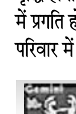

मिथुन
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

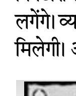

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं, स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

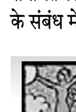

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

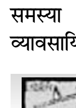

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। घर–परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

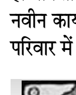

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में उचित परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी वाद–विवाद हो सकते हैं।

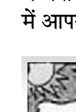

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

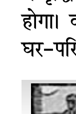

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सार-समाचार

कानूनी साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

बीदासर (निस)राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष सोनिका पुरोहित, जिला एवं सेशन न्यायाधीश शरद कुमार व्यास, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं महेंद्र प्रताप भाटी अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति सुजानगढ़ के निर्देशानुसार बीदासर के दड़ीबा की ज्ञान ज्योति उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को कानूनी साक्षरता और संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सरिता कायथ ने की। इस अवसर पर न्यायाधीश कायथ ने कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों को साइबर दुर्व्यवहार एवं ऑनलाइन गेमिंग के खतरों तथा स्कूली बच्चों के लिए सोशल मीडिया के खतरों, ऑनलाइन स्टॉकिंग व अन्य साइबर संबंधित कानूनी बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी तथा उनसे बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों और सतर्कता के उपाय बताएं। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में अधिकता महेश कुमार छापोला व पैनल अधिवक्ता अरविंद चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक नथमल मीणा, न्यायालय कार्मिक रणवीर सिंह राठौड़ एवं संस्था निदेशक नवल किशोर भी उपस्थित रहे।

चौहान नगर पालिका कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने

चूरू (निसं)। चूरू नगर परिषद कार्यालय में मंगलवार को राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के चुनाव हुए। चुनावों में चूरू जिले के नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन के अध्यक्ष पद पर नगर पालिका रतननगर के वरिष्ठ सहायक मनोहर सिंह चौहान को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर निर्वाचन अधिकारी रिछपाल सिंह चौधरी, आयुक्त अभिलाषा सिंह, अधिशाषी अभियन्ता संरक्षिका पूर्णिमा यादव, संरक्षक इरफान अली, सुनील कुमार सोनी व फैडरेशन के अन्य सदस्य भी चुनाव प्रक्रिया के दौरान उपस्थित थे। इस अवसर पर चौहान का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। निर्वाचन के पश्चात वक्ताओं ने प्रमुख रूप से जिलेभर में संगठन को मजबूत बनाने की बात पर बल दिया। इस दौरान जिला अध्यक्ष चौहान ने कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं का निदान करने का भरोसा दिलाया व साथ ही प्रदेश की नगरीय निकायों में कर्मचारियों के लिए कर्मचारी समस्या समाधान केन्द्र खुलवाने के लिये राज्य सरकार से पत्राचार किये जाने की आवश्यकता जताई। कार्यक्रम का संचालन कमलेश कुमार मील ने किया।

पूर्व उप प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि मनाई

नोहर, (निसं)। ग्राम सुधार समिति ढंढेला नोहर द्वारा जाट समाज भवन में पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके सामाजिक और राजनीतिक जीवन में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि चौधरी देवीलाल का जीवन संघर्ष, सेवा और जनहित के कार्यों के लिए प्रेरणादायक रहा है। इस अवसर पर गणपति बैटरी के संचालक भागमल तथा स्वर्गीय गंगाराम ढक्करवाल (सहारणों की ढाणी) के परिवार की ओर से जाट समाज भवन के लिए दो बैटरियां और इन्वर्टर सहित फिटिंग का सहयोग दिया गया, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 41000 रुपये बताई गई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष महंत योगी गोपालनाथ, सचिव प्रताप सिंह महरिया, कोषाध्यक्ष सुरेश गोदारा सहित सदस्य दयाराम सहू, जगदीश गढ़वाल, सुरेन्द्र सहारण, उपाध्यक्ष कृता गोदारा, दलीप बैनीवाल, अमरसिंह सहू, ओमप्रकाश कासनिया आदि उपस्थित रहे।

पैट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति को लेकर बैठक

हनुमानगढ़, (निसं)। मध्य-पूर्व एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर एलपीजी एवं अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग एवं वाणिज्य) की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में विभिन्न उपभोक्ता वर्गों के लिए गैस आपूर्ति के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए। निर्णय अनुसार औद्योगिक उपभोक्ताओं को उनकी औसत मासिक खपत का 40 प्रतिशत तथा होटल एवं रेस्टोरेंट्स को 60 प्रतिशत गैस की आपूर्ति की जाएगी। साथ ही औद्योगिक श्रमिकों को प्रति श्रमिक अधिकतम 5 किलो के दो गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। बैठक में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के रूप में कोयले के उपयोग पर भी जोर दिया गया। उद्यमियों को आवश्यकता अनुसार कोल इंडिया लिमिटेड से ई-ऑक्शन के माध्यम से मांग दर्ज कराने के लिए कहा गया, ताकि भारत सरकार से अतिरिक्त आवंटन के लिए अनुरोध किया जा सके। महाप्रबंधक श्री आकाशदीप ने इस संबंध में जानकारी दी।

मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप

रतनगढ़ (निसं)। पालिका चुनाव 2026 की प्रकाशित मतदाता नामावली को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेशचंद्र इंदौरिया एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष रमेश कुमावत ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है।ज्ञापन में बताया गया कि राजस्थान राजपत्र के अनुसार वार्डों की जनसंख्या और मतदाताओं की संख्या में भारी अंतर देखने को मिल रहा है। कई वार्डों में जनसंख्या कम होने के बावजूद मतदाताओं की संख्या अधिक दर्शाई गई है, वहीं कुछ वार्डों में इसके विपरीत स्थिति सामने आई है। इसके अलावा, कुछ मतदाताओं के नाम दूसरे वार्डों में जोडे जाने की भी शिकायत की गई है, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल खडे हो रहे हैं।नेताओं ने आरोप लगाया कि यदि इन त्रुटियों का समय रहते सुधार नहीं किया गया तो आगामी चुनाव प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मतदाता सूची का पुनः सत्यापन कर घर-घर सर्वे के माध्यम से सही आंकडे दर्ज किए जाएं।

निजी मोबाइल कंपनी द्वारा खोदे गए गड्ढे मुसीबत बने

नोहर, (निसं)। निजी मोबाइल कंपनी द्वारा केबल डालने के लिए खोदे गए गड्ढे अब दुर्घटना के कारण बनते हुए दिखाई पड़ते हैं। यहां के टैगोर चौक मार्ग पर सोनी मंदिर के सामने पिछले तीन दिनों से खोदा गया गड्ढा आज तक नहीं भरा गए है। केबल डालने के बाद भी कई दिनों तक गड्ढे नहीं भरे जाते हैं। बारिश के इस मौसम में मार्ग पर बनी दुकानों के बेसमेंट में बरसाती पानी इन गड्ढों के कारण जा सकता है। इसके अलावा निजी माबाइल कम्पनी द्वारा किये गए इन गड्ढों के कारण बरसाती मौसम में कभी भी इस अत्यधिक व्यस्तम मार्ग पर दुर्घटना हो सकती है। जिसका खामियाजा स्थानीय प्रशासन को उठाना पड सकता है इसलिए, समय रहते प्रशासन को भी सम्बन्धित निजी माबाइल कम्पनी पर कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि समय रहते बचाव हो सके।

होनहारों का अभिनंदन

चूरू (निसं)। सरदारशहर तहसील के ग्राम बलाल के रा.उ.मा. विद्यालय में कक्षा 5,8,10,12 में सफल होने वाले होनहारों का प्रधानाचार्य रामकुमार खीचड़, स्टॉफ सदस्यों व गांव के प्रबुद्धजनों ने माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया। कक्षा 12 में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे सुनील, मनीषा व प्रियंका तथा कक्षा 10 में सुमन, पवन कुमार व रितिका नेहरा का सम्मान किया गया। इसके बाद डीजे के साथ स्कूल के विद्यार्थियों ने नाचते-गाते गांव के मुख्य मार्गों से रैली निकाली। विद्यालय स्टाफ की ओर से समस्त विद्यालय के विद्यार्थियों को खीर जलेबी खिलाकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

चने की खरीद अव्यलस्थित हुई

नोहर, (निसं)। भूमि विकास बैंक के चेयरमैन व भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिहाग ने जिला कलेक्टर को पत्र भेजकर बतलाया कि गांव में जहां चने के खरीद केंद्र है परंतु समिति के कर्मचारियों के द्वारा सामूहिक रूप से हड़ताल पर रहने की वजह से चने की खरीद नहीं हो पा रही है। किसानों के टोकन की समय सीमा भी खत्म हो रही है। इसलिए गांव में खरीद की कोई वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है ताकि किसान अपने नजदीक फसल को बेच सके।

नेशनल एमएसएमई अवार्ड हेतु आवेदन मांगे

हनुमानगढ़, (निसं)। नेशनल एमएसएमई अवार्ड योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत विनिर्माण श्रेणी में 12 तथा विशेष श्रेणी के उद्यमों के लिए 14 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। महाप्रबंधक आकाशदीप सिद्धू ने बताया कि इच्छुक उद्यमी योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया के लिए जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र, हनुमानगढ़ कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

होनहारों का अभिनंदन किया, रथों के साथ जुलूस निकाला

चूरू (निसं)। स्थानीय श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी बाल विहार विद्यालय के बच्छावत ब्लॉक में मंगलवार को कक्षा 10वीं व 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस दौरान अंग्रेजी व हिन्दी दोनों माध्यमों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के अंग्रेजी माध्यम वर्ग से 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 44 विद्यार्थियों व 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 82 विद्यार्थियों का तथा हिन्दी माध्यम के कुल 11 विद्यार्थियों का प्रधानाचार्य प्रेमसिंह राठौड़, जगदीश प्रसाद जांगिड़, प्रधानाचार्य (हिन्दी माध्यम), विद्यालय कार्यकारिणी समिति सदस्य अजय शर्मा, रविन्द्र सिंह शेखावत व लेखाकार सुरेश शर्मा ने तिलकार्चन कर माल्यार्पण कर व साफा पहनाकर स्वागत किया।

स्थानीय श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी बाल विहार विद्यालय के बच्छावत ब्लॉक में कक्षा 10वीं व 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

वहीं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार आमिर बियानी आर. भारत ब्रास बैंड सरदारशहर के निर्देशन में शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए विद्यार्थियों ने एक शानदार रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य प्रेमसिंह राठौड़ ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं व कक्षा 10वीं में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का भव्य अभिनंदन किया गया।

इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं को 11 सुसज्जित रथों व लगभग 15 वाहनों में बैठाकर शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए एक भव्य रैली निकाली गई। यह रैली विद्यालय से रवाना होकर गढ़ चौराहा, सुभाष चौक, नई सड़क, रेल्वे स्टेशन व धर्मस्तूप होते हुए वापस विद्यालय परिसर पहुँची। उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा चूरू तहसील स्तर पर जारी कक्षा 12वीं (वाणिज्य वर्ग) में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 11 विद्यार्थियों में से 10 विद्यार्थी हमारे विद्यालय के है, जो कि हम सभी विद्यालय परिवार एवं अभिभावकों के लिए गर्व का विषय है।

विद्यालय न्यास व इसके सदस्यों को साधुवाद देते हुए उन्होंने बताया कि विद्यालय न्यास की एक मात्र मंशा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाते हुए उनके बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर करना है। वहीं यहाँ आयोजित होने वाली सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ छात्र-छात्राओं को हर दिशा में प्लेटफार्म प्रदान करती है, ताकि वे अपनी रूचि व योग्यतानुसार खेल, संगीत, गायन, आर्ट एंड क्राफ्ट आदि क्षेत्रों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सके। इस अवसर पर विद्यालय न्यास के मुख्य न्यासी बसंत पारख, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष डॉ. सूरजमल सुराणा, सचिव आनन्द बालाण सहित कलकता व दिल्ली के न्यासियों व सदस्यों ने विद्यालय परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर जगदीश प्रसाद धुओं, विजय शर्मा, घनश्याम शर्मा, भवानी सिंह, इंतजार अली, आदिल खान, सुनील शर्मा, महेश शर्मा, कल्पना जांगिड, ज्योति मेडतिया, सीता सैनी सहित बडी संख्या में विद्यार्थी व स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे।

अवकाश कटौती के विरोध में शिक्षकों का रोष

रतनगढ़ (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) के बैनर तले शिक्षकों ने ग्रीष्मकालीन अवकाश में कटौती के विरोध में अतिरिक्त मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा।

ब्लॉक अध्यक्ष भोजराज शर्मा व मंत्री मुरलीधर अजमेरिया के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में निर्णय को अव्यावहारिक बताते हुए कडा विरोध जताया गया। संघर्ष समिति संयोजक बजरंग बिस्सू ने कहा कि भीषण गर्मी में स्कूल संचालन विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, वहीं मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। शिक्षकों ने अवकाश कटौती वापस लेने, बकाया भुगतान करने व स्कूलों में सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। मांगें नहीं माने जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

सेवानिवृत विद्युत कर्मचारी संघ की बैठक

उदयपुरवाटी (निसं)। कस्बे के नांगल पावर हाउस के बालाजी मंदिर प्रांगण में सेवानिवृत्त विद्युत कर्मचारी संघ की बैठक उपखंडीय अध्यक्ष दुर्गपाल सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसके मुख्य अतिथि समाजसेवी एडवोकेट मोतीलाल सैनी थे।

इस बैठक में सेवानिवृत विद्युत कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर गहनता से विचार विमर्श हुआ। तथा समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित से पत्राचार करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

खराब मौसम के कारण अधिकांशत: कर्मचारी बैठक में नहीं पहुंच सके। सदस्य कोरम के अभाव में महत्वपूर्ण मुद्दे आगामी बैठक के लिए आरक्षित रखे गए। संघ के अध्यक्ष दुर्गपाल सिंह शेखावत ने आगंतुक सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना सख्या 01 to 02–26–27 मंडल रेल प्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 27.04.2026 को 15.00 बजे तक खुली ई–निविदा आमंत्रित करते है:– **निविदा संख्या:** 01 **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मंडल इंजीनियर/लाईन, बीकानेर के क्षेत्राधिकार में 24 माह के लिए नापासर (छोड़कर)– नाथवाणा (छोड़कर) खण्ड पर स्टेशनों, सेक्शन, गैंग एवं समपारों पर पीने के पानी की आपूर्ति करने का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य:** Rs. 2586045.44 **धरोहर राशि:** Rs. 51700.00 **निविदा संख्या:** 02 **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मण्डल इंजीनियर, सूरतगढ़ के नियंत्रण में बैलास्ट डिपो रामसिंहपुर में आरडीएसओ ट्रेक बैलास्ट स्पेसिफिकेशन आइएस/आरडीएसओ–जीई/0001:2023 फरवरी–2023 के अनुसार 65 मिमी गेज मशीन द्वारा तोड़ी गयी रोड़ी गई 45500 घनमीटर रोड़ी की सप्लाई करना और उसकी रेलवे वैगनस / होपरस में लदाई का कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य:** Rs. 93835350.00 **धरोहर राशि:** Rs. 1876700.00 **नोट:–** अन्य शर्ते रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। पत्राक– 128-W/WA/Supply of 45500 Cum/RMSR Depot/26 दिनाक 06.04.2026 **499-AJ/26**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरि. मंडल बिजली इंजीनियर / सामान्य, उ. प. रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: http://www.ireps.gov.in 2. ई–निविदाएं बंद होने की तिथि व समय:** 29.04.2026 को 15:00 बजे तक **3. ई–निविदाएं खोलने की तिथि व समय:** 29.04.2026 को 15.00 बजे के बाद **निविदा सं:** 01-EI-BKN-E-Tender-26-27 **कार्य का विवरण:** Electrical work in c/w provision of minimum essential amenities at various stations of BKN div to recoup shortfall in the jurisdiction of DEN/East/BKN, provision of high level island passenger platform & other passenger amenities between line no. 9 &10 & extension of platform no.6 at Hisar station, raising of PF no. 1 at Lahli & Bamla station to high level & extension to accommodate full length trains & raising of PF no. 1 at Dhana Ladanpur halt station & extension to 480 m, raising of rail level PF no. 1 at Jodhkan halt, Kharak halt & Bhojawas Halt station over BKN division along with extension to 480 m, raising of rail level PF no. 1 at Khabra Kalan halt, Nangal degrota halt, Nyoli kalan halt & Bajekan halt station along with extension to 480 m, provision of 6 m wide FOB at Jharli & 3 m wide FOB at Nangal Pathani halt station (double line section), provision of 3 m wide FOB at Manheru, Sudhrana, Kishangarh. Balawas, Patuwas Mehrana halt station (double line section) & provision of 6m wide FOB at Jatusana & 3m wide FOB at Fatehgarh Haryana halt station over Bikaner division. **अनुमानित लागत (रु):** ₹23523305/– **धरोहर राशि (रु):** ₹ 470500/– **निविदा दस्तावेज लागत:** Nil No. 69-Elect/BKN/E-Tender/2026-27 Dt. 06.04.2026 **498-AJ/26**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया

चूरू (निसं)। आज राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) की उपशाखा चूरू द्वारा अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा को प्रदेश उपाध्यक्ष भंवरलाल कस्वा के नेतृत्व में ग्रीष्मकालीन अवकाशों में कटौती को निरस्त करने एवं भीषण गर्मी में विद्यालय की मूलभूत समस्याओं के समाधान हेतु उपखंड अधिकारी चूरू के माध्यम से प्रेषित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष अनिल लाम्बा ने बताया कि राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए 10 दिनों के ग्रीष्मकालीन अवकाश एवं संस्था प्रधानों द्वारा विवेकाधीन अवकाश को एक दिन कम कर दिया गया है जिसकी वजह से राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों प्रतिकूल होने के कारण बच्चों का विद्यालय आना उनके स्वास्थ्य के प्रतिकूल होगा।

मंत्री खादिम अली ने बताया कि पोषाहार और ट्रांसपोर्ट वाउचर का लंबे समय से बकाया भुगतान चल रहा है जिसका भुगतान अविलंब किया जाए।

कोषाध्यक्ष कमल कुमार रक्षक ने बताया कि उक्त मांगों को गंभीरता पूर्वक विचार कर सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए ताकि शिक्षकों और विद्यार्थियों को न्याय मिल सके इसके अभाव में संगठन आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

इस अवसर पर देवकरण फेगडिया, रणवीर सिंह मुनडिया, शेर सिंह पूनिया, कृष्ण कुमार इशरान, अयूब अली खान, भवानी सिंह, अशोक माहिच, असलम खान, जीतू सिंह, अनिल नैण आदि उपस्थित रहे।

प्रशासन ने गौरव पथ से टायर जब्त कर अतिक्रमण हटाया

- गौरव पथ पर रखे टायर से हो रहे पोल्यूशन एवं अवैध कब्जों पर प्रहार
- स्थानीय प्रशासन के अनेक बार नोटिस देने पर भी आमजन के लिए नहीं खाली किया जा रहा था मार्ग

नोहर, (निसं)। गौरव पथ पर टायर व्यापार कर अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन ने मंगलवार को सख्ती बरती व्यापारियों को कई-बार नोटिस से हटाने का कहने पर भी आम रास्ते से टायर नहीं हटाने पर उपखण्ड अधिकारी ने अपनी मौजूदगी में पालिका अधिशाषी अधिकारी एवं पालिका कर्मचारियों से जेसीबी एवं ट्रेक्टर ट्राली व अन्य संसाधनों में लादकर जब्त किये टायरों को सड़क की दोनों ओर से हटाना शुरु किया।

उप-खण्ड प्रशासन ने साफ शब्दों में गौरव पथ पर अवैध अतिक्रमण नहीं किए जाने को चेताया। ऐसा करने वालों पर लगातार कार्रवाई किए जाने के निर्देश नगरपालिका व पीडब्ल्यूडी को दिए गए है क्योंकि पास में ही रिहायशी इलाका होने से आगजनी व बीमारियां फैलने का खतरा हर समय बना रहता है। इसके अलावा यहां के निवासियों ने उप-खण्ड कार्यालय में इसे लेकर वाद भी दायर कर रखा है। जिसमें टायरों से वातावरण प्रदूषण के साथ लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं के चलते यहां से अवैध रखे गए टायर हटाने की मांग की गई थी। इतना ही नहीं बरसात के दिनों में टायरों में पानी भरने से मच्छरों के पनपने से अनेक बीमारियों का लगातार फैलने अंदेशा बना रहता है। सेक्टर पांच के निवासी लगातार इसे लेकर सक्रिय थे। गौरव पथ पर शनि मंदिर की चारदिवारी पुजारी ने स्वत: हटाते हुए सहयोग किया। इस अवसर पर उप-खण् अधिकारी आइ.ए.एस राहुल श्रीवास्तव, अधिषाशी अधिकारी वसंत सैनी, पुलिस प्रशासन व अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

न्याय मांग रहे किसानों पर मधुमक्खियों का हमला

मलसीसर/झुंझुनूं (निसं)। न्याय की गुहार लगा रहे किसानों का शांतिपूर्ण धरना उस वक्त अफरा-तफरी में बदल गया, जब प्रदर्शन स्थल पर अचानक मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया। अलसीसर गांव में सरसों की तैयार फसल को आग के हवाले किए जाने के विरोध में किसान मलसीसर तहसील कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे थे। तभी पास के पेड़ पर बने छत्ते से निकली मधुमक्खियों ने सैकड़ों किसानों को निशाना बना लिया। देखते ही देखते पूरा धरना स्थल चीख-पुकार और भगदड़ में तब्दील हो गया। जान बचाने के लिए लोग इधर-उधर भागने लगे। मधुमक्खियों के डंक से कई किसान और बुजुर्ग घायल हो गए, वहीं कुछ की हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया पड़ा।

अलसीसर गांव के एक किसान की सालभर की मेहनत - सरसों की तैयार फसल - को असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगाकर राख कर दिया गया था। इस घटना से गुस्साए किसान ने दोषियों की गिरफ्तारी और पीड़ित को उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर धरना दे रहे थे। धरने में आसपास के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में किसान, बुजुर्ग और महिलाएं शामिल हुई थी।

मधुमक्खियों का अचानक हमला, मच गया हडकंप - धरना पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा था, लेकिन अचानक पास के पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के छत्ते से हजारों मक्खियां निकलकर प्रदर्शनकारियों पर टूट पड़ी। हमला इतना तेज था कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। लोग अपनी जान बचाने के लिए भागते नजर आए, जिससे मौके पर अराजक स्थिति बन गई।

बुजुर्गों पर सबसे ज्यादा असर, कई अस्पताल में भर्ती - मधुमक्खियों के डंक का सबसे ज्यादा असर बुजुर्ग किसानों पर पड़ा। कई लोगों को शरीर पर कई-कई डंक लगे, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। घायलों को तत्काल निजी वाहनों और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

इस अफरा-तफरी के बीच अलसीसर निवासी राजकुमार ने साहस और मानवता की मिसाल पेश की। उन्होंने खतरे की परवाह किए बिना मौके पर फंसे 2-3 बुजुर्ग किसानों को सुरक्षित बाहर निकाला और खुद आगे बढ़कर घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करवाई। एक ओर जहां किसानों की मेहनत की फसल जलाकर राख कर दी गई, वहीं दूसरी ओर न्याय मांगने पहुंचे किसानों को मधुमक्खियों के हमले का सामना करना पड़ा। यह घटना न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल उठाती है, बल्कि किसानों की पीड़ा और असुरक्षा को भी उजागर करती है।

साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी

तारानगर (निसं)। तारानगर के अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संतोष कुमार मीणा व सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट अजयदीप सिंह ने मंगलवार को "साईबर सुरक्षा जागरूकता, संरक्षण और न्याय तक समावेशी पहुँच" विषय पर ट्रांसफोर्मेटिव टेप्यूडस नामक राजव्यापी मुहिम कार्यक्रम के तहत कस्बे के दो निजी शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर कक्षा 8वीं से 12वीं तक कक्षा के विद्यार्थियों के बीच साईबर, विधिक जागरूकता विषयों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में संतोष कुमार मीणा ने बच्चों को साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दी, साईबर अपराधों व साईबर ठगी से किस प्रकार बचा जा सकता है इस के उपायों के बारे में बताया इसके साथ साथ ये भी बताया कि 'विद्यार्थी देश का भविष्य है। यदि वे कानून के प्रति जागरूक होंगे और डिजिटल दुनिया में सावधानी बरतेंगे तभी एक सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है।

ऑनलाइन नामांतरण चालू करवाने की मांग, ज्ञापन दिया

बीदासर (निस)तहसील के ग्राम पंचायत के प्रशासकों ने मंगलवार को उपखंड कार्यालय में जिला कलक्टर के नाम का ज्ञापन देकर आनलाइन नामांतरण चालू करवाने की मांग की है। जनप्रतिनिधियों ने जिला कलक्टर के नाम से दिए गए ज्ञापन में लिखा है कि बीदासर तहसील के समस्त राजस्व ग्रामों में आनलाइन सर्वेक्षण सेटलमेंट का काम दिसंबर 2025 में संपूर्ण हो गया था। दिसंबर 2025 से आज तक आनलाइन नामांतरण बंद है। जिसके कारण किसी भी प्रकार के आनलाइन नामांतरण नही हो रहे है। आनलाइन नामांतरण नही होने के कारण आमजन को भारी समस्याओं का सामना करना पड रहा है। क्योंकि नामांतरण नही होने के कारण बैंक से केसीसी नही हो रही है।

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, राजगढ़ जिला चूरू

प्रा.पत्र सं. संख्या 217/2025

प्रमिला आदि बनाम नेतराम आदि

प्रार्थना पत्र धारा 111, 128 राज. भू राजस्व अधिनियम

नोटिस बनाम

1. नेतराम पुत्र मोहन, 2 मनरूप पुत्र जेठा, 3. जगन्ता पत्नी गुगनराम जाति नायक, 4 सन्तोष देवी, 5. धर्मवीर, 6. सुरेश, 7. कृष्णा, 8. चन्द्रकलां, 9. ववली, 10. शकुंतला पि. मन्दरूप जाति खाती समस्त निवासी श्योपुरा तहसील राजगढ़ (चूरू)

प्रार्थीगण ने आपके विरूद्ध प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 111, 128 राज. भू राजस्व अधिनियम के तहत इस न्यायालय में पंजीकृत किया है।

आप इस न्यायालय मे दिनांक 27.04.2026 को दिन मे 10:00 बजे सुबह प्रार्थना पत्र का उतर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) हो सकते हैं या जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस प्रार्थना पत्र से सम्बन्धित (सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सकें या जिसके साथ कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उतर दे सके आपको यह निर्देशित किया जाता है कि आप उस दिन प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल /मुरजाई का दावा/प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या सुनवाई के प्रार्थना पत्र या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर कर रहे हैं तो आप ऐसे दस्तावेजो को उल्लेखित समय के बाद उपाबद्ध) की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो प्रार्थना पत्र की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह नोटिस आज दिनांक 17:03.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मोहर अदालत

उपखण्ड अधिकारी राजगढ़ (चूरू)

न्यायालय जिला न्यायाधीश महोदय, झुन्झुनू, जिला झुन्झुनू (राजस्थान)

पीठासीन अधिकारी श्री सुनिल कुमार पंचोली, आर.एच. जे. एस.

सिविल विधिक प्रकरण (उत्तराधिकार) संख्या 86/25

1. कुलदीप स्वामी पुत्र श्री केदारमल स्वामी, निवासी गोपाल जी का मंदिर, ककराना, तहसील उदयपुवाटी, जिला झुन्झुनू (राज.)
2. कुमोद पुत्री श्री केदारमल पत्नी सोहन जेठाराम संघवी, निवासी गोपाल जी का मंदिर, ककराना, तहसील उदयपुवाटी, जिला झुन्झुनू (राज.) हाल निवासी संघी कॉलोनी क्वॉटर नम्बर बी-3 संघी अबदासा कच्छ संघीपु गुजरात।
3. बिन्दू पुत्री श्री केदारमल पत्नी रघुवीर, निवासी गोपाल जी के मंदिर, ककराना, तहसील उदयपुवाटी, जिला झुन्झुनू (राज.) हाल 75 वार्ड न. 4 एस.जे.एस. मिल्स लि. मुनिराबाद ग्रामीणा जिला कोपल कर्नाटका।
4. रामलाल स्वामी पुत्र श्री मालीराम, निवासी ककराना, तहसील उदयपुवाटी, जिला झुन्झुनू
5. हरलाल पुत्र मालीराम, निवासी गोपीनाथ जी का मंदिर, ककराना, तहसील उदयपुवाटी, जिला झुन्झुनू (राज.)
6. किशोरीलाल पुत्र मालीराम, निवासी गोपीनाथ जी का मंदिर ककराना, तहसील उदयपुवाटी, जिला झुन्झुनू (राज.)
7. संतोष पुत्री मालीराम पत्नी बृजमोहन स्वामी, जाति स्वामी, निवासी गोपाल जी का मंदिर, ककराना, तहसील उदयपुवाटी, जिला झुन्झुनू (राज.) हाल निवासी किशोरपुरा जिला सीकर।
8. मुन्नी पुत्री मालीराम पत्नी कृष्ण बिहारी स्वामी, जाति स्वामी, निवासी गोपीनाथ जी का मंदिर, ककराना, तहसील उदयपुवाटी, जिला झुन्झुनू (राज.) हाल निवासी 23 डी चन्द्र महल कॉलोनी आमेर गैस एजेन्सी अम्बर जयपुर राजस्थान।
9. माना देवी पुत्री भुरदास पत्नी हरीप्रसाद स्वामी जाति स्वामी निवासी नागल तहसील उदयपुरवाटी जिला झुंझुनूं राजस्थान।

आवेदकगण

बनाम

1. हर आम व खास
2. कविता पुत्री मालीराम पत्नी महेश, निवासी गोपाल जी का मोहल्ला, वार्ड नं. 3, ककराना, तहसील उदयपुवाटी, जिला झुन्झुनू (राज.) हाल निवासी कमला नेहरू नगर पुराना हाउसिंह बोर्ड पाली जिला पाली राजस्थान। 306401
3. स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर हाल भारतीय स्टेट बैंक, शाखा गुढा गौड़जी, जरिये शाखा प्रबन्धक।

अनावेदकगण

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सार्वजनिक सूचना

उपरोक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के अधीन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रहलाद का अविवाहित रहते हुये देहन्ता हो चुका है। मृतक प्रहलाद पुत्र भुरदास का विपक्षी संख्या 3 भारतीय स्टेट बैंक शाखा गुढागौड़जी के यहां बचत खाता संख्या 51064625099 में जमा राशि 3,98,000/- रूपये मय ब्याज प्राप्त करने के लिये प्रार्थी संख्या 1 कुलदीप स्वामी के हक में उतराधिकार प्रमाण पत्र हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। अतः हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि विपक्षी संख्या 3 भारतीय स्टेट बैंक शाखा गुढागौड़जी के यहां बचत खाता संख्या 51064625099 में जमा राशि 3,98,000/- रूपये नय ब्याज बाबत प्रार्थी संख्या 1 कुलदीप स्वामी के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने में किसी को किसी प्रकार की आपत्ति या एतराज हो तो स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 30/4/26 को उपस्थित होकर ऐतराज प्रस्तुत करे। अन्यथा प्रार्थी 1 के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया जायेगा और एतराज समाहत नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 28/3/26 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर कार्यालय से जारी किया गया है।

मोहर अदालत

न्यायालय के आदेश से
मुंसरिम, जिला न्यायाधीश, झुन्झुनू

रेलवे अंडरपास बना सुविधा से ज्यादा आफत

- जान जोखिम में डालकर रेल पटरियां पार करने को मजबूर हैं स्कूली बच्चे

नोहर, (निसं)। यहां पुलिस थाने के पास बना रेलवे अंडरपास अब आमजन के लिए आफत बना हुआ है। पालिका की ओर से रोज साफ सफाई नहीं होने के कारण धूल-मिट्टी, कचरा बना रहता है, वहीं जरा सी बारिश में अंडरपास के भीतर पानी भर जाता है। जिस कारण अंडरपास से आवागमन ठप्प सा हो जाता है।

आलम यह है कि स्कूल जाने वाले बच्चों को अंडरपास के ऊपर रेलवे लाइन को पार कर जाना पडता है। इससे हमेशा दुर्घटना का अंदेशा भी बना रहता है। क्योंकि सुबह 8:30 के बीच ट्रेन का समय है और इस समय बच्चे स्कूल जाते है। बारिश के दिनों में रेलवे अंडर पास में जब पानी भरा रहता है और कीचड़ पसरा रहता है। आमजन को मजबूरन रेलवे लाइन के ऊपर से होकर गुजरना पड़ रहा है।

लेकिन लोगों की इस परेशानियों से नगर पालिका प्रशासन को कोई सरोकार नहीं ऐसा प्रतित होता है। क्योंकि बार-बार अवगत कराने के बावजूद भी रेलवे अंडरपास की सफाई नहीं हो रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया की नगर पालिका प्रशासन अपनी हठधर्मिता को छोड़कर अगर सप्ताह में एक बार भी इस रेलवे अंडरपास की रोजाना सफाई करवा दे तो लोगों को धूल नहीं फांकनी पड़ेगी।

लेकिन नगर पालिका प्रशासन है कि कानों पर जूँ तक नहीं रेंग रही है। अगर भविष्य में रेलवे लाइन को पार करते समय किसी प्रकार का कोई हादसा हो जाता है तो क्या नगर पालिका प्रशासन इसकी जिम्मेदारी लेगा? नागरिकों ने उपखंड अधिकारी से इस मामले में संज्ञान लेकर आमजन को राहत देने की मांग की है।

नागरिकों ने बताया की रेलवे अंडरपास के उस पार दर्जनों कॉलोनियां, स्कूल- कॉलेज तथा आमजन के खेतों के जाने का रास्ता है। यही नहीं पूरा रीको क्षेत्र भी इस और स्थित है। जिसके चलते हजारों की संख्या में रोजाना लोगों का आवागमन और वाहनों के आवाजाही लगी रहती है।

इसके अलावा थाने के सामने रेलवे अंडर पास को जोडने वाली सड़क के बीच भी गहरे खड्डे हो रहे हैं। उबड खाबड होने के कारण यहां अक्सर दुपहिया वाहन चालक अनियंत्रित होकर गिरते रहते है। जिस कारण कई लोग चोटिल हो रहे हैं लेकिन नगर पालिका प्रशासन इस ओर ध्यान दे ही नहीं रहा है।

अब लोगों की उम्मीद यहां के उप-खण्ड अधिकारी से बनी हुई है कि वह इस वार्ड एक के वासीदों को इस मुसीबत से निजात दिलाएंगे।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ(राज)

क्रमांक :- न.पा.रा./भू./2026/21154800 दिनांक :-19.03.2026

आपति आमत्रंण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री साहब राम पुत्र श्री सुरजा राम जाति निवासी वार्ड नं.13 रावतसर तहसील रावतसर जिला हनुमानगढ ने का आवासीय भूखण्ड साईज 1867.75 वर्गफुट में से 1556 वर्गफुट के दस्तावेजों की फोटोप्रति प्रस्तुत भूखण्ड का अपने नाम से नामान्तरण दर्ज करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है जिसका मूल पट्टा नगरपालिका रावतसर द्वारा स्टेट ग्रान्ट एक्ट के तहत श्री सुरजाराम पुत्र श्री बीरबल राम जाति सुथार के नाम से साईज 1867.75 वर्गफुट का जारीशुदा है। श्री सुरजाराम की मृत्यु दिनांक 19.04.2005 को व श्रीमती शान्ति पति श्री सुरजाराम का 05.11.2025 व भोजराज पुत्र श्री सुरजाराम का 17.02.2018 को, श्रीमती शारदा पति श्री भोजराज का 02.08.2016 को हो चुकी है जिनके जायज वारिस श्री कृष्णलाल, अमरचन्द, मोहनलाल, साहबराम, दर्शना पुत्र-पुत्री श्री सुरजाराम, श्री महेन्द्र, सुरेन्द्र, कमल, रीटा पौत्र-पौत्री श्री सुरजाराम। उक्त वारिसों ने अपना 4/6 हिस्सा यानि 1556 वर्गफुट जरिये पंजीकृत दस्तबरदारी दिनांक 06.03.2026 द्वारा उक्त भूखण्ड श्री साहबराम पुत्र श्री सुरजाराम को दान कर दिया। जिसका नामान्तरण अपने नाम से नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाना चाहता है। अतः उक्त आवासीय भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपती पर कोई विचार नही किया जावेगा।

(शैलेन्द्र कुमार गोदारा), अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ(राज)

क्रमांक :- न.पा.रा./भू./2026/21445969 दिनांक :-07.04.2026

आपति आमत्रंण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुमन कुमारी पति श्री अशोक कुमार जाति जाट निवासी रावतसर तहसील रावतसर जिला हनुमानगढ ने सैक्टर धानमण्डी विस्तार योजना का व्यवसायिक भूखण्ड सं. ई-25 साईज 1375 वर्गफुट के दस्तावेजों की फोटोप्रति प्रस्तुत कर अपने नाम से नामान्तरण दर्ज करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है जिसका मूल पट्टा नगरपालिका रावतसर द्वारा श्रीमती राजदीप कौर पति श्री बलविन्द्र सिंह के नाम से साईज 25'गुणा 55' फुट का जारीशुदा है। श्रीमती राजदीप कौर ने उक्त भूखण्ड जरिये पंजीकृत बैयनामा 05.07.2004 द्वारा श्रीमती सावित्री पति श्री नन्दलाल को बैचान कर दिया। श्रीमती सावित्री ने उक्त भूखण्ड जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 16.02.2026 द्वारा श्रीमती सुमन कुमारी पति श्री अशोक कुमार को बैचान कर दिया। जिसका अपने नाम से नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाना चाहती है। अतः उक्त व्यवसायिक भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपती पर कोई विचार नही किया जावेगा।

(शैलेन्द्र कुमार गोदारा), अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

बालोतरा में ड्रग्स फैक्टरी पकड़ी, पिता-पुत्र गिरफ्तार

भारी मात्रा में नशीले पदार्थ, रसायन और उपकरण बरामद किए

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन विषभंजन के तहत बालोतरा पुलिस ने भारतमाला एक्सप्रेस-वे के किनारे अवैध रूप से संचालित एक ड्रग्स फैक्टरी का पर्दाफाश करते हुए भारी मात्रा में नशीले पदार्थ, रसायन और उपकरण बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने ड्रग माफिया पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक रमेश ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु मुख्यालय के निर्देशानुसार यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरफूलसिंह और वृत्ताधिकारी विकास कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी पचपदरा शिशपालसिंह और नरपतदान निपु के नेतृत्व में दो अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया था। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सरहद कुड़ी में आरोपी ओमप्रकाश और सुभाष के घर पर अवैध गतिविधियां चल रही है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दबिश दी, जहां से चार किलो अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया गया। आरोपियों से पूछताछ में उन्होंने घर के पास बने बाड़े में अवैध एमडीएमए बनाने की फैक्टरी का खुलासा किया। ड्रग्स फैक्टरी से पुलिस ने भारी मात्रा में रसायन, ड्रम्स, जरिकेन, टब, जग, ट्रे, छलनी, प्लास्टिक के पाउच और गैस सिलेंडर सहित अन्य उपकरण बरामद किए हैं, जिनका उपयोग नशीले पदार्थ बनाने में किया जा रहा था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सुरेश कुमार विश्नोई निवासी कुड़ी के लिए अवैध एमडीएमए तैयार करते थे। सुरेश कुमार उन्हें रसायन और सामग्री उपलब्ध कराता था और इसके बदले उन्हें मोटी रकम दी जाती थी। इसके अलावा, आरोपी भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर ट्रक चालकों को भी डोडा पोस्त की सप्लाई करते थे। पुलिस ने ओमप्रकाश (41) पुत्र बलवन्ताराम विश्नोई, सुभाष (23) पुत्र ओमप्रकाश विश्नोई, निवासी कुड़ी को गिरफ्तार किया है।

गर्म पानी की रॉड से करंट लगा, मां-बेटी की मौत

■ **खेलते-खेलते बच्ची ने बाल्टी में हाथ डाला, बचाने की कोशिश में मां की मौत हो गई**

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के अनूपगढ़ में गर्म पानी करने की रॉड से करंट लगने के कारण मां-बेटी की मौत हो गई। मां ने बाल्टी में पानी गर्म करने के लिए रॉड लगा रखी थी। तीन साल की बेटी खेलते-खेलते बाल्टी के पास पहुंची और अंदर हाथ डाल दिया। बेटी को करंट लगता देख मां चिल्लाई और उसे पकड़कर बचाने की कोशिश की, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गई। चीख सुनकर पड़ोसी उनके घर पहुंचे तो मां-बेटी बेहोश पड़ी थी। पड़ोसियों ने दोनों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि वार्ड 34 में गीता चौक निवासी सरोज (34) और उसकी बेटी दिव्यांशी (3) की करंट लगने के कारण मौत हो गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। दोनों शव सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। महिला के पति विजय कुमार ने रिपोर्ट दी है, जिसमें बताया कि मैं सुबह अपने काम के लिए घर से निकल गया था। सुबह करीब 11.30 बजे मेरी पत्नी सरोज ने पानी गर्म करने के लिए बाल्टी में रॉड लगाई थी। बेटी दिव्यांशी (3) पास में ही खेल रही थी। खेलते-खेलते दिव्यांशी ने बाल्टी में हाथ डाल दिया और उसे करंट लग गया। बेटी को करंट लगता देख सरोज चिल्लाई और दौड़कर उसे पकड़ा, जिससे वह भी करंट की चपेट में आ गई। सरोज की चीख सुनकर पड़ोसी हमारे घर पहुंचे। उन्होंने देखा कि दिव्यांशी और सरोज फर्श पर बेहोश पड़े थे। पड़ोसियों ने दोनों को अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। विजय कुमार ने बताया कि हमारे 4 बेटियां हैं। 6 साल और 5 साल की बड़ी बेटियां दादी के पास करणपुर गई हुई है। हादसे के समय पत्नी सरोज, बेटी दिव्यांशी और 8 महीने की बेटी घर पर थी। पड़ोसियों ने फोन पर हादसे की सूचना दी।

ट्रोले की टक्कर से बस सवार 11 यात्री गंभीर घायल

■ **घायलों में बस ड्राइवर की स्थिति गंभीर, जयपुर रेफर किया**

बीकानेर, (निसं)। पलाना-उदयरामसर मार्ग पर ट्रोले ने बस को टक्कर मार दी। हादसे में बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घायल 25 लोगों को पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर में ले जाया गया। 11 यात्रियों को गंभीर चोटें आई है। घायलों में बस ड्राइवर भगवानाराम की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों का इलाज पीबीएम अस्पताल में जारी है, जबकि कुछ यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी।

जानकारी के अनुसार हादसे के समय बस जोधपुर से संगरिया की ओर जा रही थी और शाम को जोधपुर से रवाना हुई थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों को चोटें आईं और कई लोग दहशत में आ गए। हादसे में बीकानेर की सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर मोनिका राजपुरोहित और उनकी बहन भी घायल हुई हैं। हालांकि, दोनों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार खड़गावत और उनकी असहाय सेवा संस्थान की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने राहत कार्य करते हुए घायलों को तुरंत पीबीएम हॉस्पिटल भिजवाने में मदद की।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु/स्थापना शाखा/2026/32 दिनांक :- 01.04.2026

-: ई-निविदा सूचना-2026-27 :-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 16.04.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक DLB2627SLOB00045 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/349 आयुक्त, नगर परिषद, सुजानगढ

नगर निगम जोधपुर

क्रमांकः- 14 दिनांकः- 01.04.2026

:: ई-निविदा सूचना ::

(UB NO. DLB2627WSOB00026)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.Rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर

राज.संवाद/सी/26/371

कार्यालय नगरपालिका कामां(डीग)राज0

क्रमांक/न0पा0कामां/निर्माण शाखा/26/41 दिनांक 02.04.2026

ई-निविदा सूचना-01(2026-27)

नगरपालिका कामां द्वारा निम्न निर्माण कार्य कराये जाने हेतु राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रकिया के अन्तर्गत ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथी 03.04.2026 समय प्रातः 10:00 बजे से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथी 10.04.2026 समय सायं 06:00 बजे तक एवं दिनांक 13.04.2026 को दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालय में निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज जमा किये जावेगे एवं निविदा दिनांक 15.04.2026 को सायं 03:00 बजे से खोली जावेगी। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगें तथा https://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है। जिनके UBN/Tender Id निम्नानुसार है:-

S.No.	Tender Id	U.B.N. No	Estimated Cost`
1.	2026_DLB_549602_1	DLB2526WSOB00115	6.32 Lac
2.	2026_DLB_549602_2	DLB2526WSOB00116	7.64 Lac
3.	2026_DLB_549602_3	DLB2526WSOB00117	10.17 Lac
4.	2026_DLB_549602_4	DLB2526WSOB00118	18.83 Lac
5.	2026_DLB_549602_5	DLB2526WSOB00119	21.22 Lac

राज.संवाद/सी/26/405 अधिशाषी अधिकारी

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड CIN No: U40109RJ2000SGC016486

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड CIN No: U40109RJ2000SGC016482

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड CIN No: U40109RJ2000SGC016483

वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु:-

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लिए अपने आदेश दिनांक 30.03.2026 के द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश जारी कर दिया है। नया आदेश, दिनांक 01.04.2026 से प्रभावी होगा। विस्तृत वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश निगमों की वेबसाईट https://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/avvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं माननीय आरईआरसी की वेबसाईट https://rerc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु निम्न प्रकार है:-

- **विद्युत टैरिफ में कोई संशोधन नहीं:** माननीय आयोग (RERC) ने कुछ लक्षित टैरिफ युक्तिकरण उपायों को छोड़कर किसी भी उपभोक्ता श्रेणी के लिए विद्युत टैरिफ में कोई परिवर्तन/संशोधन नहीं किया है।
- **मध्यम औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए राहत:** मध्यम औद्योगिक सेवा (HT-3/MIP) उपभोक्ताओं हेतु न्यूनतम प्रभावी ऊर्जा शुल्क (रिबेट के बाद) 6.30 रु. प्रति यूनिट से घटाकर 6.00 रु. प्रति यूनिट कर दिया गया है, जबकि आधार ऊर्जा शुल्क 6.50 रु. प्रति यूनिट पर यथावत रखा गया है।
- **सार्वजनिक पथ प्रकाश के लिए सरलीकरण:** सार्वजनिक पथ प्रकाश (PSL) श्रेणी के लिए टाइम ऑफ डे (ToD) टैरिफ को वापस ले लिया गया है।
- **ईवी चार्जिंग अवसरंचना को बढ़ावा:** सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए एकल-भाग टैरिफ (Single Part Tariff) लागू किया गया है। एलटी 8 (LT 8) और एचटी 6 (HT 6) दोनों श्रेणियों के लिए स्थाई शुल्क (Fixed Charges) हटा दिए गए है, जबकि ऊर्जा शुल्क 6.00 रु. प्रति यूनिट पर यथावत रखा गया है।
- **एलटी से एचटी परिवर्तन मानकों में स्पष्टता:** आयोग ने टैरिफ परिभाषा में संशोधन को अनुमोदित किया है, जिसके अनुसार यदि किसी वित्तीय वर्ष में अधिकतम मांग 50 केवीए (kVA) से तीन बार अधिक होती है, तो एलटी से एचटी में परिवर्तन अनिवार्य होगा। यह संशोधन टैरिफ प्रावधानों को टीसीओएस (TCOS) के अनुरूप बनाता है तथा किसी भी प्रकार की अस्पष्टता को समाप्त करता है।
- **गैर-घरेलू स्लैबों का युक्तिकरण:** 5 किलोवाट तक के स्वीकृत सम्बद्ध भार वाले गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पूर्ववर्ती टैरिफ स्लैब-टाइप 1 (प्रति माह 100 यूनिट तक खपत) तथा टाइप 2 (प्रति माह 200 यूनिट तक खपत)- को मिलाकर एकल टाइप 1 स्लैब (प्रति माह 200 यूनिट तक खपत) बनाया गया है। इससे बिलिंग प्रक्रिया सरल होगी, जबकि वर्तमान ऊर्जा शुल्क एवं स्थाई शुल्क दरों को यथावत रखा गया है।
- **सार्वजनिक पथ प्रकाश (Public Street Lighting) कनेक्शनों के लिए स्थाई शुल्क की सीमा निर्धारण:** सार्वजनिक स्ट्रीट लाइटिंग के लिए स्थाई शुल्क को प्रति सेवा कनेक्शन जनसंख्या के आधार पर सीमित किया गया है- 1 लाख से कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों के लिए 3,000 रु प्रति सेवा कनेक्शन प्रति माह तथा 1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या वाले नगरों के लिए 8,000 रु. प्रति सेवा कनेक्शन प्रति माह। वहीं, प्रति लैम्प शुल्क दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।
- **द्वि-स्रोत विद्युत आपूर्ति (Dual source supply) हेतु टैरिफ की स्वीकृति:** सभी एचटी (HT) एवं ईएचटी (EHT) उपभोक्ता, जो द्वि-स्त्रोत विद्युत आपूर्ति का लाभ एक साथ (simultaneous) अथवा स्टैंडबाय के रूप में ले रहे हैं, उनसे संबंधित टैरिफ श्रेणी हेतु निर्धारित स्थाई प्रभार का दोगुना प्रभार लिया जाएगा।
- ग्रीन पावर टैरिफ में कोई वृद्धि नहीं की गई है।
- इस टैरिफ आदेश में अतिरिक्त अधिभार (Additional Surcharge) तथा क्रॉस-सब्सिडी शुल्क (Cross-subsidy Charges) में कमी की गई है।

वर्ष 2026-27 के लिये अनुमोदित टैरिफ

घरेलू श्रेणी (एल.टी-1 एवं एच.टी-1)

घरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघु घरेलू*			बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघु घरेलू*		
प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह

* नोट : बीपीएल और आस्था कार्ड धारक की घरेलू टैरिफ एकल उपभोक्ता पर ही लागू होगी और यह किसी संस्था पर लागू नहीं होगी। यदि बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघु घरेलू उपभोक्ता किसी बिलिंग चक्र में 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर उपभोग करते है तो उपभोक्ता पर घरेलू श्रेणी एलटी-1 के अन्तर्गत अतिरिक्त यूनिटों के उपभोग पर सम्बन्धित स्लेब लागू होगी

सामान्य घरेलू-1

घरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: सामान्य घरेलू-1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: सामान्य घरेलू-1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू-2

घरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: सामान्य घरेलू-2 (300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: सामान्य घरेलू-2 (300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू-3

घरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: सामान्य घरेलू-3 (500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: सामान्य घरेलू-3 (500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	500 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	500 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू-4

घरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: सामान्य घरेलू-4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: सामान्य घरेलू-4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	800 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	800 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	
(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.50 रू प्रति यूनिट		(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.50 रू प्रति यूनिट	

घरेलू श्रेणी (एच.टी-1)

घरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: एच.टी घरेलू (एच.टी-1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: एच.टी घरेलू (एच.टी-1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	6.50 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 300 रू प्रति के.वी.ए.	50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	6.50 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 300 रू प्रति के.वी.ए.

अघरेलू श्रेणी (एल.टी-2 एवं एच.टी.-2)

अघरेलू 5 किलोवाट तक स्वीकृत संबद्ध भार

अघरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: एल.टी . अघरेलू (एल.टी-2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: एल.टी . अघरेलू (एल.टी-2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-1)			200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-1)		
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	350 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	350 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-2)			100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	350 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	350 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह			
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट				

अघरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: एल.टी . अघरेलू (एल.टी-2) - 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-3)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: एल.टी . अघरेलू (एल.टी-2) - 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप-2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	450 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	450 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	

अघरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: एल.टी . अघरेलू (एल.टी-2) - 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप-4)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: एल.टी . अघरेलू (एल.टी-2) - 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप-3)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	700 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	700 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	

अघरेलू . 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार,

अघरेलू श्रेणी - मौजूदा टैरिफ: अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार(एल.टी-2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी - अनुमोदित टैरिफ: अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार(एल.टी-2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 160 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह	100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 160 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.50 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 200 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 320 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत संबद्ध भार 18.65 किलोवाट से अधिक है तो)	500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.50 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 200 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 320 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत संबद्ध भार 18.65 किलोवाट से अधिक है तो)

अघरेलू 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग

एच.टी . अघरेलू (एच.टी .2) - 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	एच.टी . अघरेलू (एच.टी .2) - 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
सम्पूर्ण यूनिट	8.50 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 320 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	सम्पूर्ण यूनिट	8.50 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 320 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

सार्वजनिक पथ प्रकाश (पी.एस.एल) श्रेणी (एल टी-3)

विशिष्टियां: पी.एस.एल	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियां: पी.एस.एल	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
1 लाख से कम जनसंख्या	7.00 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह	1 लाख से कम जनसंख्या	7.00 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 3000 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)
1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	7.50 रू प्रति यूनिट	200 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह	1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	7.50 रू प्रति यूनिट	200 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 8000 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)

कृषि श्रेणी (मीटर्ड और फ्लेट रेट) (एल टी-4)

विशिष्टियां - मौजूदा टैरिफ: कृषि सप्लाई	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियां - अनुमोदित टैरिफ: कृषि सप्लाई	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी-4)			मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी-4)		
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही हैं)	5.25 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही हैं)	5.25 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 30 रू प्रति एच. पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी-4)			फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी-4)		
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच. पी. प्रति माह	स्वीकृत संबद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच. पी. प्रति माह	स्वीकृत संबद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

लघु औद्योगिक श्रेणी (एल टी-5)

विशिष्टियां: लघु औद्योगिक सेवा (एल.टी.-5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियां: लघु औद्योगिक सेवा (एल.टी.-5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
500 यूनिट तक उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 90 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट तक उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 90 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

मध्यम औद्योगिक श्रेणी (एल टी-6 और एच टी-3)

विशिष्टियां	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मध्यम औधोगिक सेवा (एल. टी-6)	6.50 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 275 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औधोगिक सेवा (एल.टी-6)	6.50 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 275 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मध्यम औद्योगिक सेवा (एच टी-3)	6.50रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 275 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औधोगिक सेवा (एच.टी-3) *	6.50रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 275 रू प्रति के. वी.ए. प्रतिमाह

***नोटः- सभी छूटों को सम्मलित करते हुए न्यूनतम ऊर्जा प्रभार एसटी-3 के लिए प्रति यूनिट 6.00 रू. होगा।**

मिक्स लोड श्रेणी ब्लॉक सप्लाई (एल टी-7 और एच टी-4)

विशिष्टियां	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मिक्स लोड सेवा (एल. टी-7)	7.50 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एल.टी-7)	7.50 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत संबद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मिक्स लोड सेवा (एच. टी-4)	7.50 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एच.टी-4)	7.50 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी. ए. प्रतिमाह

वृहद औद्योगिक श्रेणी (एच टी-5)

विशिष्टियां	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
स्वीकृत संबद्ध भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के.वी.ए. से ऊपर	6.50 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 380 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	स्वीकृत संबद्ध भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के. वी.ए. से ऊपर	6.50 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 380 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

वृहद् औद्योगिक श्रेणी के लिये वोल्टेज वार अनुमोदित टैरिफ*

स्वीकृत संबद्ध भार 150 एचपी से ऊपर या 125 केवीए से अधिक अनुबंधित / अधिकतम मांग वाले उपभोक्ताओं के लिए वोल्टेज अनुसार टैरिफ* - विशिष्टियॉं: वोल्टेज स्तर	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	स्वीकृत संबद्ध भार 150 एचपी से ऊपर या 125 केवीए से अधिक अनुबंधित / अधिकतम मांग वाले उपभोक्ताओं के लिए वोल्टेज अनुसार टैरिफ* - विशिष्टियॉं: वोल्टेज स्तर	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
11 केवी	6.50 रू प्रति यूनिट*	बिलिंग मांग का 380 रू. प्रति केवीए प्रति माह	11 केवी	6.50 रू प्रति यूनिट*	बिलिंग मांग का 380 रू. प्रति केवीए प्रति माह

*वोल्टेज छूट दिए गए विवरण के अनुसार लागू होगी।

वॉल्टेज छूटः- 11 केवी पर आपूर्ति के लिए अनुबंधित मांग-आधारित टैरिफ लागू होगा। यदि एचटी उपभोक्ता, जिसमें बड़े औद्योगिक श्रेणी के उपभोक्ता भी शामिल है, नीचे उल्लेखित वोल्टेज स्तर पर आपूर्ति ली और दी जाती है, तो उस माह के ऊर्जा प्रभार पर निम्नलिखित छूट दी जाएगी।

वोल्टेज स्तर	वॉल्टेज छूट
33 केवी	3%
132 केवी	4%
220 केवी	5%

न्यूनतम ऊर्जा प्रभार

विशिष्टियां: वोल्टेज स्तर	मौजूदा टैरिफ: ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां: वोल्टेज स्तर	अनुमोदित टैरिफ: ऊर्जा प्रभार
11 केवी	6.00 रू प्रति यूनिट	11 केवी	6.00 रू प्रति यूनिट
33 केवी		33 केवी	
132 केवी		132 केवी	
220 केवी		220 केवी	

विद्युत चलित वाहनों हेतु चार्जिंग स्टेशन (एल टी -8 और एच टी -6)

मौजूदा टैरिफ: श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ: श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एल टी -8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 45 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एल टी -8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	शून्य
सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एच टी -6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह	सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन (एच टी -6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	

ट्रैक्शन लोड (एच टी-7)

मौजूदा टैरिफ: श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ: श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
ट्रैक्शन लोड (एच टी-7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह	ट्रैक्शन लोड (एच टी-7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह

टाइम ऑफ डे (TOD) छूट और अधिभार (कृषि उपभोक्ताओं और सार्वजनिक पथ प्रकाश (पी.एस.एल) श्रेणी को छोड़कर 10 किलोवाट से अधिक लोड वाले सभी उपभोक्ताओं पर लागू)

स्लॉट्स	6:00 AM से 8:00 AM (2 घंटे) ऊर्जा प्रभार पर अधिभार	12:00 PM से 4:00 PM (4 घंटे) ऊर्जा प्रभार पर छूट	6:00 PM से 10:00 PM (4 घंटे) ऊर्जा प्रभार पर अधिभार
टाइम ऑफ डे (TOD)	5%	10%	10%

द्वि-स्रोत विद्युत आपूर्ति (Dual source supply) हेतु टैरिफ (सभी एचटी एवं ईएचटी उपभोक्ताओं के लिए)

- सभी एचटी (HT) एवं ईएचटी (EHT) उपभोक्ता, जो द्वि-स्रोत विद्युत आपूर्ति का लाभ एक साथ (simultaneous) अथवा स्टैंडबाय उपयोग के रूप में ले रहे हैं, उनसे संबंधित टैरिफ श्रेणी हेतु निर्धारित स्थाई प्रभार का दोगुना प्रभार लिया जाएगा।

अन्य टैरिफः

(अ) व्हीलिंग शुल्क

वोल्टेज स्तर	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित टैरिफ(रू./यूनिट)
132 केवी और उससे ऊपर	0.01	0.01
33 केवी	0.12	0.09
11 केवी	0.62	0.69
एलटी	-	1.93

(ब) क्रॉस सब्सिडी प्रभार

ओपन एक्सेस उपभोक्ता श्रेणी	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित क्रॉस सब्सिडी प्रभार (रू./यूनिट)
सभी श्रेणियाँ - सभी वोल्टेज स्तरों पर।	1.58	1.48

(स) अतिरिक्त सरचार्ज

	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित (रू./यूनिट)
अतिरिक्त सरचार्ज	0.72	0.50

(द) हरित टैरिफ

	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट) सामान्य टैरिफ से अधिक	अनुमोदित (रू./यूनिट) सामान्य टैरिफ से अधिक
हरित टैरिफ (Green Tariff)	0.05	0.05

एचटी सीपीपी (Co-Located) उपभोक्ताओं पर लगाए जाने वाले पीओसी शुल्क निम्नानुसार हैं:-

सीपीपी प्रकार	पीओसी शुल्क (रू./केवीए/माह)
पारम्परिक सीपीपी	रु. 27.237/केवीए/माह सीपीपी की स्थापित क्षमता का
अक्षय ऊर्जा सीपीपी	रु. 11.90/केवीए/माह सीपीपी की स्थापित क्षमता का
हाइब्रिड सयंत्र	उपर्युक्त दोनों पारम्परिक और अक्षय ऊर्जा के अनुपात में

1. नेट मीटरिंग और ग्रॉस मीटरिंग के अंतर्गत रूफटॉप सौर संयंत्रों को समानांतर संचालन शुल्क (पीओसी) से बाहर रखा जाएगा।
2. समानांतर संचालन शुल्क केवल ऑन-साइट/co-located लोड द्वारा खपत की गई बिजली तक ही सीमित होगा, ऑफसाइट सीपीपी पर नहीं और यह जनरेटर की शुद्ध क्षमता (total capacity- open access capacity) पर लागू होगा।
3. Co-located संयंत्रों पर, चाहे उनकी कैप्टिव स्थिति कुछ भी हो, पीओसी शुल्क Co-located भार के लिए उपयोग की गई क्षमता तक लागू होंगे।

डिस्कॉम द्वारा सीपीपी के साथ किए गए विद्युत क्रय समझौतों (पीपीए) पर कोई पीओसी शुल्क लागू नहीं होगा।

विनियामक अधिभार (ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस)) सहित निम्नानुसार अनुमोदित किया गया है।

विवरण	(रू./यूनिट)
100 यूनिट/माह तक खपत वाले घरेलू उपभोक्ता	0.70
बचे हुए घरेलू और अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं पे लागू होगा।	1.00

- उपरोक्त विनियामक अधिभार मय ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) आरईआरसी टैरिफ विनियम 2025 के विनियम 87 के अनुसार लगाया जाएगा।
- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में डिस्कॉम द्वारा change in law के कारण उत्पन्न अतिरिक्त लागत की वसूली के लिए आयोग द्वारा दिनांक 01.09.2022 व दिनांक 01.07.2024 के अपने आदेशों के अनुसार विशेष ईंधन अधिभार पर अलग से लिया जाएगा।

नोट :- वर्तमान में वह सभी प्रावधान जो कि इस आदेश में संशोधित नही किये गये है, लागू रहेंगे।

राज.संवाद/सी/26/421 जेपीआर-3141(2026) अधीक्षण अभियंता (रेगूलेशन)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश बन रहा 'हरियालो राजस्थान'

5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण से राज्य बनेगा 'हरित प्रदेश'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सतत विकास के साथ हरित राजस्थान एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राजस्थान में शर्मा के विजन से 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के जरिए भावी पीढ़ी के लिए प्राकृतिक संपदा में बढ़ोतरी की जा रही है। इस कार्य को साकार करने के लिए मल्टी सेक्टोरल प्रोग्राम के रूप में शुरू किया गया 'मिशन हरियालो राजस्थान' अहम कड़ी साबित हो रहा है। शर्मा के दिशा-निर्देशन में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण किया जाएगा। वर्ष 2024 के मानसून में 7 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य से अधिक 7.22 करोड़ पौधारोपण किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2025 के मानसून में भी 10 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य के विरूद्ध 11.74 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया गया। इस प्रकार पिछले 2 वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधारोपण किया जा चुका है। इस महाअभियान में विभिन्न फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों की विभिन्न प्रजातियां लगाई गई हैं। इस उपलब्धि से प्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण भी हो रहा है।

- 2 वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण को मिली मजबूती

मुख्यमंत्री के निर्देशन में राज्य के समस्त जिला मुख्यालयों पर 'नमो नर्सरी' की स्थापना और प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर चरणबद्ध रूप से 'नमो वन' विकसित करने के कार्य को वन एवं पर्यावरण विभाग प्रतिबद्धता से पूरा कर रहा है। वहीं, उदयपुर, सिरोही और बांसवाड़ा में चंदन वन की स्थापना के लिए जरूरी कदम भी उठाए जा रहे हैं। इसी प्रकार शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने एवं पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए वर्ष 2025-26 में राज्य का पहला 'हरित बजट' भी प्रस्तुत किया गया था।मिशन हरियालो राजस्थान के तहत राजस्थान में मानसून सीजन से पहले से पौधारोपण के लिए स्थान का चयन, फेंसिंग, खड्डे, नर्सरियों से पौधों की व्यवस्था की जाती है। जिसके पश्चात राज्य सरकार के हितधारक विभागों और जनसहभागिता से पौधारोपण के कार्य को किया जाता है। जिओ टैगिंग के माध्यम से पौधों के संधारण एवं संरक्षण के काम को भी बखूबी किया जा रहा है। जिसमें राज्य सरकार की ओर से बनाए गए वन मित्र एवं वृक्ष मित्र अहम भूमिका निभा रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए ''राज ममता'' कार्यक्रम का शुभारंभ

सवाई मानसिंह अस्पताल में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान प्रारंभ

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत एवं सुगम बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मंगलवार को चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए इस वित्तीय वर्ष की बजट घोषणा के अनुसार राज-ममता कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विषयों पर संवाद एवं समीक्षा भी की।

- चिकित्सा मंत्री ने अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किया संवाद
- एसएमएस में बनेगा मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक्सीलेंस सेंटर
- निजी अस्पतालों की तुलना में कम लागत में होगा त्वचा रोग इलाज

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान तथा राज-ममता कार्यक्रम का शुभारम्भ करने के बाद चिकित्सकों से संवाद किया।

चिकित्सा मंत्री ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में राज-ममता (राजस्थान मेंटल अवेयरनेस, मेंटयोरिंग एंड ट्रीटमेंट फॉर ऑल) कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की ऑनलाइन समीक्षा के लिए सेल्फ मॉनिटरिंग एप एवं आउटरीच एप को भी लांच किया।

खींवसर ने कहा कि बढ़ते तनाव के दौर में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं बेहतर उपचार सेवाओं के लिए राज्य सरकार ने अभिनव पहल करते हुए राज-ममता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम के तहत एसएमएस अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक्सीलेंस सेंटर बनाया जाएगा। जिला स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रकोष्ठ गठित किए जाएंगे तथा मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता की सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

शिक्षण संस्थानों में तनाव प्रबंधन कार्यशाला एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान संचालित किए जाएंगे। विद्यालयों में मानसिक परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे।

खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डर्मेटोलॉजी संस्थान में स्थापित अत्याधुनिक मशीनें, विशेष रूप से एआई आधारित तकनीक, त्वचा रोगों के निदान और उपचार को अधिक सटीक, प्रभावी और आधुनिक बनाएंगी।

खींवसर ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वास्थ्य केन्द्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हों। अस्पतालों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा जाए। जिन अस्पतालों के भवन जर्जर हालत में हैं, उनकी मरम्मत करवाई जाए।

सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को आगामी दिनों में हीट-वेव को ध्यान में रखते हुए समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को कहा वे नियमित रूप से बेसिक पैरामीटर्स की जरूर समीक्षा करें, ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे।

राठौड़ ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में गैर संक्रामक बीमारियों पर विशेष फोकस करने और जीरियाट्रिक केयर पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक जोगाराम ने एचपीवी वेक्सीन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए नियमित रूप से स्कूलों में चर्चा कर नजदीकी पीएचसी या अन्य स्वास्थ्य केन्द्र पर लक्ष्य अर्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कायाकल्प कार्यक्रम, गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम पर विचार व्यक्त किए। निदेशक आरएमएससीएल पुखराज सेन ने कहा कि प्रत्येक रोगी को दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान रखा जाए। दवाओं की मांग और आपूर्ति की नियमित समीक्षा करें।

बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, अतिरिक्त निदेशक राजपत्रित डॉ. सुशील परमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दें : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शासन सचिव महिला एवं बाल विकास पूनम, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं की कियान्विति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में महिला एवं बाल विभाग से सम्बन्धित 11 बजट घोषणाओं का समयबद्धता से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिनमें से एक बजट घोषणा का क्रियान्यवयन हो गया है जबकि बाकि 10 बजट घोषणाओं को भी समय पर पूरा किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने इसके साथ ही संकल्प पत्र पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एक आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकती हैं। इससे आंगनबाडी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों को बेहतर मिल सकती है। इसके साथ ही वहां आने वाली गर्भवति एवं धात्री महिलाओं, किशोरी बालिकाओं को भी बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं।उपमुख्यमंत्री ने उन्होंने निर्देश दिए कि किराए के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों को राजकीय विद्यालय भवनों में संचालित करवाने हेतु कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किराए के भवनों में संचालित होने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों को बेहतर सुविधायुक्त किराए के भवनों में संचालित करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे विद्युत,पेय जल और क्रियाशील शौचालय उपलब्ध करवाएं।

उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई।

कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी की बेटी की कार का एक्सीडेंट

जयपुर। ज्योति नगर थाना क्षेत्र में विधानसभा के मुख्य द्वार के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी की पुत्री आस्था चौधरी चला रही थीं। हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कार सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। पुलिस के अनुसार कार अंबेडकर सर्किल से एमएलए क्वार्टर की ओर जा रही थी। विधानसभा गेट के पास सड़क पर अचानक चार-पांच श्वान आ जाने से चालक ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, जिससे वाहन पर नियंत्रण खो गया और कार ट्रैफिक सिग्नल पोल व पेड़ से जा टकराई। थाना साउथ में तैनात पुलिसकर्मी कैलाश ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त क्रेटा कार आस्था चौधरी के नाम से नागौर पते पर पंजीकृत है और हादसे के समय वही वाहन चला रही थीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षितग्रस्त वाहन को जब्त कर थाने ले जाया गया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई है। फिलहाल इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं कराया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में 329 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

जयपुर। राजस्थान पुलिस की कार्यकुशलता और टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयपुर रेंज की 21वीं अंतर जिला (रेंज स्तरीय) पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता-2025 का भव्य शुभारंभ मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन, जयपुर ग्रामीण में किया गया। इस तीन दिवसीय आयोजन की मेजबानी जिला जयपुर ग्रामीण द्वारा की जा रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल ने खेलकूद प्रतियोगिता के आगाज की औपचारिक घोषणा की। इस अवसर पर जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद सहित रेंज के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि और अन्य अधिकारियों ने पुलिस लाइन प्रांगण में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रतियोगिता के पहले दिन जयपुर रेंज के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने भव्य मार्च पास्ट किया और मुख्य अतिथि का अभिवादन करते हुए पूरी खेल भावना के साथ खेलने की शपथ ली। इस प्रतियोगिता में रेंज के विभिन्न जिलों से कुल 329 पुलिसकर्मी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें 263 पुरुष और 66 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। रेंज स्तरीय इस आयोजन में वॉलीबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन, हैंडबॉल, कुश्ती, एथलेटिक्स और ताइक्वांडो सहित कुल 9 खेलों को शामिल किया गया है। खिलाड़ियों की सुविधा और खेल के मानकों को देखते हुए प्रतियोगिता के सभी मैचों का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा।

मुख्य अतिथि संजय कुमार अग्रवाल ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं, बल्कि इनसे आपसी समन्वय और बॉन्डिंग भी मजबूत होती है। इससे पूर्व रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने स्वागत उद्बोधन देते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के अंत में जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने सभी अतिथियों का आभार जताया। आयोजन के दौरान महानिरीक्षक राहुल प्रकाश द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

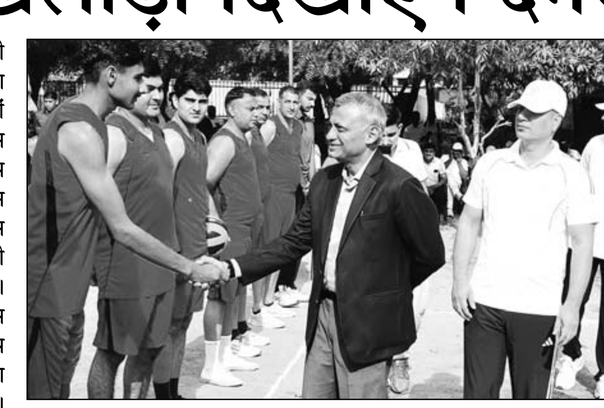

जयपुर रेंज की 21वीं अंतर जिला पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के बाद पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल ने खिलाड़ियों से मुलाकात की।

सिलैंडर किसी अन्य को बेचा, गैस एजेंसी पर 4 हजार रुपए हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने ग्राहक का गैस सिलेंडर किसी अन्य को बेचने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने मुरलीपुरा की सीमा भारत गैस एजेंसी पर चार हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग के अध्यक्ष जीएल मीणा और सदस्य अजय कुमार व सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश घनश्याम दास विजय के परिवाद पर दिए। परिवाद में कहा गया कि परिवादी को विपक्षी गैस एजेंसी से सिलेंडर की सप्लाई होती थी। इस दौरान ही एक दिसंबर 2021 को उसके मोबाइल पर सिलेंडर डिलीवर होने का एक मैसेज आया, जबकि उसने सिलेंडर की बुकिंग ही नहीं कराई थी। इस बारे में उसने गैस एजेंसी के कर्मचारियों से पूछा तो उन्होंने कोई भी जवाब नहीं दिया। परिवादी सिलेंडर की जरूरत हुई तो उसने 5 दिसंबर को बुक कराया और 7 दिसंबर को उसे सिलेंडर की डिलीवरी हुई। डिलीवरी रसीद में उसे अब तक 4 सिलेंडर डिलीवर होना बताया, जबकि उसे 3 सिलेंडर ही मिले थे। इस पर परिवादी ने उसका गैस सिलेंडर किसी अन्य को बेचने पर गैस एजेंसी को कानूनी नोटिस भेजा और गैस एजेंसी के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। जवाब में गैस एजेंसी ने कहा कि परिवादी को 15 सिलेंडर की सब्सिडी मिलती है और उसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। जिला उपभोक्ता आयोग ने दोनों पक्षों को सुनकर माना कि गैस एजेंसी ने अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस कर परिवादी का सिलेंडर किसी अन्य को बेचान किया है, ऐसे में उस पर हर्जाना लगाना उचित होगा।

'आदेश की पालना करो, वरना झालावाड़ एसपी पेश होकर जवाब दें'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद याचिकाकर्ता से वसूली गई राशि नहीं लौटाने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने 23 अप्रैल को झालावाड़ पुलिस अधीक्षक को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपना जवाब देने को कहा है।

अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आदेश की पालना कर ली जाती है तो एसपी को उपस्थित होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश विश्वेन्द्र सिंह की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि मामले में सुप्रीम कोर्ट से एसएलपी खारिज होने के बाद भी अदालती आदेश की पालना नहीं करना गंभीर बात है। इसके बावजूद भी न्याय हित में संबंधित अधिकारियों को आदेश की पालना के लिए अंतिम मौका और दिया जाता है।अवमानना याचिका में अधिवक्ता आमिर खान और रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पुलिस कांस्टेबल के तौर पर विभाग में अपनी सेवाएं दे रहा था। इस दौरान उसका चयन शिक्षक पद पर हो गया। ऐसे में याचिकाकर्ता ने शिक्षक पद का कार्य ग्रहण करने के लिए विभाग को प्रार्थना पत्र पेश कर रिलीव करने को कहा, लेकिन विभाग ने उसे रिलीव नहीं किया। वहीं दूसरी ओर विभाग ने याचिकाकर्ता के प्रशिक्षण और वेतन पर राशि खर्च होना बताकर करीब चार लाख रुपए की रिकवरी निकाल दी। इस राशि को अदा करने पर ही याचिकाकर्ता को रिलीव किया गया। इसे चुनौती देने पर एकलपीठ ने 6 अगस्त, 2024 को विभाग को वसूल की गई राशि लौटाने को कहा। इस आदेश को पहले हाईकोर्ट की खंडपीठ और फिर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन विभाग को राहत नहीं मिली। इसके बावजूद भी विभाग की ओर से आदेश की पालना नहीं की जा रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आदेश की पालना नहीं करने पर झालावाड़ एसपी को तलब किया है।

लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया पुलिस ने मोबाइल चोरी के बाद डिजिटल पेमेंट ऐप के जरिए बैंक खाते से लाखों रुपए निकालने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सैमसंग एंड्रॉयड मोबाइल और 90 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। डीसीपी (पूर्व) रंजिता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संजय कुमार मीना (28) निवासी दौसा है। उसके खिलाफ पूर्व में भी मानपुर, बांदीकुई और जयपुर के खो नागोरियान थानों में चोरी सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने 12 मार्च की रात जगदीश प्रसाद मीना के निर्माणाधीन मकान से मोबाइल चोरी किया था। इसके बाद उसने मोबाइल में फोन-पे ऐप डाउनलोड कर परिचितों के बैंक खातों में कई ट्रांजेक्शन किए और पीड़ित के खाते से कुल 7 लाख 38 हजार रुपए निकाल लिए। घटना का खुलासा 21 मार्च को हुआ, जब पीड़ित ने अपने बैंक खाते की जांच की और रुपए निकाले जाने की जानकारी मिली। इसके बाद रामनगरिया थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस की विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर 31 मार्च को आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने ठगी की रकम का कुछ हिस्सा ऑनलाइन गेमिंग और अन्य शौक पूरे करने में खर्च कर दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी से 90 हजार रुपए नकद और चोरी किया गया मोबाइल बरामद कर लिया है।

सलूम्बर में 3600 से ज्यादा चिकित्सा टीमों ने किया घर-घर सर्वेक्षण

पांच बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौत का मामला

जयपुर। सलूम्बर जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौत के प्रकरण को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सलूम्बर सहित उदयपुर संभाग के सातों जिलों में व्यापक स्तर पर आउटब्रेक नियंत्रण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विभाग की टीमें लगातार सर्विलांस कार्य कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि बच्चों की मौत का प्रकरण सामने आने के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने तत्काल विशेषज्ञों की टीम गठित कर मामले की जांच करवाने एवं रोग नियंत्रण के लिए व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए थे। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी लगातार प्रभावित क्षेत्र की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आरएनटी मेडिकल कॉलेज की टीम द्वारा मंगलवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर आउटब्रेक की जांच की गई तथा प्राथमिक उपचार एवं जांच प्रोटोकॉल के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।राज्य स्तरीय टीम ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर विस्तृत जांच की।प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि उदयपुर संभाग में करीब 3690 टीमों द्वारा 52 हजार से अधिक घरों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 275 लक्षण वाले मरीज चिन्हित किए गए। इनमें से 25 मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थानों हेतु रेफर किया गया। इस दौरान 13 हजा से अधिक स्थानों पर सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियां संचालित की गईं।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि सलूम्बर के झालरा ब्लॉक के सेमारी गांव में 01 चार वर्षीय बच्चे की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि आउट ब्रेक नियंत्रण गतिविधियों के तहत मंगलवार को उदयपुर संभाग में 651 मरीजों का मौके पर ही उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए 2,557 स्थानों पर एंटी-लार्वल गतिविधियां की गईं। क्षेत्र में 1,796 ब्लड स्लाइड्स ली गईं तथा 94 सैंपल जांच हेतु एकत्रित किए गए।

सलूम्बर जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौतों के बाद चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर जांच की।

लालपुरा-घाटा में सात बच्चों को किया रैफर

मौके पर पहुंचे अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी

सलूम्बर, (निसं)। सलूम्बर जिले के लसाड़िया उपखंड क्षेत्र के लालपुरा व घाटा गांवों में रहस्यमयी बीमारी का प्रकोप लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। सोमवार देर रात फिर कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें लसाड़िया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सलूम्बर जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक कुल 7 बच्चों को जिला अस्पताल रेफर किया जा चुका है। स्थिति को देखते हुए चिकित्सा विभाग और पशुपालन विभाग द्वारा गांवों में दवा छिड़काव (फॉगिंग) किया जा रहा है।

प्रशासन ने हालात पर नियंत्रण के लिए सीएचसी लसाड़िया में अस्थायी चिकित्सा शिविर भी स्थापित किया है, जहां ग्रामीणों की जांच और उपचार किया जा रहा है। घाटा व लालपुरा में घर घर जाकर सर्वे कर रही है। जिनके लक्षण लग रहे उनको लसाड़िया सीएचसी भेजा जा रहा है, जहां से 7 बच्चों को सलुम्बर जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया। 17 बच्चों की स्थिति सेम्पलिंग की गई। जो जांच के लिए उदयपुर भेजी गई है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. दिनेश राय सापेला, चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रकाश चन्द्र शर्मा, सीएमएचओ डॉ महेंद्र परमार, अतिरिक्त सीएमएचओ डॉ. वी.डी. मीणा, उपखंड अधिकारी दिनेश आचार्य, डीएसपी हेरंब जोशी, तहसीलदार रामजीलाल गुर्जर, विकास अधिकारी मांगू सिंह मीणा, बीसीएमएचओ डॉ. सिंटु कुमावत, कूण थानाधिकारी निलेश कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहकर हालात पर नजर बनाए हुए हैं। धरियावद विधायक थावरचंद डामोर भी घाटा पहुंचे और विद्यालय में चिकित्सा अधिकारियों व प्रशासन से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर तुरंत अस्पताल जाएं और अंधविश्वास से दूर रहें।

उदयपुर अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी मंगलवार दोपहर घाटा पहुंचे और मौके पर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ दिनेश राय सापेला व चिकित्सा अधिकारियों से अब तक की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली।

शातिर चेन स्नैचर गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में बढ़ती चेन स्नैचिंग की वारदातों पर लगाम कसते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने एक शातिर बदमाश को दबोचने में सफलता हासिल की है। सीएसटी ने करधनी थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए आदतन अपराधी चिरंजीत उर्फ रामचरण को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से पुलिस ने सोने की एक चेन भी बरामद की है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी अपराध संजीव नैन अनुसार गिरफ्तार आरोपी चिरंजीत उर्फ चिरंजी (21) निवासी फागी जिला जयपुर का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में चेन स्नेचिंग और नकबजनी के 15 से अधिक आपराधिक प्रकरण पहले से दर्ज हैं। आरोपी इतना शातिर है कि उसने हाल ही में श्यामनगर थाना इलाके में भी चेन स्नैचिंग की एक वारदात को अंजाम दिया था। जिसका मामला वहां दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से सख्ती से पूछताछ कर रही है, जिससे शहर में हुई अन्य वारदातों के खुलने की भी संभावना है। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि परिवादी अंकुर शर्मा ने 12 दिसंबर 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी माताजी अपनी पोती के साथ स्कूल से घर लौट रही थीं, तभी जनकल्याण अस्पताल के पास बाइक सवार दो बदमाश उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए थे। इस संबंध में करधनी थाने में बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

बाड़मेर में सीमा पार से आई 25 करोड़ की मेटाफेटामाइन ड्रग पकड़ी, दो गिरफ्तार

एटीएस राजस्थान-गुजरात और सदर बाड़मेर थाना पुलिस ने कार्रवाई की

पुलिस ने करीब पांच किलोग्राम वजन की मेटाफेटामाइन ड्रग्स जब्त की।

■ पूछताछ में आरोपी सलमान ने खुलासा किया कि उसने यह माल पाकिस्तान के थारपारकर जिले के निवासी मसात नामक व्यक्ति से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर प्राप्त किया था

बाड़मेर, (निसं)। राजस्थान पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गत रात को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से लाए गई करीब पांच किलोग्राम वजन की मेटाफेटामाइन ड्रग्स जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी इस खेप की सप्लाई देने जा रहे थे। जब्त की गई इस खेप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 25 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस, एजीटीएफ और एएनटीएफ दिनेश एमएन के निर्देशन, आईजी राजेश सिंह और डीआईजी योगेश यादव व राममूर्ति जोशी के सुपरविजन तथा एसपी ज्ञान चंद यादव के नेतृत्व में एटीएस गुजरात से मिले इनपुट पर अंजाम दी गई, जिसमें बाड़मेर एसपी चूनाराम जाट और उनकी टीम का बेहतर सामंजस्य रहा। इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए एटीएस और एजीटीएफ के अधिकारियों की एक विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने तकनीकी और जमीनी सूचनाओं को विकसित करते हुए पाया कि सलमान और शंकर राम नामक दो व्यक्ति एक ईको गाड़ी में सरहद पार से लाया गया नशीला पदार्थ लेकर सप्लाई करने जा रहे हैं।

एडीजी दिनेश एम.एन. ने बताया कि इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी एटीएस ज्ञानचंद यादव और एसपी बाड़मेर चुनाराम जाट के नेतृत्व में एटीएस जोधपुर के इंस्पेक्टर मूल सिंह भाटी, गुजरात एटीएस के इंस्पेक्टर डीडी रऐवर और बाड़मेर सदर एसएचओ ओमप्रकाश और उनकी टीम ने लोरटी हाईट, आदर्श उण्डखा एनएच-68 पर नाकेबंदी की। नाकेबंदी के दौरान बाड़मेर की तरफ से आ रही संदिग्ध ईको गाड़ी को रुकवाकर तलाशी ली गई, तो गाड़ी में बैठे आरोपियों के पास से 5 थैलियों में भरा 4.980 किलोग्राम अवैध मेटाफेटामाइन बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलमान पुत्र लाला खां और शंकरराम पुत्र रमेशराम मेघवाल निवासी सजन का पार, रामसर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी सलमान ने खुलासा किया कि उसने यह माल पाकिस्तान के थारपारकर जिले के निवासी मसात नामक व्यक्ति से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर प्राप्त किया था। आरोपी के मोबाइल की जांच करने पर पाकिस्तानी नंबरों से व्हाट्सएप चैट और नशीले पदार्थ की प्राप्ति के रूप में भेजे गए वीडियो भी मिले हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त वाहन और मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वर्तमान में एसपी बाड़मेर चुनाराम जाट और एटीएस एसपी ज्ञानचंद यादव के नेतृत्व में खुफिया एजेंसियां पकड़े गए संदिग्धों से संयुक्त पूछताछ कर रही है।

लारेंस गैंग ने पांच करोड़ की फिरौती मांगी, दो जने गिरफ्तार

■ श्रीगंगानगर शहर के एक बड़े कांग्रेस नेता तथा उनकी पत्नी से लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने फिरौती मांगी थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर के एक बड़े कांग्रेस नेता तथा उनकी पत्नी से लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पांच करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। इस मामले में रैकी करने वाले यूपी के जालौन जिले के उरई गांव व हाल नोएडा के सदरपुर सेक्टर 45 में किराए पर रह रहे 20 वर्षीय संजीव गौतम उर्फ तुषार जाटव पुत्र बृजकिशोर को गिरफ्तार किया गया है। कोतवाल पृथ्वीपालसिंह भाटी ने आरोपी को 6 अप्रैल को अदालत में पेशकर चार दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी को मीरा चौक चौकी प्रभारी नरेशकुमार, हैड कांस्टेबल हरदेवसिंह, रीडर विरेंद्र गोदारा व दलीप कुमार की टीम ने नोएडा स्थित घर से हिरासत में लेकर लाए हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने दिसंबर 2025 में पीडित कांग्रेसी नेता तथा उनकी पत्नी की शहर में रैकी की थी। उनके होटल, ज्वेलरी शोरूम तथा घर आदि प्रतिष्ठानों की वीडियो व फोटोग्राफी की तथा फायरिंग के लिए एक्सरसाइज भी की थी, लेकिन आरोपियों को फायरिंग के लिए हथियार उपलब्ध नहीं हो पाए थे। लिहाजा यहां आए सभी शूटर बिना एक्शन लिए ही वापस लौट गए थे। आरोपी एक सप्ताह तक रीको स्थित एक होटल में ठहरे थे। होटल संचालक की भूमिका की जांच बकाया है। पुलिस के अनुसार शहर में लॉरेंस गैंग की ओर से 5 करोड़ की फिरौती की वसूली के लिए प्लान की गई फायरिंग में यूपी के शूटरों को जिला मुख्यालय भेजा गया था। आरोपी संजीव गौतम उर्फ तुषार जाटव के साथ आगरा निवासी दीपक, शिवा सिंह उर्फ शिवा गुर्जर, आजाद उर्फ हैरी, रोहित सिंह, अर्पित शर्मा के अलावा कई अन्य भी शामिल थे। इनमें आगरा निवासी दीपक को मुंबई पुलिस ने फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर पर की गई फायरिंग की घटना में गिरफ्तार किया हुआ है। इस मामले में कोतवाली पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार करके लाएगी।

बीएसएफ जवान की पत्नी ने खुदकुशी की

■ मृतका के भाई ने मर्ग में रिपोर्ट दी और बताया कि उसकी बहन का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर एरिया में स्थित बीएसएफ फैमेली क्वार्टर में रहने वाले बीएसएफ जवान की पत्नी ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय बच्चे स्कूल गए हुए थे। शाम को वापिस लौटे तब मां फंदे पर लटकी मिली। उनके चिल्लाने पर पड़ौसी मौके पर पहुंचे तथा शव को नीचे उतारा। पति बॉर्डर पर तैनात है। उसके आने पर शव का पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया। बताया जाता है कि मृतका का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। उसके भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई है।

मंडोर थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि बाड़मेर गिड़ा स्थित होलोनी निवासी रमेश कुमार चौधरी बीएसएफ में जवान है। उसकी ड्यूटी बॉर्डर पर है। वह अपनी फैमेली के साथ यहां बीएसएफ क्वार्टर मंडोर में रहता है। 5 अप्रैल को उसकी पत्नी 27 वर्षीय सुआ ने क्वार्टर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। वक्त घटना बच्चें स्कूल गए हुए थे, वापिस लौटे तब घटना का पता लगा। बाद में पति रमेश कुमार को सूचना दी गई। जोधपुर पहुंचने पर शव का सोमवार को पोस्टमार्टम कराया गया। मृतका सुआ के भाई लुनाडा नागाणा बाड़मेर निवासी जुजाराम ने मर्ग में रिपोर्ट दी और बताया कि उसकी बहन का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। पुलिस ने मर्ग की कार्रवाई कर शव सौंप दिया।

बोर्ड पूरक परीक्षाओं के आवेदन 15 से शुरू होंगे

अजमेर, (कासं)। राज. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2026 की पूरक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि कक्षा 10वीं और 12वीं की सैद्धांतिक पूरक परीक्षाएं 14 मई से 16 मई तक आयोजित की जाएगी, जबकि प्रायोगिक परीक्षाएं 7 मई से निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शुरू होंगी। पूरक परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 अप्रैल से 22 अप्रैल तक निर्धारित की गई है, जिसमें नियमित और स्वयंपाठी दोनों प्रकार के परीक्षार्थी आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद 23 से 27 अप्रैल तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। वहीं, 28 अप्रैल से परीक्षा प्रारंभ होने तक असाधारण विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने का अवसर मिलेगा। बोर्ड ने सभी अभ्यर्थियों से समय सीमा का पालन करते हुए आवेदन करने की अपील की है।

अलवर : बेरोजगारी भत्ते में घोटाला, 10 युवाओं से 5.19 लाख की वसूली होगी

■ जिला रोजगार कार्यालय की जांच में सामने आया कि 10 आशार्थियों ने गलत जानकारी और दस्तावेजों में हेरफेर कर भत्ता ले लिया

अलवर, (निसं)। अलवर में मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत बेरोजगारी भत्ता लेने में लाखों रुपए का फर्जीवाड़ा किया गया। जिला रोजगार कार्यालय की जांच में 10 आशार्थियों ने गलत जानकारी और दस्तावेजों में हेरफेर कर भत्ता ले लिया। इन 10 आशार्थियों से अब करीब 5.19 लाख रुपए वसूले जाएंगे। इन सभी आशार्थियों के खिलाफ अरावली विहार थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। रोजगार सेवा निदेशालय जयपुर के निर्देश पर यह जांच की गई। इसमें सामने आया कि कई आवेदकों ने अपनी एसएसओ आईडी से 'जॉब सीकर प्रोफाइल' में बदलाव किए, जरूरी दस्तावेज हटा दिए और कुछ मामलों में नाम, पता व मोबाइल नंबर तक बदल दिए।

रोजगार अधिकारी हरीश नेनतवाल ने बताया कि अभी 58 में से 10 नाम सामने आए हैं। अभी जांच चल रही है, यह संख्या बढ़ भी सकती है। इसकी जांच की जा रही है। इन आशार्थियों ने वर्ष 2024 में फॉर्म अप्लाई किया था।

पुरुष को 4000 रुपए और महिला को 4500 रुपए बेरोजगारी भत्ता मिलता है। कार्यालय ने 17 मार्च 2026 को आरोपियों के पते पर नोटिस भेजे, लेकिन ज्यादातर मामलों में डाक विभाग ने प्राप्तकर्ता नहीं रहता या कोई व्यक्ति नहीं मिला लिखकर लैटर लौटा दिए। इससे फर्जी पते का इस्तेमाल सामने आया। इसके बाद विभाग के कर्मचारी भौतिक सत्यापन करने पहुंचे, लेकिन दिया गया पता फर्जी मिला। जब विभाग ने भारतीय स्टेट बैंक आर्य नगर शाखा पर पहुंचकर बैंक डिटेल और एड्रेस का मिलान किया तो कई आवेदकों का वास्तविक निवास अलवर के बजाय दौसा जिले में पाया गया। वहीं कई का अलग-अलग जगह मिला। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ आरोपियों ने 19 और 21 मार्च को एसएसओ आईडी के जरिए प्रोफाइल में बदलाव कर दस्तावेज हटा दिए, जो योजना के नियमों के खिलाफ हैं। अब जिला रोजगार अधिकारी तमन्ना सिंह ने सभी दस्तावेज पुलिस को सौंप दिए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

डोडा-एमडी के साथ युवक को पकड़ा

नापासर, (निसं)। पुलिस ने मंगलवार अलसुबह नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक को मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने भारतमाला सड़क स्थित पुलिया के नीचे होटल के पास दबिश देकर आरोपी राजूराम चौधरी (32) निवासी लिखमीदेसर, थाना शेरुना को पकड़ा।

नापासर थानाधिकारी सुषमा शेखावत ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाशी ली गई। उसके कब्जे से 4 किलो 300 ग्राम डोडा, जिसमें 2 किलो 600 ग्राम डोडा छिलका और 1 किलो 700 ग्राम डोडा-चूरा शामिल था। साथ ही 1 ग्राम एमडी भी बरामद की गई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया। थानाधिकारी सुषमा शेखावत ने कहा कि क्षेत्र में नशे के कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महिला से छेड़छाड़ के बाद दो गुटों में पथराव

बीकानेर, (निसं)। महिला से छेड़छाड़ को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने जमकर पथराव किया। एक पक्ष का आरोप है कि मोहल्ले में कुछ युवक महिला से छेड़छाड़ कर रहे थे। विरोध करने पर मारपीट करने पर उतारू हो गए। आरोपियों के साथी सरिया और लाठी लेकर आ गए। विवाद बढ़ने पर दूसरे पक्ष के लोग भी लाठी-डंडा लेकर पहुंचे गए। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए और पथराव शुरू का दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची तो दोनों गुट के लोग फरार हो गए। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे भाजपा नेता और पुलिस के बीच नोकझोंक हो गई। बड़ी संख्या में लोगों ने थाने पर पहुंचकर मामला दर्ज करवाया।

लोगों का आरोप है कि कुछ युवक मोहल्ले की महिलाओं और युवतियों पर कमेंट करते हैं। सोमवार रात को महिला से छेड़छाड़ कर रहे थे। घटना नयाशहर थाना क्षेत्र के चौखूंटी इलाके की देर रात करीब 10 बजे की है। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि बड़ी संख्या में लोग मोहल्ले से लाठियां लेकर दौड़ते हुए आ रहे हैं। देखते ही देखते दूसरे पक्ष के लोग भी लाठियां लेकर आ जाते है। कुछ देर तक दोनों पक्ष आमने-सामने रहे और झड़प की स्थिति बनी रही। पुलिस के पहुंचने की सूचना मिलते ही सभी लोग मौके से फरार हो गए।

एसएचओ रोहित चौधरी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पूरे क्षेत्र में पुलिस बत तैनात किया। हालात को काबू में करने के लिए रातभर पुलिस बल तैनात रहा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। उपद्रव करने वाले युवकों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। रात में हुए हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों में आक्रोश था, जिन्हें कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया गया।

आरोप है कि कुछ युवक छेड़छाड़ कर रहे थे। इसका विरोध करने पर वे मारपीट पर उतारू हो गए। इसके बाद दोनों पक्षों के लोग एकत्र हो गए और पथराव शुरू कर दिया। घटना में किसी के भी चोटिल होने की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी और भाजपा नेता वेद व्यास मौके पर पहुंचे। इस दौरान वेद व्यास और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। भाजपा नेता विजय उपाध्याय भी देर रात तक मौके पर मौजूद रहे।

एसएचओ रोहित चौधरी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में लोग नया शहर थाने पहुंचे। इस संबंध में परिवाद भी दिया गया है।

होटलों से घरेलू सिलेंडर जब्त

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के करणपुर में रसद विभाग की टीम ने घरेलू सिलेंडर यूज करने पर कई होटलों पर कार्रवाई की। टीम ने अवैध रूप से यूज हो रहे घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। जिसके बाद आस-पास की होटलों में हड़कंप मच गया प्रवर्तन अधिकारी अमित चौधरी ने बताया कि राधे लाइट हाउस से 1 सिलेंडर, पंजाबी ढाबा से 2 सिलेंडर और होटल आशीष से 1 सिलेंडर जब्त किया गया। कुल 4 सिलेंडर श्रीकरणपुर गैस सर्विस को सौंप दिए गए हैं।

अजमेर में 400 किलो सड़ा मावा, पनीर और चीज़ नष्ट कराई

■ फूड सेफ्टी टीम ने ममता डेयरी पर निरीक्षण के दौरान प्रसीजर में करीब 400 किलो सड़ा हुआ मावा, पनीर और मोजरेला चीज बरामद किया

अजमेर, (कासं)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग राजस्थान के आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्सना रंगा के निर्देशों की पालना में जिले में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की गई।

फूड सेफ्टी टीम ने ममता डेयरी पर निरीक्षण के दौरान प्रसीजर में करीब 400 किलो सड़ा हुआ मावा, पनीर और मोजरेला चीज बरामद किया। जांच में सामने आया कि यह सामग्री लंबे समय से स्टोर की गई थी, जिसमें फंगस लग चुकी थी और उससे तेज बदबू आ रही थी।

टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सड़े हुए मावा, चीज और बदबूदार रसगुल्लों को शहर के डंपिंग यार्ड में ले जाकर नष्ट करवाया। साथ ही दो नमूने जांच के लिए लिए गए हैं और डेयरी संचालक को सुधार नोटिस जारी किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान डेयरी में अत्यंत गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियों में निर्माण कार्य पाया गया। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार सिंधी, राजेंद्र शर्मा सहित अन्य टीम सदस्य मौजूद रहे।

उदयपुर : अंबेरी में पहाड़ी पर आग लगी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर-पिंडवाडा नेशनल हाइवे पर बीती रात को पहाड़ी पर आग लग गई। सूचना पर उदयपुर फायर स्टेशन से दमकल भी मौके पर पहुंची, लेकिन आग अत्याधिक ऊंचाई पर होने से ज्यादा मदद नहीं मिल पाई। रात करीब नौ बजे शहर के अंबेरी से गोगुंदा जाने वाले इस हाइवे पर अंबेरी पुलिया से थोडा आगे पहाड़ भभक रहा था।

सूचना सबसे पहले फायर स्टेशन को मिली। वैसे पहाड़ी पर आबादी नहीं होने से वहां पहुंची टीमों ने राहत ली। तेज हवा की वजह से आग की लपटें तेजी से आगे बढ़ती गई।

जब दमकल मौके पर पहुंची तो देखा गया कि पहाड़ी के ऊंचाई पर आग पहुंच गई, जिससे दमकल का पहुंचना मुश्किल था। नीचे वाले इलाके में दमकल ने आग बुझाई और उसके बाद भी एहतियात के तौर पर वहीं खड़ी की गई। रात करीब दो बजे बाद आग बंद हुई और उसके बाद टीमें रवाना हुई। वैसे आग से सूखी घास को नुकसान पहुंचा। हाइवे से गुजरते लोगों ने अपनी गाड़ियां रोक कर रात को इस आग को देखा और सबने अपने स्तर पर फोन कर सूचना दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि हमारे यहां से गाड़ी मौके पर पहुंची और वहीं खड़ी कर दी गई। उन्होंने बताया कि आग ऊंचाई पर ज्यादा थी।

बीकानेर जिले में बरसात का दौर चला, फसलों के नुकसान की आशंका बढ़ी

श्रीडूंगरगढ़ और लूणकरनसर सहित आसपास के इलाकों में भी बारिश हुई

बीकानेर, (निसं)। मौसम विभाग का मंगलवार को येलो अलर्ट जारी है। सोमवार देर रात से बादलों आवाजाही के बाद मंगलवार तड़के करीब चार बजे से बूंदाबांदी का दौर शुरू हुआ, जो सुबह दस बजे तक रुक-रुक कर जारी रहा। इस दौरान एक बार तेज बारिश भी दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। बच्चों को स्कूल जाने के लिए रेनकोट पहनना पड़ा।

बीकानेर के अलावा श्रीडूंगरगढ़ और लूणकरनसर सहित आसपास के इलाकों में भी बारिश हुई। इन क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज बारिश दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट महसूस की गई और मौसम ठंडा हो गया। रबी फसलों की कटाई का दौर जारी है, ऐसे में बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर गेहूं की फसल जिन खेतों में अब तक नहीं कटी है, वहां नुकसान की आशंका बढ़ गई है। खड़ी फसल के खराब होने का खतरा मंडरा रहा है, जिससे किसान तनाव में हैं। मौसम में बदलाव का मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ माना जा रहा है। अप्रैल के पहले सप्ताह में भी दो बार इसके असर से बारिश हुई थी। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में भी बादल छाए रहने और रिमझिम बारिश का दौर जारी रह सकता है।

नोखा संवादाता के अनुसार :- उपखंड मुख्यालय और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। सड़कों पर जगह-जगह पानी जमा हो गया। रिमझिम बारिश का यह दौर सुबह करीब 10:30 बजे तक जारी रहा, जिसके बाद भी दिनभर बारिश की संभावना बनी रही।

बेमौसम हुई इस बरसात से किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में खड़ी पकी हुई गेहूं, इसबगोल और अन्य रबी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह खराब रहा तो तैयार फसल की कटाई और उसकी गुणवत्ता दोनों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। मौसम की इस खराबी का असर रेगिस्तान की प्रसिद्ध सूखी सब्जी सांगरी की पैदावार पर भी पड़ने की आशंका है। किसानों ने बताया कि तेज हवाओं और बारिश के कारण खेजड़ी के पेड़ों पर लगी फलियां, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'मिंमझर' कहा जाता है, जमीन पर गिरकर खराब हो गई हैं। इससे इस साल सांगरी की पैदावार में कमी आने की संभावना है। बारिश और तेज ठंडी हवाओं के कारण अप्रैल के महीने में भी लोगों को गुलाबी सर्दी का एहसास हुआ।

बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ाई

बारिश के चलते खेतों में खड़ी और कटी फसलें प्रभावित हो रही है।

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में इन दिनों हो रही बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। तेज हवाओं और बारिश के चलते खेतों में खड़ी और कटी फसलें प्रभावित हो रही हैं, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

जानकारी के अनुसार, कई इलाकों में अचानक बदले मौसम ने गेहूं, जौ, चना सहित अन्य रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। जहां एक ओर खड़ी फसलें तेज हवाओं से गिर रही है। वहीं कटी हुई फसलें बारिश में भीगकर खराब हो रही है। इससे उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कटाई के इस महत्वपूर्ण समय पर खराब मौसम किसानों के लिए बड़ी चिंता बन गई है। किसानों का कहना है कि अगर मौसम इसी तरह बना रहा तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। स्थानीय किसानों ने प्रशासन से फसल नुकसान का सर्वे करवाकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है, ताकि उन्हें इस संकट से राहत मिल सके। बेमौसम बारिश ने एक बार फिर किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी है। अब सभी की नजरें मौसम के मिजाज और सरकारी सहायता पर टिकी हुई हैं।

अजमेर में बारिश से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी

पुष्कर, सरवाड़, मसूदा सहित कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बरसात हुई

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर व जिलेभर में मंगलवार अलसुबह से रुक-रुक कर बारिश ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। हल्की और मध्यम बारिश के बावजूद शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण जगह-जगह नालियां जाम हो गई, जिससे पानी सड़कों पर फैल गया। कई मुख्य मार्गों और कॉलोनियों में कीचड़ जमा हो गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाई हुई। लोगों को पानी और कीचड़ से बचते हुए निकलना पड़ा, जिससे दैनिक जीवन भी प्रभावित हुआ। नगर निगम द्वारा समय पर नालियों की सफाई नहीं किए जाने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। हर वर्ष बारिश के मौसम में ऐसी समस्याएं सामने आती हैं, लेकिन इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है।

गोपाल बंजारा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई किसानों की फसलें कटकर खेतों में पड़ी हुई हैं, ऐसे में लगातार हो रही बारिश से फसलों के खराब होने का खतरा मंडरा रहा है। यदि मौसम इसी तरह बना रहा, तो किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पुष्कर संवाददाता के अनुसार :- पुष्कर में मंगलवार को सुबह हुई बिना मौसम की हुई बारिश की वजह से पुष्कर की सीवरेज व्यवस्था की भी पोल खुल गई। शाम होने तक भी पुष्कर की सड़कों पर पानी भरा रहा, जबकि बुधवार को राज्य के सीएम आ रहे है। फिर भी भारी अव्यवस्था नजर आ रही है। एक बैकुंठी भी श्मशान स्थल पर सीवरेज ओर बारिश के पानी से निकल कर जाती नजर आई।

सरवाड़ संवाददाता के अनुसार :- पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने से सरवाड़ साहित उपखंड क्षेत्र में मंगलवार को अचानक मौसम ने करवट ली। वहीं क्षेत्र में जोरदार बारिश होने से ठंडक का एहसास हुआ। दोपहर बाद शुरू हुई बारिश ने कुछ समय में तेज रूप ले लिया। बारिश के साथ ठंडी हवाएं चलने से तापमान में अच्छी खासी गिरावट आई। वहीं अचानक हुई बारिश के कारण कुछ जगहों पर जलभराव व आवागमन में हल्की परेशानी भी देखने को मिली। मौसम के इस बदलाव से जहां आमजन को राहत मिली। वहीं किसानों के लिए यह बारिश खेतों में काटकर रखी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

मसूदा संवाददाता के अनुसार :- मसूदा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत सतावड़िया क्षेत्र में मंगलवार को हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अचानक बदले मौसम के चलते खेतों में खड़ी और कटी हुई फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों के चेहरों पर मायूसी साफ दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार, कई किसानों ने अपनी फसल को सुरक्षित घर तक पहुंचा लिया था, लेकिन अधिकांश किसानों की फसल अभी खेतों में ही पड़ी थी। कुछ फसलें कटाई के लिए तैयार थी, तो कुछ पहले से कटी हुई खेतों में ही रखी हुई थी। ऐसे में दिन में दो-तीन बार हुई तेज बारिश और ओलों ने फसलों को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। बारिश का पानी खेतों में भर जाने से अनाज भीग गया और सूखने की स्थिति भी नहीं रही, जिससे गुणवत्ता खराब होने का खतरा बढ़ गया है। किसान पिछले कई महीनों से मेहनत कर फसल तैयार कर रहे थे और अब कटाई कर उपज लेने की तैयारी में थे, लेकिन अचानक आई इस प्राकृतिक मार ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

कोच ने मेरे दोस्तों और कुछ प्रतिद्वंद्वियों को उकसाया कि वे मेरे खाने या पानी की बोतल में ड्रग्स मिला दें। - साईराज परदेशी

जूनियर भारोत्तोलक, कोच पर करियर बर्बाद करने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — अर्जुन तेंदुलकर

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स का हिस्सा हैं। दरअसल 26 वर्षीय अर्जुन तेंदुलकर लखनऊ सुपर जाएंट्स के ट्रेनिंग सेशन में शानदार गेंदबाजी करते हुए दिख रहे हैं। इस दौरान अर्जुन लगातार 6 गेंद पर 6 खतरनाक यॉर्कर फेंकते हुए भी दिख रहे हैं। जहां उनकी यॉर्कर इतनी घातक रही कि कप्तान ऋषभ पंत अपना पैर बचाते हुए नजर आए। उनके अलावा अब्दुल समद भी उनकी यॉर्कर का सामना करते हुए संघर्ष करते दिखे।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 में सर्वाधिक रन (492) विराट कोहली के नाम हैं, जबकि सर्वाधिक विकेट (15) हार्दिक पंड्या ने लिए हैं।

बीसीसीआई अपना सालाना 1200 करोड़ का नुकसान आईपीएल में एक गलती से कर रही : ललित मोदी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अप्रैल। पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी ने एक अहम खुलासा किया है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि मूल रूप से तय प्रारूप का पालन नहीं करने के कारण लीग 2,400 करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व से वंचित हो रही है।

मोदी, जिन्होंने दो फ्रैंचाइज़ियों, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लगभग 31,000 करोड़ रुपये में बिकने के बाद लीग के बढ़ते मूल्यांकन पर खुशी जताई, बोर्ड से यह अग्रह कर रहे हैं कि वह पूर्ण होम-एंड-अवे प्रारूप पर लौटे ताकि इस कथित नुकसान की भरपाई की जा सके। मोदी के अनुसार, प्रारंभ में हर टीम को एक-दूसरे के खिलाफ दो बार खेलने का इरादा था। वर्ष 2022 में लीग के 10 टीमों तक बढ़ने के बाद, इस संरचना में 90 मैचों का लीग चरण और चार नॉकआउट खेल शामिल होते। हालांकि, आईपीएल ने केवल 74 मैचों के साथ होम-एंड-अवे प्रणाली में बदलाव करके ही संचालन जारी रखा।

उन्होंने कहा, "हर गेम के लिए, बीसीसीआई को 50 प्रतिशत मिलता है और बाकी 50 प्रतिशत टीमों में वितरित होता है। परिणामस्वरूप, टीमें अब 20 मैचों के नुकसान का सामना कर रही हैं। जिस फीस का भुगतान किया जा रहा है, उसके आधार पर यह एक संविदात्मक दायित्व है कि उन्हें होम-एंड-अवे फिक्स्चर प्रदान किए जाएं।" उन्होंने आगे कहा, "होम-एंड-अवे प्रारूप में ही मूल्य निहित है। अगर कैलेंडर में जगह नहीं है, तो टीमों की संख्या न बढ़ाएँ। यह इतना ही सरल है। हमने यह नहीं बेचा था। क्या सभी ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं? मैं गारंटी देता हूँ कि नहीं।"

वे बोले, "वे होम और अवे क्यों नहीं खेल रहे हैं? बहाने हैं, लेकिन यह टीमों के लिए एक संविदात्मक दायित्व और व्यावसायिक लेनदेन है।" मोदी का मानना है कि मैचों की संख्या में कमी सीधे तौर पर फ्रैंचाइज़ियों और लीग के मूल्यांकन को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा, "अगर आज 94 मैच होम-एंड-अवे आधार पर 118 करोड़ प्रति मैच के हिसाब से होते, तो केवल मीडिया राइट्स ही अतिरिक्त 2,400 करोड़ रुपये के मूल्य के होते। यह के लिए अतिरिक्त 2,400 करोड़ रुपये का राजस्व होता।" इसमें से 1,200 करोड़ रुपये 10 टीमों को मिलते, प्रत्येक को 120 करोड़ रुपये, और टीमों का मूल्य स्वत: ही अधिक होता।

राजस्थान ने मुंबई को 27 रन से हराया

जायसवाल ने नाबाद 77, वैभव ने 39 रन बनाये

गुवाहाटी, 7 अप्रेल। आईपीएल 2026 के 13वें मुकाबले में गुवाहटी में बारिश के से प्रभावित मैच में 11-11 ओवर के मैच में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 27 रनों से बुरी तरह हरा दिया है। पहले बैटिंग करते हुए की टीम ने 11 ओवर में 150 रन बनाए, जिसके जवाब में मुंबई 9 विकेट खोकर 123 रन ही बना सकी।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनका यह फैसला राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाजों ने गलत साबिक कर दिया। यशस्वी जायसवाल ने दीपक चाहर के पहले ही ओवर में 22 रन ठोककर धमाकेदार शुरुआत की। इसके बाद पारी का दूसरा ओवर डालने आए जसप्रीत बुमराह को वैभव सूर्यवंशी ने पहली ही गेंद पर छक्का लगाया।

उन्होंने बुमराह के ओवर में दो छक्के जड़े और इसे मंहगा बनाया। तीसरे ओवर में बोल्ट की भी जमकर धुनाई की। चौथे ओवर में जाकर 81 रनों के स्कोर पर आखिरी गेंद में शार्दुल ठाकुर ने वैभव सूर्यवंशी को बाउंड्री लाइन पर तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। उन्होंने आउट होने से पहले चौदह गेंदों में 5 छक्कों और एक चौके की मदद से 14 गेंदों में 39 रनों की पारी खेली। कप्तान रियान पराग ने 10 गेंदों में 200 की स्ट्राइक रेट के साथ 20 रन बनाए। आज के मैच के अभी तक के हीरो यशस्वी जायसवाल रहे जिन्होंने 32 गेंदों में 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से 77 रनों की तूफानी पारी खेली। टीम ने निर्धारित 11 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए हैं और 151 रनों का लक्ष्य दिया है। मुंबई इंडियंस की ओर से बुमराह सहित सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। शार्दुल ठाकुर को 1 और गजनफ़र को 2 विकेट मिले। बाकी सभी गेंदबाज महंगे और विकेटलेस रहे। बुमराह ने 3 ओवर की गेंदबाजी में 32 रन खर्चे।

अजिंक्य रहाणे पर भड़के वीरेन्द्र सहवाग, हद में रहने की दे डाली सलाह

नई दिल्ली, 7 अप्रेल। आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत निराशाजनक हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे भी पहले तीन मुकाबलों में संघर्ष करते हुए नजर आए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब रहाणे से उनके स्ट्राइक रेट को लेकर सवाल पूछा गया था तो वह भड़क पड़े थे। रहाणे के बर्ताव पर भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का कहना है कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातें नहीं कहनी चाहिए।

सहवाग ने क्रिकबज के साथ बात करते हुए कहा कि रहाणे को इस तरह की आलोचना का जवाब बल्ले और अच्छे प्रदर्शन से देना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता है कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातें कहानी चाहिए। मुझे पता है कि रहाणे कप्तान हैं और उनसे कैमरून ग्रीन के गेंदबाजी न करने का कारण भी पूछा गया था। रहाणे के पास कोई सीधा जवाब नहीं था तो उन्होंने कह दिया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछिए। मैं ये समझ सकता हूं। हालांकि, अगर कोई मेरे स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली को लेकर सवाल खड़े करे, तारीफ और आलोचना करें तो ये लोगों का काम है। आपको स्थिति में सामान्य रहना है चाहे फिर आपकी तारीफ हो या फिर आलोचना। वहीं सहवाग ने रहाणे को जुबानी जंग में न उलझने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि, रहाणे आलोचनाओं का जवाब दे रहे थे, लेकिन अमिताभ बच्चन तक ने कभी आलोचना का जवाब नहीं दिया। सचिन तेंदुलकर से बड़ा उदाहरण क्या ही होगा, एक अखबार ने उनके लिए एंडुलकर लिखा था।

गौरतलब है, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद रहाणे से उनके स्ट्राइक रेट को लेकर मुश्किल सवाल पूछा गया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा था कि मेरा स्ट्राइक रेट! 2023 से मेरा स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। जो लोग मेरे स्ट्राइक रेट पर बात कर रहे हैं वह शायद मैच नहीं देख रहे हैं या फिर उनका मेरे खिलाफ कोई खास मकसद है। वह मुझे खेलता हुआ देखना नहीं चाहते हैं।

पहलवान सुजीत को स्वर्ण पदक की उम्मीद

नई दिल्ली, 7 अप्रेल। कुछ ही दिनों में एशियाई कुश्ती प्रतियोगिता शुरु होने वाली है और भारत की नजरें एक युवा पहलवान पर टिकी हुई हैं। हरियाणा के सुजीत जब बिश्केक में मैट पर उतरेंगे तो उनसे बड़ी उम्मीदें जुड़ी होंगी, क्योंकि पिछले सात साल से 57 किलो वर्ग के अलावा किसी और फ्रीस्टाइल वजन वर्ग में भारत को स्वर्ण पदक नहीं मिला है। बता दें कि साल 2019 में बजरंग पुनिया ने यह कारनामा किया था और उसके बाद से यह इंतजार जारी है। मौजूद जानकारी के अनुसार 23 वर्षीय सुजीत इस साल शानदार फॉर्म में हैं और अब तक अपराजित रहे हैं।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को सरकार ने किया बर्खास्त

पूर्व खिलाड़ी तमीम इकबाल को बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 7 अप्रेल। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में भूचाल आ गया है। पूर्व क्रिकेटर तमीम इकबाल बीसीबी के नए अध्यक्ष बन गए हैं। ये फैसला ऐसे समय में आया है जब कुछ दिन पहले ही बांग्लादेश की ओर से भारत के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज जारी रखने की मांग की गई थी।बांग्लादेश सरकार के अंतर्गत आने वाली नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने एक समिति का गठन किया था। जो अगले चुनावों तक बोर्ड की दैनिक कामकाज की देखरेख करेगी। 37 वर्षीय तमीम इकबाल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के इतिहास के सबसे युवा अध्यक्ष बने हैं। अमीनुल इस्लाम बुलबुल को अध्यक्ष पद से हटाए जाने का मुख्य कारण टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान खड़ा हुआ विवाद है। उस समय अंतरिम सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल बांग्लादेश क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत भेजने के पक्ष में नहीं थे। नजरुल का कहना था कि बांग्लादेश के मैचों को कोलकाता और मुंबई से शिफ्ट करके श्रीलंका में करवाया जाए। ऐसा उन्होंने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से हटाए जाने के विरोध में किया गया था। इस पूरे विवाद के दौरान अमीनुल इस्लाम कुछ नहीं कर पाए थे। यहां तक कि पिछले कुछ दिनों में बीसीबी में 6 डायरेक्टर्स ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। बता दें कि, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में अगले तीन महीने में चुनाव होने हैं। तमीम इकबाल उस 11 सदस्यीय समिति की अगुवाई भी करेंगे, जिसका काम बोर्ड चुनावों को सही तरीके से करवाना होगा। बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष को बर्खास्त किए जाने की सूचना अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को दे दी गई है।

4 मैच की सीरीज के लिए अर्जेंटीना का दौरा करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली, 7 अप्रेल। भारत की सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना का दौरा करेगी। इस सीरीजके मैच 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सीएएनएआरडी में खेले जाएंगे। भारतीय टीम अपने मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को अर्जेंटीना के नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफार्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (जिसे सीएएनएआरडी के नाम से भी जाना जाता है) में खेलेगी। भारत और अर्जेंटीना के बीच हाल में कुछ कड़े मुकाबले खेले गए हैं। इनमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 का मैच भी शामिल है जिसका फैसला 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में किया गया। भारतीय टीम का यह दौरा बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप और इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इससे भारतीय टीम को विभिन्न संयोजन आजमाने का मौका भी मिलेगा। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, "हम 24 खिलाड़ियों की टीम के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय है। इस दौरे का उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और इस सीरीजसे हमें प्रति खिलाड़ी को परखने का मौका मिलेगा। हम देखना चाहते हैं कि जरूरत पड़ने पर कौन बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।"

उन्होंने कहा, "इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको सबसे पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। व्यक्तिगत प्रतिभा महत्वपूर्ण है लेकिन अगर आप इस टीम के साथ तालमेल नहीं बिठा सकते और एक-दूसरे की मदद नहीं कर सकते हैं तो आपके लिए इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।" पुरुषों और महिलाओं दोनों का विश्व कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में एक साथ आयोजित किया जाएगा, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होंगे।

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वार्नर की बढ़ी मुश्किलें, ड्रिंक एंड ड्राइव केस में फंसे

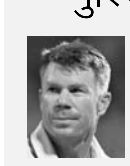

नई दिल्ली, 7 अप्रेल। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी डेविड वार्नर पर पाकिस्तान सुपर लीग से बीच में ही ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद सिडनी में शराब पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगा है। वार्नर को सिडनी के मारूब्रा में एक रैंडम ब्रेथ टेस्ट के दौरान रोका गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पुलिस ने दावा किया कि वार्नर टेस्टिंग सेंटर पहुंचने से पहले ही अपनी गाड़ी रोककर पार्क कर चुके थे। पुलिस अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया और ब्रेथ टेस्ट में उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर को गिरफ्तार कर मारूब्रा पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उनका ब्रेथ टेस्ट पॉजिटिव आया। इसके अलावा, अगले महीने इस दिग्गज बल्लेबाज को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस बीच, वार्नर पीएसएल से बीच में ही ऑस्ट्रेलिया वापस लौट गए, क्योंकि उनकी फ्रेंचाइजी कराची किंग्स के मैचों के बीच कुछ अंतराल था।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

नेना एकेडमी की जीत में जयंत तांबी रोविन सिंह व शीष प्रजापत चमके

जयपुर, 7 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नेना ग्राउण्ड पर खेले गये वर्षा से वादित मैच में नेना अकेडमी ने जयंत ताबी 61 रन के अद्धर्शतक रोविन सिंह 34 रन पर 2 रन पर 2 विकट आलें राउण्ड प्रर्दशन तथा आशिष प्रजापत 27 रन पर 3 विकट के बदोलत दि जयपुर स्पोर्ट एकेडमी को वी जे डी नियम के आधार 97 रन से हराकर क्वाटर फाईनल में प्रवेश किया है। टोस जीतकर नेना एकेडमी न पहले बल्लेबाजी करते हुये रोविन सिंह 34 रन बेनी प्रसाद 34 रन जयत तांबी 61 रन शुम मीणा 23 रन के मदद से निर्धारित 20 ऑवर में 6 विकट जोकर 204 रन बनाये। गेंद बाजी में दि जयपुर स्पोर्ट एकेडमी के ओर से रवि मीणा 32 रन पर 2 विकट गौरव तोडावत 34 रन पर 2 विकट लेकर सफल गेंद बाज रहें। जवाबी पारी में गोरव तोडावत 33 रन विशाल सिंगा 36 रन व मनीष टांक 18 रन प्रत्येक 15 नोट आउट बलेबाजी कर रहे थे उसी समय वर्षा से मैच में व्यवदान आया और एम्पायारों ने मेच रोक दिया तथा बी जी पी नियम के अनुसार नेना एकेडमी ने यह मेच जित लिया नेना एकेडमी कि ओर से आशिष प्रजापत 27 रन पर दो विकट और रोबिन सिंह दो रन पर 2 विकट लेकर सफल गेंद बाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच रोविन सिंह नेना क्रिकेट एकेडमी रहें।

रेसलर ललित इतिहास रचने से एक कदम दूर

नई दिल्ली, 7 अप्रेल। हरियाणा के पानीपत के ललित शहरावत ने जिंदगी में कितनी भी मुश्किलें आईं हो लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। गरीबी, अकेलेपन और संघर्षों से भरे रास्ते पर चलते हुए ललित ने न सिर्फ खुद को संभाला, बल्कि वह एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचने से महज एक कदम दूर हैं।ललित ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उलटफेर किया और चीन के नंबर-1 पहलवान को हराया। ललित अब एशियाई चैंपियन बनने वाले चौथे भारतीय पहलवान बनने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। ललित की कहानी सिर्फ एक जीत नहीं बल्कि जिद, जुनून और जज्बे की मिसाल है। जिसने हर मुश्किल को पटखनी देकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। ललित का अब फाइनल में उज्बेकिस्तान के तीसरे वरीयता प्राप्त इख्तियार बोतिरोव से मुकाबला होगा। ललित के पास एशियाई खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवान बनने का सुनहरा मौका है। मैट पर उनके शानदार टेकडाउन के बिल्कुल उलट पानीपत की गलियों से लेकर एशियन पोडियम तक का सफर जरा भी आसान नहीं रहा है।

राज्य स्तरीय यू 20 फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 के दूसरे दिन जारी रहा फुटबॉल का रोमांच

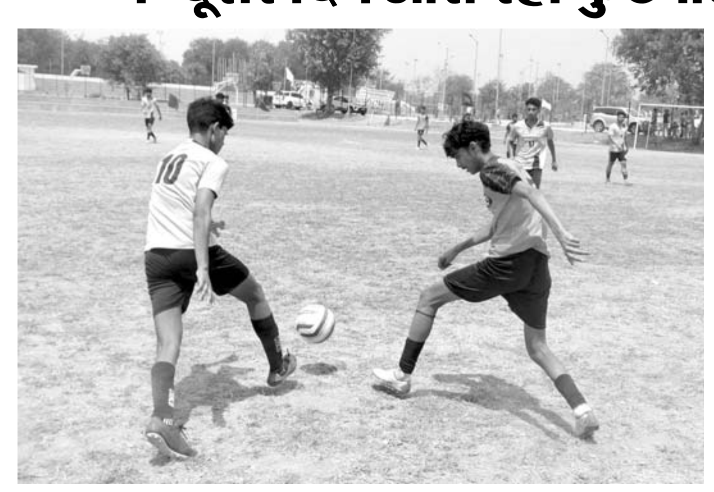

चित्तौड़गढ़, 7 अप्रैल। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के निर्देशानुसार एवं राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के मार्गदर्शन में जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का दूसरे दिन मंगलवार सुबह सैनिक स्कूल मैदान,चित्तौड़गढ़ में अत्यंत भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में मैच का आयोजन जारी रहा। प्रतियोगिता के उद्घाटन दिवस पर खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल,आक्रामक रणनीति और शानदार फुटवर्क का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मैदान क्रमांक 1 पर खेले गए मुकाबले में जोधपुर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए जयपुर को 2-0 से पराजित किया।

झुंझूनु एवं राजसमंद के मध्य खेले गए मुकाबले में झुंझुनु ने 2 गोल से विजय प्राप्त की। उदयपुर एवं सीकर के मुक़ाबले में उदयपुर ने सीकर को 3-1 से मात दी। चित्तौड़गढ़ एवं श्री गंगानगर के रोमांचक मुकाबले में श्रीगंगानगर ने जीत हासिल की।

मैदान क्रमांक 2 पर अजमेर की टीम ने संगठित खेल का परिचय देते हुए पाली को 1-0 से शिकस्त दी। अलवर एवं भीलवाड़ा में मध्य खेले गए मैच में भीलवाड़ा ने अलवर को 1-0 से हराया। दोनों मैचों में खिलाड़ियों ने तेज़ पासिंग,सटीक स्ट्राइक और मजबूत डिफेंस के साथ खेल की उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का परिचय दिया। कोटा एवं नागौर के मुक़ाबले में कोटा ने नागौर को 5-0 से हराया। वही जोधपुर एकेडमी एवं हनुमानगढ़ में मध्य मुक़ाबले में जोधपुर एकेडमी 1-0 विजेता रही। कल क्वार्टर फाइनल व सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे आयोजन समिति के फैसल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों की टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें 400 से अधिक खिलाड़ी अपने हुनर का प्रदर्शन कर रहे हैं।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने गोकुलम केरल एफसी को 1-0 से हराया

जयपुर, 7 अप्रैल। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने आईएफएल 2026 स्टेज 1 के अपने अंतिम घरेलू मुकाबले को शानदार अंदाज़ में समाप्त करते हुए विध्याधर नगर स्टेडियम में गोकुलम केरल एफसी को 1-0 से हराया। जब मैच ड्रॉ की ओर बढ़ता हुआ प्रतीत हो रहा था, तभी पांगाम्बम नाओबा मेइतेई ने हीरो बनकर इंजरी टाइम (90 मिनट) में निर्णायक गोल किया। उनके इस मैच-विजेता प्रयास ने न केवल राजस्थान यूनाइटेड एफसी को जीत दिलाई, बल्कि उन्हें स्टार सीमेंट मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार भी दिलाया। मैच की शारीरिक तीव्रता के कारण कुछ चोट की चिंताएं भी सामने आईं, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ी कड़े मुकाबलों के दौरान चोटिल हुए। हमारे एक खिलाड़ी, अब्दुल समद आंगो, दूसरे हाफ में चोटिल हो गए और उन्हें हमारे मेडिकल पार्टनर, इटरनल हॉस्पिटल द्वारा अस्पताल ले जाया गया। राजस्थान यूनाइटेड एफसी को सम्मान प्राप्त हुआ कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि हरिभाऊ बागड़े (राज्यपाल, राजस्थान), विशिष्ट अतिथि कैलाश चौधरी (कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार), तथा विशेष अतिथि जय पटेल, रामप्रसाद (वरिष्ठ प्रचारक, आरएसएस), मंजू शर्मा (सांसद), डॉ. अरविंद अग्रवाल, के साथ चेयरमैन के.के. टाक और मैनेजिंग डायरेक्टर रोशनी टाक उपस्थित रहे। इस रोमांचक घरेलू जीत के बाद राजस्थान यूनाइटेड एफसी के चेयरमैन के.के. टाक ने कहा यह वास्तव में एक रोमांचक, दिल की धड़कन बढ़ाने वाला और सांस रोक देने वाला मुकाबला था। ऐसे पल ही फुटबॉल को परिभाषित करते हैं और हमारी टीम की भावना को दर्शाते हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे खिलाड़ी अब्दुल चोटिल हो गए, लेकिन हम सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें हर संभव चिकित्सा सहायता मिले और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इस जीत के साथ हम आई-लीग 2026 सीजन के अपने घरेलू चरण का समापन गर्व के साथ करते हैं। मैं हमारे सभी समर्थकों और शुभचिंतकों का धन्यवाद करता हूं। अगला मुकाबला: राजस्थान यूनाइटेड एफसी अब अपना अगला मैच 12 अप्रैल 2026 को श्रीनिधि डेक्कन एफसी के खिलाफ उनके मैदान पर खेलेगी।

स्वस्थ तन और मन के लिए जीवन में खेल जरूरी : राज्यपाल

जयपुर, 7 अप्रैल। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को विद्याधर नगर स्थित स्टेडियम में राजस्थान यूनाईटेड फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजित इण्डियन फुटबाल लीग का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन और मन लिए खेल जरूरी है। उन्होंने "खेलो इंडिया" के तहत भारतीय खेलों के प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। राज्यपाल ने कहा कि आधुनिक फुटबॉल का जन्म 19वीं सदी में इंग्लैंड में हुआ। अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल संघ (फीफा) की स्थापना 1904 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई। इसके संस्थापक सदस्यों में बेल्जियम, फ्रांस, डेनमार्क, नीदरलैंड, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड शामिल थे। पेरिस में 1900 में हुए विश्व कप के बाद हर विश्व कप में यह खेल खेला गया है। महिलाओं की प्रतियोगिता को अटलांटा 1996 के खेलों में शामिल किया गया था।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खण्ड-।। बीकानेर

क्रमांक-01 दिनांक-01.04.2026

ई-बोली सूचना संख्या-01/2026-2027

Bid for Constt of Missing Link/Non Patchable Various Roads under ML-NP/2025-26 are invited from interested bidders from 02-04-2026 to 09-04-2026 06.00 PM. and to be opened 10-04-2026 02:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD Department website. The approximate value of the procurement is Rs 162.32 Lacs.

PWD2627WSOB00088,
PWD2627WSOB00089,
PWD2627WSOB00090

DIPR/C/6500/2026

अधिशाषी अभियन्ता
सानिवि जिला खंड-।। बीकानेर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ओ.एफ.डी. खण्ड प्रथम, सिं.क्षे.वि., इं.गा.न.प., बीकानेर

क्रमांकः- 23 दिनांकः- 01/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01 वर्ष 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Construction of Pucca Water Courses in Bhakhra Canal Project of Chak 16 PBN-B, Chak 11 SGR-A & Chak 3 BLW की अनुमानित लागत रूपये क्रमशः 67.66, 47.09 एवं 100.86 लाख है, के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन / डाउनलोड की अवधि दिनांक 06.04.2026 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 16.04.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाएं इलैक्ट्रोनिक फोर्मेट में https://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 17.04.2026 को दोपहर 02.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https:// cad. rajasthan.gov.in डीआईपीआर की वेबसाईट www. dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(1) UBN NO-COB2627WSOB00001
(2) UBN NO.- CDB 2627WSOB00002
(3) UBN No. COB 2627WSOB00003

DIPR/C/6484/2026

अधिशाषी अभियन्ता,
ओएफडी खण्ड प्रथम, सिंक्षेवि, इंगानप, बीकानेर
मोबाईल-9414603873

भजनलाल के नेतृत्व में राजस्थान का कृषि रोड मैप तैयार- शिवराज सिंह चौहान

बाजरा, सरसों, इसबगोल में हम देश में प्रथम स्थान पर, अब प्रोसेसिंग पर जोर देंगे- मुख्यमंत्री

जयपुर, 7 अप्रेल। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजस्थान में कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में कृषि का रोडमैप तैयार किया गया है। चौहान ने अन्य राज्यों को भी इस नवाचार का अनुसरण करने का संदेश दिया।

चौहान मंगलवार को जयपुर में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की भौगोलिक विविधताओं को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में पहले क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का शुभारंभ राजस्थान से किया गया है। उन्होंने खेती से जुड़े इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का राजस्थान में आयोजन होने पर धन्यवाद दिया।

■ केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि पहला क्षेत्रीय सम्मेलन राजस्थान में हो रहा है। इसमें कृषि क्षेत्र की आवश्यकताओं, चुनौतियों व संभावनाओं को समझने का एक मंच मिलेगा और कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गोवा तथा राजस्थान राज्य शामिल हैं तथा इस सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की आवश्यकताओं, चुनौतियों और संभावनाओं को समझने का एक मंच मिलेगा। साथ ही, सम्मेलन से राज्यों के बीच आपसी समन्वय व नवाचारों को भी साझा कर कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि प्रदेश को कृषि निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में मई माह में 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026' का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और तकनीकी जानकारों को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने केन्द्र कृषि मंत्री तथा कृषि से जुड़े अन्य गणमान्य विशेषज्ञों को इस सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। शर्मा ने पश्चिम क्षेत्रीय सम्मेलन का प्रथम आयोजन राजस्थान में करने के लिए कृषि मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस सम्मेलन में कृषि विकास के लिए जो वैचारिक मंथन होगा, वह कृषि के भविष्य को नई दिशा देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कृषि बजट में 34 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए वर्ष 2026-27 के लिए 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज बाजरा, सरसों और ईसबगोल जैसे उत्पादों में देश में प्रथम स्थान पर है, जिसे अब प्रोसेसिंग यूनिट्स के जरिए और अधिक लाभकारी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को अब पारंपरिक तरीकों के स्थान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिससे कृषि, नौकरी और व्यापार से भी अधिक लाभकारी बन सके।

असम में भूकंप के झटके

गुवाहाटी, 07 अप्रैल। असम में मंगलवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का झटका दोपहर 02 बजकर 18 मिनट 31 सेकेंड पर महसूस किया गया।

भारतीय सिस्मोलॉजी केन्द्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.8 मापी गई। इसका केन्द्र असम के हैलाकांदी जिले में जमीन के अंदर करीब 5 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप का एपिसेंटर 24.823 उत्तरी अक्षांश और 92.634 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया।

■ फिलहाल जान-माल की हानि की सूचना नहीं।

झटके महसूस होते ही लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

लगातार तीसरे दिन श्रीगंगानगर में पाकिस्तान से आई हेरोइन पकड़ी

श्रीगंगानगर, 7 अप्रेल (निसं)। बॉर्डर पर लगातार मादक पदार्थ हेरोइन की तस्करी की घटनाएं सामने आ रही हैं। लेकिन बीएसएफ और पुलिस ने मिलकर इस वारदात को भी असफल कर दिया है। टीम ने एक एफसी रोही में किसान दिलबागसिंह के खेत से तीन पैकेट में 2 किलो 340 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बरामद हुई हेरोइन की एनसीबी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में 12 करोड़ रुपए कीमत आंकी है। दो अज्ञात युवक हेरोइन के पैकेट उठाने में तो कामयाब हो गए, लेकिन ले जा नहीं सके। बीएसएफ की मूवमेंट के कारण आरोपियों को न केवल हेरोइन के पैकेट, बल्कि अपने कपड़े व जूते तक मौके पर ही छोड़कर भागना पड़ा।

श्रीकरणपुर थाने के कार्यवाहक एसएचओ मालासिंह ने अज्ञात युवकों पर हेरोइन तस्करी के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है। एसपी हरी शंकर के निर्देश पर मामले की जांच समेजा कोठी एसएचओ कृष्ण कुमार को सौंपी गई है।

■ पकड़ी गई दो किलो 340 ग्राम हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 12 करोड़ रूपए बताई जाती है।

कार्रवाई में थाने से एएसआई जंगशेर खान, कांस्टेबल लोकेश मीणा, विनोद व चालक जोगिंदर सिंह तथा बीएसएफ के एसआई अतुल शर्मा व हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार सहित, अन्य जवान भी शामिल थे।

बीएसएफ की 118वीं बटालियन के कमांडेंट पीएस राठौड़ व अन्य अधिकारियों ने मौका देखा। बीएसएफ की 163वीं बटालियन के तीन एफसी बीओपी के रात्रिकालीन ड्यूटी स्टाफ ने रात 2 से 3 बजे के बीच एक एफसी की रोही में ड्रोन की एक्टिविटी को देखा। इसकी सूचना बीओपी अधिकारियों और फिर उच्चाधिकारियों को दी गई। बीएसएफ के जवानों ने एरिया को सील करने को गाड़ियां दौड़ाई, जिस ओर से ड्रोन वापस पाकिस्तान की ओर लौटा, उस एरिया में सर्च शुरू किया। बीएसएफ के जवानों ने दो अज्ञात आरोपियों को दूर से देखकर ललकारा। इससे आरोपी अपना सामान मौके पर ही छोड़कर भागे और अंधेरे में गायब हो गए। लेकिन उनके मौके पर मिले बैग से तीन पैकेट हेरोइन, लोअर, स्वेटर, कंबल व दो जोड़ी जूते बरामद किए गए हैं। दोनों संदिग्ध युवकों के बारे में बीएसएफ और पुलिस को अहम सुराग हाथ लगा है। मौके पर मिले कपड़ों में राजस्थान रोडवेज की दो टिकटें मिली हैं। इनमें 24 मार्च की टिकट 78 एनपी से अनूपगढ़ तक की, 30 मार्च की टिकटें समेजा कोठी से अनूपगढ़ तक की हैं। इससे यह आशंका है कि हेरोइन के इन पैकेट को उठाने आए युवक 78 एनपी या आसपास के एरिया के हो सकते हैं, इसीलिए जांच समेजा कोठी एसएचओ को दी गई है।

'अगले 48 घंटे घर पर ही रहें'

भारत सरकार ने ईरान में रह रहे भारतीयों के लिए एडवाइज़री जारी की

नई दिल्ली, 08 अप्रैल। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने मंगलवार को ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को सलाह दी कि वे अगले 48 घंटों तक जहां हैं, वहीं रहें। घर के अंदर ही रहें और बिजली और सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ-साथ बहुमंजिला इमारतों की ऊपरी मंजिलों से दूर रहें।

इसके अलावा, दूतावास द्वारा व्यवस्थित होटलों में ठहरे लोगों से कहा गया है कि वे अपने कमरों के भीतर ही रहें और वहां मौजूद टीमों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखें। वहीं, सभी नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे आधिकारिक अपडेट्स पर बारीकी से नजर रखें, क्योंकि आपातकालीन हेल्पलाइनें अभी भी चालू हैं। बहरीन में अमेरिकी दूतावास ने अमेरिकियों को शेल्टर इन प्लेस (सुरक्षित जगह पर रहने) की सलाह दी है, क्योंकि वह मध्य-पूर्व में हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है। दूतावास ने अमेरिकी सरकार के सभी कर्मचारियों को घर के अंदर रहने का निर्देश दिया है और नागरिकों को भी अगली सूचना तक ऐसा ही करने की सलाह दी है। दूतावास ने लोगों से सुरक्षित इमारतों में रहने, खिड़कियों से दूर रहने और भोजन, पानी और दवाइयों जैसी जरूरी चीजें अपने पास रखने का आग्रह किया है। साथ ही, दूतावास ने अपनी सभी नियमित कांसुलर सेवाओं को निलंबित करने की घोषणा की है और नागरिकों से अपडेट के लिए अपने ईमेल चेक करते रहने को कहा है। कतर ने मंगलवार को चेतावनी दी कि यह क्षेत्र एक ऐसे मोड़ के करीब है, जहां स्थिति "नियंत्रण से बाहर हो सकती है।" अमेरिकी मीडिया के पूछे जाने पर, कि क्या कतर को लगता है कि अमेरिका की तय समय सीमा से पहले इस युद्ध को शांत किया जा सकता है, कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद अल-अंसारी ने कहा: "हम सभी पक्षों से लगातार आग्रह कर रहे हैं कि वे इस युद्ध का कोई समाधान निकालें, इससे पहले कि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाए।"

■ दूतावास ने लोगों को सुरक्षित इमारतों में रहने तथा जरुरी दवाएं व सामान साथ रखने का निर्देश दिया है।

पवन खेड़ा के घर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के निजामुद्दीन ईस्ट स्थित घर पहुंची। ज्ञातव्य है कि कुछ दिन पूर्व ही, उन्होंने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी के पास तीन पासपोर्ट हैं और विदेशी संपत्तियां हैं। कांग्रेस के मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा असम पुलिस के आने के समय घर पर मौजूद नहीं थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेता हैदराबाद में हैं।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, "खेड़ा सोमवार को गुवाहाटी से भाग गये । मुझे मीडिया के जरिए पता चला कि पुलिस उनके दिल्ली स्थित निवास पर गई है, लेकिन वे हैदराबाद चले गए हैं। कानून अपना काम करेगा।"

पुलिस टीम कांग्रेस नेता के घर से दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर बाद चली गई। घर की तलाशी के बाद असम पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, "हमें पवन खेड़ा नहीं मिले। घर की तलाशी ली गई। कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए।" इस कार्रवाई का कारण यह रहा कि खेड़ा ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयाँ सरमा, के पास तीन पासपोर्ट हैं और परिवार के संयुक्त राज्य अमेरिका में 52,000 करोड़ रुपये के व्यापारिक हित हैं। तलाशी की कार्रवाई उस एफआईआर के बाद हुई, जो सरमा की पत्नी ने सोमवार को दर्ज कराई थी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने उनकी पत्नी पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए, तुरंत धमकी एवं अपमान भरे लहजे में कहा था, "पवन खेड़ा, पवन पेड़ा बन जाएगा" (जिसमें कोई मिठास नहीं है)।

युद्ध समाप्ति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

9. ईरान होर्मुज़ के माध्यम से सुरक्षित मार्ग के लिए नियम बनाएगा।

10. ईरान होर्मुज़ शुल्क का उपयोग युद्ध की क्षतिपूर्ति के बजाय, पुनर्निर्माण के लिए करेगा।

जिस देश का इतिहास कुछ ढाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिटने को तैयार हैं।

ईरान के प्रतिरोध का संकेत देते हुए, एक प्रसिद्ध ईरानी संगीतकार पहले ही एक खूबसूरत ईरानी कालीन पर बैठा है, पीछे बिजली संयंत्र दिखाई दे रहा है, और वह अपने पारंपरिक ईरानी वाद्य यंत्र को बजा रहा है।

अभी कुछ ही महीने पहले, पूरा देश अपने तानाशाही शासकों के खिलाफ खड़ा हुआ था। अब वही देश मजबूत राष्ट्रीवादी भावना के साथ, अपने राष्ट्रीय अस्तित्व की खातिर एकजुट हो रहा है। ट्रंप की नीतियों ने विरोध कर रहे देश को मजबूत राष्ट्रवादी बना दिया है।

अपने दम्भ के स्वर में, ट्रंप ने कहा कि पूरे देश को एक रात की बमबारी में ध्वस्त करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने देश के सभी बिजली संयंत्रों और नागरिक सुविधाओं, जैसे पुलों और सड़कों को नष्ट करने की धमकी दी। सभी विशेषज्ञों और कूटनीतिज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसे कार्य, वर्तमान युद्ध कानून के तहत, युद्ध अपराध माने जाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति की ईरान के खिलाफ कड़ी भाषा यह भी दर्शाती है कि वे ईरान पर निर्णायक विजय प्राप्त न होने की हताशा से पीड़ित हैं। उनका युद्ध, जिसके शुरू में केवल एक सप्ताह में समाप्त होने की उम्मीद थी, अब दूसरे महीने में प्रवेश कर गया है और अमेरिका को कोई स्पष्ट जीत नहीं मिली है।

रियल एस्टेट और निर्माण उद्योग पृष्ठभूमि वाले वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी अनूठी भाषा में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि क्रांतिकारी रूप से कुछ अद्भुत भी हो सकता है।

संभवत: उनके पास ऐसा समय भी नहीं था कि वे ग्रे की "एलेजी" जैसी भावपूर्ण कविता को पढ़ पाते।

ट्रंप ईरान के तेल द्वीप खार्ग पर बमबारी पहले ही कर चुके हैं, जो देश के 90 प्रतिशत तेल निर्यात को संभालता है। अमेरिकी सैनिकों ने उसी द्वीप पर ईरानी सैन्य गोदामों और टर्मिनलों को भी निशाना बनाया। इसके जवाब में, ईरान ने अमेरिकी क्षेत्रीय सहयोगियों पर और हमले करने की धमकी दी है।

वर्तमान युद्ध में ये देश काफी नुकसान झेल चुके हैं। उन्होंने शिकायत की, लेकिन ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों की बारिश के सामने कुछ नहीं कर पाए।

अब युद्ध एक खतरनाक मोड़ ले रहा है, जहां नागरिक सुविधाओं और आम नागरिकों को भी निशाना बनाया जाना है। दोनों पक्ष यह भी कह रहे हैं कि वे जल शोधन संयंत्रों को भी निशाना बनाएंगे। खाड़ी और पश्चिम एशिया के शुष्क क्षेत्रों में पीने के पानी के स्रोत सीमित हैं और जल शोधन संयंत्र वहां की आबादी की जल आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

इसके अलावा, तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। इन क्षेत्रों में बिना एयर-कंडीशनिंग के जीवन लगभग असंभव होगा। यदि युद्ध इन सुविधाओं को अंधाधुंध नष्ट करता है, तो यहां से भारी पलायन की संभावना है।

बैसाखी पर 2800 भारतीयों को पाकिस्तान का वीज़ा

नई दिल्ली, 07 अप्रैल। बैसाखी के अवसर पर पाकिस्तान ने इस वर्ष भारत के 2800 से अधिक तीर्थयात्रियों को वीज़ा जारी किया है।

दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग ने मंगलवार को बताया कि बैसाखी पर्व के अवसर पर भारत से 2800 से अधिक तीर्थयात्रियों को वीज़ा जारी किए गए हैं, ताकि वे 10 से 19 अप्रैल 2026 तक पाकिस्तान में आयोजित होने वाले वार्षिक धार्मिक समारोह में भाग ले सकें।

■ ये 10 से 19 अप्रेल तक पाकिस्तान में आयोजित होने वाले वार्षिक धार्मिक समारोह में भाग ले सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि खालसा साजना दिवस, यानी बैसाखी के पवित्र अवसर पर हर वर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं के जत्थे पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए जाते हैं। इस यात्रा का आयोजन शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा किया जाता है, जो श्रद्धालुओं की यात्रा और व्यवस्थाओं का समन्वय करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने बैंक खाते को फ्रॉड घोषित करने के नियम बनाये

बैंक के लिये ग्राहक को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका देना कोई अनिवार्य नहीं, पर 'फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट' पहले देनी होगी

नई दिल्ली, 08 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी के मामलों में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि बैंकों के लिए किसी भी खाते को 'फ्रॉड' (धोखाधड़ी) घोषित करने से पहले संबंधित ग्राहक को व्यक्तिगत रूप से मौखिक सुनवाई का मौका देना अनिवार्य नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए एक अहम शर्त भी रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि बैंकों को भले ही व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत न हो, लेकिन किसी भी खाते को फ्रॉड लेबल करने से पहले बैंक को उस ग्राहक को 'फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट' मुहैया करानी होगी। यह रिपोर्ट ग्राहक को अपना पक्ष रखने और बैंक के आरोपों को समझने का मौका देगी, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है।

यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा इस साल की शुरुआत में दी गई दलीलों के बाद आया है।

■ गत दो वर्ष में बैंच धोखाधड़ी के करीब 60 हजार मामले दर्ज हुए, जिनमें 48,244 करोड़ रुपये की राशि थी।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने एसबीआई की ओर से दलील दी थी कि बैंकिंग प्रणाली में धोखाधड़ी के मामलों के बड़े पैमाने को देखते हुए हर मामले में व्यक्तिगत सुनवाई करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

मेहता ने तर्क दिया कि यदि व्यक्तिगत सुनवाई की अनिवार्यता लागू की जाती है तो इससे धोखाधड़ी वाले खातों की पहचान करने और उन्हें घोषित करने की पूरी प्रक्रिया बाधित हो सकती है। कोर्ट को बताया गया कि पिछले दो वित्तीय वर्षों में बैंक धोखाधड़ी के लगभग 60,000 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 48,244 करोड़ रुपये की राशि शामिल थी।

एयर इंडिया के सीईओ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद इस पद को संभाला और अपना पांच वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने से पहले इस्तीफा दे दिया।

अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने बेड़े के आधुनिकीकरण, सेवा मानकों में सुधार और संचालन एकीकरण के जो प्रयास किए, उनमें उन्हें कई बाधाओं का सामना करना पड़ा, जिनमें सप्लाई चेन में व्यवधान, विमान डिलीवरी में देरी और बढ़ती लागत शामिल हैं।

एयर लाइन ने कहा, "विल्सन ने 2024 में एयर इंडिया के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन को 2026 में पद छोड़ने का इरादा बताया था और तब से वे संगठन और नेतृत्व टीम को संक्रमण के लिए स्थिर आधार पर सुनिश्चित करने का काम कर रहे थे।"

विल्सन अपने उत्तराधिकारी की घोषणा होने तक सीईओ तथा प्रबंधनिदेशक के पद पर काम करते रहेंगे और एमडी के रूप में कार्य जारी रखेंगे।

रुस और चीन खुलकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास वीटो शक्ति है। इसी का इस्तेमाल कर प्रस्ताव को रोक दिया गया। शुरुआत में प्रस्ताव में अनुच्छेद 7 शामिल था। इससे सदस्य देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए बल प्रयोग की अनुमति मिल सकती थी। रूस और चीन इसका विरोध कर रहे थे। इसी वजह से लंबे समय तक बातचीत चली। प्रस्ताव की भाषा बदली गई। अंत में जो प्रस्ताव लाया गया, उसमें केवल देशों से रक्षात्मक तरीके से सहयोग करने की बात कही गई। बल प्रयोग की बात हटा दी गई थी।

बहरीन को उम्मीद थी कि रूस और चीन कम से कम मतदान से दूरी बनाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सुरक्षा परिषद इस मुद्दे पर बंटी हुई नजर आई। रूस और चीन ने वीटो कर साफ कर दिया कि वे ईरान के साथ खड़े हैं। दोनों देशों का कहना है कि प्रस्ताव में ईरान की बहुत कड़ी आलोचना की गई थी।

पश्चिम एशिया वॉर बढ़ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक वीडियो संदेश में, रहिमी ने युवाओं, विश्वविद्यालयी समुदायों और सांस्कृतिक हस्तियों को स्थानीय समयानुसार मंगलवार दोपहर 2 बजे बिजली संयंत्रों के पास एकत्र होने का आग्रह किया। उन्होंने इन सुविधाओं को "हमारी संपत्ति" कहा और लोगों से, नज़र में आने वाली, नागरिक उपस्थिति के माध्यम से, उनकी सुरक्षा करने का आग्रह किया।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए, रहिमी ने कहा कि सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी हमले को युद्ध अपराध माना जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिक एकजुट होकर स्पष्ट संदेश देंगे कि नागरिक जीवन और आवश्यक सेवाओं को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

ईरान के प्रतिनिधियों ने संयुक्त राष्ट्र में भी चिंता जताई, अमेरिकी चेतावनियों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और जन-जीवन पर हमलों को प्रोत्साहित करने वाला बताया।

ट्रंप ने ईरान के लिए "रात 8 बजे की समय सीमा" निर्धारित की है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर तेहरान अनुकूल प्रतिक्रिया नहीं देता, तो अमेरिकी सेनाएं सीमित समय में बिजली संयंत्रों और पुलों पर समन्वित हमले कर सकती हैं।

वाइट हाउस में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि यह अभियान मुख्य बुनियादी ढांचे को अनुपयोगी बना सकता है। उन्होंने कहा कि स्थिति संकटपूर्ण अवधि में है और ईरान को समझौता करने के लिए अतिरिक्त समय पहले ही दिया जा चुका है।

उन्होंने चेतावनी दी, "पूरा देश एक रात में तबाह हो सकता है तथा समय सीमा एक टर्निंग पॉइन्ट का रुप ले सकती है।

ट्रंप ने कहा, "यह एक संकटपूर्ण अवधि है... उन्होंने सात दिनों की वृद्धि मांगी; मैंने उन्हें 10 दिन दिए। अब उनका समय कल तक है। अब देखेंगे, क्या होता है... बहुत लोग इससे प्रभावित हैं।

हम उन्हें कल, पूर्वी समयानुसार 8 बजे तक का समय दे रहे हैं। उसके बाद उनके पास कोई पुल नहीं होगा। उनके पास कोई बिजली संयंत्र नहीं होगा। वे पाषाण काल में होंगे।"

इसी बीच, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने चिंता व्यक्त की, जब प्रक्षेपास्त्र कथित रूप से बुशहर परमाणु ठिकाने के पास गिरे। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को कभी भी सैन्य लक्ष्य नहीं बनाना चाहिए।

पश्चिमी मीडिया ईरानी जनता का मनोबल तोड़ने के लिए लगातार काम कर रहा है। यह मीडिया ऐसी न्यूज़ रिपोर्ट दे रहा है, जिससे जवाबी हमले का सार्वजनिक संकल्प प्रभावित हो सकता है। "द टाइम्स यूके" में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, नव नियुक्त सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई क़ोम शहर में चिकित्सा उपचार ले रहे हैं और गंभीर स्थिति में हैं।

रिपोर्ट, जिसे अमेरिकी और इज़राइल द्वारा खाड़ी देशों को साझा किए गए खुफिया इनपुट पर आधारित बताया गया है, दावा करती है कि खामेनेई इस समय बेहोश हैं और किसी राजकीय निर्णय में भाग लेने में असमर्थ हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यह पहली बार है कि उनकी सटीक स्थिति सार्वजनिक रूप से इतनी विस्तार से जानकारी में आई है।

समीक्षा किए गए मेमो के अनुसार, खामेनेई "सीरियस मेडिकल कन्डीशन" के इलाज में हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिमी एशिया में तनाव बढ़ने के बाद से वे सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई दिए हैं, और ईरान के सरकारी मीडिया ने उनके कथित बयान ही प्रसारित किए हैं।

29 अप्रैल के बाद दिल्ली सहित 22 राज्यों में एसआईआर का अंतिम चरण शुरु होगा

चुनाव आयोग ने कहा हालिया विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद यह कवायद शुरु होगी

नई दिल्ली, 08 अप्रैल। चुनाव आयोग इस महीने आसन्न पांच विधानसभा चुनावों के बाद दिल्ली सहित, शेष 22 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में मतदाताओं की सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का तीसरा और अंतिम चरण शुरू कर सकता है।

एसआईआर चुनाव समाप्त होने के बाद 29 अप्रैल को शुरू हो सकती है। एक और संभावना यह है कि परिणामों की घोषणा के बाद इस विशाल कार्य को शुरू किया जाए। अब तक एसआईआर 10 राज्यों और तीन केन्द्र शासित प्रदेशों में किया गया है। असम में चुनावी रजिस्ट्रों का विशेष संशोधन किया गया। इन मतदाता सूची की छंटनी में लगभग 99 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ को शामिल किया गया है। बचे हुए 39 करोड़ मतदाताओं को 17 राज्यों व पांच केन्द्र शासित प्रदेशों में प्रस्तावित कार्य में शामिल किया जाएगा। इस महीने केरलम, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और बंगाल में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और मतगणना 4 मई को होगी। अधिकारियों ने कहा कि 19 फरवरी को चुनाव आयोग ने दिल्ली सहित 22 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से एसआईआर से संबंधित तैयारी का कार्य जल्द पूरा करने के लिए कहा था, क्योंकि इसके अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है।

■ चुनाव आयोग ने इन राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को इस बारे में पत्र लिखा है।

पान मसाला विज्ञापन को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवाद पेश कर अपने आप को एक्टिविस्ट बताया है और वह इस उत्पाद के उपभोक्ता भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि, जिला उपभोक्ता आयोग में 12 दिसंबर 2025 को योगेन्द्र सिंह द्वारा एक शिकायत दर्ज की गई, जिसमें कहा गया कि राजश्री पान मसाला और सलमान खान तंबाकु के प्रयोग को लेकर भ्रामक विज्ञापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजश्री द्वारा जारी एक विज्ञापन में बताया गया कि, इस तंबाकु उत्पाद में केसर का उपयोग किया गया है, लेकिन यह सच नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह की ओर से बताया गया कि, योगेन्द्र सिंह ने अपनी याचिका में कहा था कि राजश्री पान मसाला के उपयोग से कैंसर होता है, परंतु उन्होंने अपनी याचिका में जिन विज्ञापनों की बात की थी, वह पान मसाला ना होकर सिल्वर कोटेड इलायची से संबंधित थे। जिसके ब्रांड एम्बेसेडर अभिनेता सलमान खान हैं। ऐसे में जिला आयोग की ओर से विज्ञापन करने पर रोक लगाना और विज्ञापन करने वाले अभिनेता सलमान खान सहित अन्य के जमानती वॉरंट जारी करने का आदेश गलत और गैर कानूनी है। ऐसे मामलों की सुनवाई करने का अधिकार केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को ही है।

जिरह के दौरान उन्होंने बताया कि, जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा 6 जनवरी 2026 को दूसरी सुनवाई के दौरान विज्ञापन पर रोक लगायी गयी थी और यह आदेश कंपनी और सलमान खान का पक्ष सुने बिना ही दिए गए थे। साथ ही यह भी कहा गया था कि राजश्री पान मसाला कंपनी पर यह आदेश तब तक लागू रहेगा, जब तक कि वह अपना जवाब पेश नहीं कर देती। इसके बाद 15 जनवरी 2026 को जब कंपनी की ओर से जवाब प्रस्तुत कर दिया गया था, इसके बावजूद भी जिला उपभोक्ता आयोग ने अपने 6 जनवरी के आदेश को नहीं हटाया, उल्टा सलमान खान के हस्ताक्षरित शपथ पत्र में हस्ताक्षर मिलान करने के लिए कमिश्नर नियुक्त करने के आदेश तक दे डाले, जो कि पूरी तरह अवैध है।

अदालत को बताया गया कि जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा दिए गए अवैध आदेशों के खिलाफ राजश्री पान मसाला और सलमान खान की ओर से राज्य आयोग में अपील दायर की गई। जिस पर राज्य आयोग ने सभी कानूनी तर्कों को रिकॉर्ड पर तो लिया, लेकिन जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश पर कोई रोक नहीं लगायी।

सुनवाई के बाद राजस्थान हाईकोर्ट में दायर रिट याचिका में अदालत ने माना कि जिला उपभोक्ता मंच के पास ऐसी शिकायतें सुनने का कोई अधिकार नहीं था। जिला उपभोक्ता आयोग ने राजश्री पान मसाला और अभिनेता सलमान खान का पक्ष सुने बिना ही विज्ञापन बंद करने के आदेश दिए थे, जो कि गलत है। जब सुनवाई के दौरान कंपनी व अभिनेता की ओर से पैरवी के लिए अधिवक्ता मौजूद थे, उसके बावजूद भी जमानती वारंट जारी करना और यह कह देना कि अभिनेता सलमान खान के हस्ताक्षर मैच करवाए जाएं, पूरी तरह अवैध है। ऐसे में एकलपीठ ने उपभोक्ता आयोग के तीनों आदेशों पर रोक लगा दी।

भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपको ऐसा करने पर मजबूर करेंगे।" उन्होंने मतदाता सूची से नाम हटाने के आरोप को भी दोहराया। उन्होंने कहा, एसआईआर प्रक्रिया के दौरान, पश्चिम बंगाल में 250 लोग मरे हैं। इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600